जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 120 प्रभात हिण्डौन सिटी, मंगलवार 4 मार्च, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

''नार्थ इण्डिया'' के किस हिन्दी भाषी राज्य में कौनसी तीसरी भाषा पढ़ाई जाती है''

स्टालिन ने एक्स पर कटाक्ष किया, क्या तीन भाषा वाला फार्मूला उत्तर भारत के किसी राज्य में लागू होता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मार्च। इस समय दक्षिणी राज्यों में कथित रूप से ''भाषाओं को थोपने'' को लेकर चल रही बहस के अन्तर्गत, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने आज पलटवार करते हुये एक चुभती हुई बात कह दी। उन्होंने प्रश्न किया कि उत्तर भारत के किस हिन्दीभाषी राज्य में तीसरी भाषा पढ़ाई जाती है?

तीन-भाषा फॉर्मूले की अपनी आलोचना को और भी तीखी बनाते हुए, स्टालिन ने केन्द्र से पूछा कि क्या तीन-भाषा फार्मूला उत्तरी राज्यों में लागू है।

स्टालिन ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी तथा आलोचकों के दोहरे मानदण्डों की पोल खोलते हुये कहा कि वे पहले यह क्यों नहीं बताते कि उत्तर भारत में कौनसी तीसरी भाषा पढ़ाई जा रही है।

स्टालिन ने ''एक्स'' पर कहा, ''इकतरफा नीतियों के कुछ हिमायती, बड़े चिन्तित स्वर में पूछते हैं, ''आप तमिलनाडु के विद्यार्थियों को तीसरी भाषा को सीखने का अवसर क्यों नहीं दे रहे हैं?'' तो, ये लोग पहले यह क्यों नहीं बताते कि उत्तर में कौन सी तीसरी भाषा पढ़ाई जा रही है? अगर उन्होंने केवल दो भाषाएं वहाँ अच्छी तरह पढ़ाई हैं तो हमें तीसरी (भाषा) को पढ़ने की जरूरत कहाँ है?''

- इसी लय में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, अगर दो भाषाएं ही ठीक ढंग से पढ़ाई जायें, विद्यार्थियों को तीसरी भाषा सीखने की जरूरत ही नहीं है।
- स्टालिन के बेटे उदयनिधी स्टालिन ने यह भी कहा, कि, नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (नई शिक्षा नीति) के जरिये, छद्म रूप से केन्द्रीय सरकार हम पर हिन्दी थोपना चाहती है, जिसे हम कभी भी बर्दाश्त नहीं करेंगे।
- दूसरी तरफ केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा, कि, नई शिक्षा नीति के तहत, भारत सरकार का आशय है, कि देश की सभी भाषाएं पनपें। हमने नई शिक्षा नीति में कहीं भी नहीं कहा, कि तीसरी भाषा के तहत केवल हिन्दी ही पढ़ाई जायेगी।

मुख्यमंत्री की ये टिप्पणियाँ तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री तथा उनके पुत्र उदयनिधि स्टालिन के सख्त बयान के बाद आयी हैं, जिन्होंने राज्य में हिन्दी थोपने के केन्द्र के कथित प्रयासों का विरोध किया था।

रविवार को उदयनिधि ने कहा था कि तमिलनाडु नैशनल एजुकेशन पॉलिसी (एन.ई.पी.) या किसी भी रूप में हिन्दी थोपने को कभी स्वीकार नहीं करेगा।

उन्होंने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया था कि एन.ई.पी. के जरिए ''अप्रत्यक्ष रूप से'' हिन्दी को थोपने की कोशिश की जा रही है, जबकि राज्य लम्बे समय से ऐसी नीतियों का प्रतिरोध करता आ रहा है।

तमिलनाडु सरकार ने 2020 की नैशनल एजुकेशन पॉलिसी (एन.ई.पी.) लागू करने का सख्ती से विरोध किया है और इस नीति के ''तीन-भाषा फार्मूले'' को लेकर चिंता जताई है तथा आरोप लगया है कि केन्द्र हिंदी ''थोपना'' चाहता है।

बहस के दूसरे पक्ष में, केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने एन.ई.पी. की तीन-भाषा-नीति के पीछे के सरकार के उद्देश्यों को स्पष्ट किया तथा कहा कि नई शिक्षा नीति सभी भारतीय भाषाओं के उत्थान के लिहाज से तैयार की गई है।

प्रधान ने हरिद्वार में कहा, ''नैशनल एजुकेशन पॉलिसी (एन.ई.पी.) 2020 को सभी भाषाओं को महत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पेपर लीक मामले में फरार सुरेश ढाका के भाई की जमानत अर्जी खारिज

जयपुर, 3 मार्च। सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने द्वितीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2022 पेपर लीक मामले में फरार चल रहे सुरेश ढ ाका के भाई कमलेश की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी सुनील रणवाह ने अपने आदेश में कहा कि आरोपी पेपर लीक से जुड़े दो अन्य मामलों में भी न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। ऐसे में यदि उसे जमानत दी गई तो वह पुनः समान प्रकृति के अपराधों में लिप्त हो सकता है। इसलिए आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज किया जाता है।

- सीबीआई मामलों की विशेष अदालत ने कहा कि आरोपी पेपर लीक से जुड़े दो अन्य मामलों में भी न्यायिक अभिरक्षा में है इसलिए जमानत अर्जी खारिज की जाती है।

जमानत अर्जी में कहा गया कि प्रकरण के दस्तावेजों को लेकर विरोधाभास है। प्रार्थी के खिलाफ कोई सीधा साक्ष्य भी नहीं है। उस पर सोवनी कुमारी को प्रश्न पत्र मुहैया कराने का आरोप है और सोवनी को पूर्व में ही जमानत दी जा चुकी है। मामले में उसे केवल सोवनी के साथ मोबाइल वार्ता के आधार पर ही शामिल किया गया है। जिस स्थान पर बस में अभ्यर्थियों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका ने सोच-समझ कर जाल फेंका था, ज़ैलैंस्की को फंसाने के लिए

पर ट्रम्प-ज़ैलैंस्की प्रकरण से सबसे ज्यादा हानि हुई, तो ट्रम्प को

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मार्च। गत शुक्रवार को वाइट हाउस में जो हंगामा हुआ, उसने यदि किसी को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया है, तो वो हैं डॉनल्ड ट्रंप। इस घटना ने ट्रंप के उस वादे को खारिज कर दिया कि वो एक दिन में हाथ की करामात से यूक्रेन युद्ध खत्म कर देंगे। अब यूक्रेन में युद्ध कहीं अधिक जटिल लग रहा है।

पश्चिमी मीडिया अब ज़ैलैंस्की-ट्रप झड़प के हर संभव परिणाम को बड़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत कर रहा है। इस बात की व्यापक निंदा हो रही है कि आक्रामकता का सामना कर रहे एक देश के साथ इस तरह का व्यवहार किया गया। मीडिया में भारी चर्चा है कि अमरीकियों ने यूक्रेन के नेता के लिए जानबूझकर जाल बिछाया था।

मीडिया में यह भी चर्चा है कि इस खेल में अमेरिका, रूस द्वारा रचित नियमों के अनुसार खेल रहा था, रूसी लोग ज़ैलैंस्की को सत्ता में नहीं देखना चाहते। इसलिए उन लोगों ने यह नारा दिया था कि यूक्रेन के राष्ट्रपति अपनी अवधि समाप्त कर चुके हैं इसलिए अब वो लोगों के संवैधानिक प्रतिनिधि नहीं रहे।

- अमेरिका, रूस द्वारा लिखित कथानक के अनुसार खेल रहा था। रूस ने प्रचारित किया था, कि ज़ैलैंस्की का कार्यकाल पूरा हो चुका है, अतः उन्हें हटाकर यूक्रेन का नया राष्ट्रपति बनाना चाहिये, पर, ट्रम्प-ज़ैलैंस्की झड़प के बाद, अमेरिका का यह ''प्लान'' उजागर हो गया और फेल हो गया।
- साथ ही, ''रेयर अर्थ'' खनिजों को यूक्रेन की भूमि के नीचे से निकालकर, उसका व्यवसायीकरण करने का अमेरिका का इरादा असफल हो गया है।
- ट्रम्प, नोबल का शान्ति पुरस्कार पाने का सपना देखने लगे थे, पर, अब यह स्वप्न ही रह गया है।
- यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म कराने के जो समाधान ट्रम्प प्रस्तावित कर रहे थे, उनमें न ही यूक्रेन का और न ही यूरोप के अन्य देशों का रोल था, पर, अब उल्टा ही हो रहा है। ट्रम्प-ज़ैलैंस्की की झड़प के बाद यूरोप व यूक्रेन मिलकर समाधान ढूंढ रहे हैं, तथा, उनका इरादा अमेरिका को इस बारे में बाद में बताने का है।

ट्रंप, रूस के रुख को, खासकर व्लादिमीर पुतिन के रुख को दोहरा रहे थे। ऐसा लगता है कि अमेरिकियों ने वही मांगा है जो पुतिन ने कहा था- ज़ैलैंस्की के स्थान पर किसी अधिक लचीले व्यक्ति को सत्ता में लाया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विधायक सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव से नाराज विपक्ष ने वॉक आउट किया

मुख्य सचेतक ने कहा कि सदस्यों को सावचेत करने के लिए प्रस्ताव लाया गया है कि बिना तथ्यों के बात सदन में नहीं रखें

-विधानसभा संवाददाता-

जयपुर, 3 मार्च। राजस्थान विधानसभा में राष्ट्रीय लोकदल के विधायक सुभाष गर्ग के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पर कांग्रेस सदस्यों ने हंगामा किया और सदन का बर्हिगमन (वॉक आउट) किया।

सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने शून्यकाल में सुभाष गर्ग के खिलाफ यह प्रस्ताव पेश किया, जिसका कांग्रेस विधायकों ने विरोध किया और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने आग्रह किया कि इसकी जांच कराकर इसे निरस्त किया जाये और इसे पास नहीं किया जाये। इसके बाद सदन ने इस प्रस्ताव को विशेषाधिकार समिति के पास भेज दिया। इससे पहले जोगेश्वर गर्ग ने यह प्रस्ताव सदन में रखा और कहा कि गत 24 फरवरी को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान भरतपुर के लोहागढ़ किले में रह रहे लोगों को नोटिस दिए जाने के मामले में ग़लत तथ्य प्रस्तुत कर सदन का समय नष्ट किया। उन्होंने कहा कि यह विशेषाधिकारों का हनन है। कांग्रेस विधायकों ने इसका विरोध किया।

- जोगेश्वर गर्ग का कहना था, कि ''विधायक सुभाष गर्ग ने गत 24 फरवरी को विधानसभा में शून्यकाल के दौरान भरतपुर के लोहागढ़ किले में रह रहे लोगों को नोटिस दिए जाने के मामले में ग़लत तथ्य प्रस्तुत कर सदन का समय नष्ट किया, यह विशेषाधिकारों का हनन है।''

जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि यह मुद्दा सदन में गत 24 फरवरी को आया और सरकार ने तुरंत अधिकारियों से इस बारे में रिपोर्ट मांगी और नगर निगम भरतपुर के सीओ ने एक प्रेस नोट जारी करके इसका खंडन किया। उन्होंने कहा कि जब किले में रहे लोगों को एक भी नोटिस जारी नहीं किया गया तो गलत सूचना को सदन में क्यों उठाया गया।

उन्होंने कहा कि सदन में सदस्यों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'नरेगा लोकपाल की अपील सुनने के लिये प्राधिकरण का गठन क्यों नहीं किया गया?'

जयपुर, 3 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख पंचायती राज सचिव, नरेगा आयुक्त, सवाई माधोपुर जिला कलेक्टर और जिला परिषद के सीईओ को नोटिस जारी कर पूछा है कि नरेगा लोकपाल के आदेश के खिलाफ अपील सुनने के लिए अपीलीय प्राधिकरण का गठन क्यों नहीं किया गया है। इसके साथ ही, अदालत ने प्रमुख पंचायती राज सचिव को यह बताने को कहा है कि अपीलीय प्राधिकरण का गठन करने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं। वहीं, अदालत ने मामले में याचिकाकर्ता

- हाई कोर्ट ने पंचायतीराज सचिव, नरेगा आयुक्त तथा सवाई माधोपुर के जिला कलैक्टर व जिला परिषद सीईओ को नोटिस जारी किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिपोर्टर्स कलैक्टिव आदि, मीडिया प्लेटफॉर्म का ''नॉन प्रॉफिट'' दर्जा खत्म हुआ

आयकर विभाग का तर्क है, कि, ''पत्रकारिता'' कोई ऐसी गतिविधि नहीं है, जिससे कोई ''सार्वजनिक हित'' होता है, अतः इस खोजी पत्रकारिता का स्तम्भ माने जाने वाली इन संस्थाओं को भी, इन्कम टैक्स देना होगा, और सम्भवतया ''बैक डेट'' से

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 3 मार्च। डिजिटल मीडिया प्रतिष्ठानों की एक ''अम्बरैला बॉडी'' ने सरकार के इस दावे को चुनौती दी है कि पत्रकारिता आम जनता से जुड़े उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में काम नहीं कर रही, तथा इसे ''लोकतंत्र की बुनियाद के विपरीत एवं बेहद चिंताजनक बताया है।''

सरकार ने कथित रूप से, दो डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म, इन्वैस्टिगेटिव जर्नलिज़्म पोर्टल ''रिपोर्टर्स कलैक्टिव'' तथा कन्नड़ वैबसाइट ''फाइल'' का नॉन प्रॉफिट स्टेटस कैंसल करते हुए यह दावा किया था।

डिजिपब न्यूज़ इंडिया फाउन्डेशन ने एक बयान में कहा, ''इस प्रकार के दावे का उपयोग अन्य स्वतंत्र न्यूज़ आउटलैट्स को वित्तीय रूप से निशाना बनाने के लिये किया जा सकता है। अगर सरकार मानती है कि भारत सचमुच लोकतंत्र है, केवल नाम का लोकतंत्र नहीं, तो सरकार को यह आरोप वापस लेना चाहिये।''

- इन संस्थाओं का कहना है, कि, 2025 में उसका गठन हुआ था, तथा उनहें ''नॉन प्रॉफिट संस्था'' का दर्जा देकर आयकर से मुक्त किया था सरकार ने। पर, अब 2025 में यह सुविधा वापस ले ली गई है, क्योंकि पत्रकारिता से कुछ ''सार्वजनिक हित'' (पब्लिक परपस) सिद्ध नहीं होता।

इन दोनों प्रतिष्ठानों का नॉन-प्रॉफिट स्टेटस इसलिए निरस्त किया गया, क्योंकि सरकार ने कथित रूप से यह तर्क दिया कि पत्रकारिता कोई ऐसा काम नहीं है, जिसका जनहित में कोई उद्देश्य हो।

अलाभकारी समाचार प्रतिष्ठान, ''द रिपोर्टर्स कलैक्टिव'' ने 25 जनवरी को अपनी वैबसाइट पर एक बयान जारी करते हुये यह घोषणा की थी कि आयकर विभाग ने उसका ''नॉन प्रॉफिट'' दर्जा निरस्त कर दिया है । द रिपोर्टर्स कलैक्टिव 2021 में शुरु हुआ था।

रिपोर्टर्स कलैक्टिव के बयान में कहा गया था, ''इन्कम टैक्स अधिकारियों ने हमारा, ''नॉन प्रॉफिट स्टेटस'' निरस्त कर दिया है तथा कहा है कि पत्रकारिता कोई सार्वजनिक प्रयोजन का कार्य नहीं करती, इसलिए भारत में इसे अलाभकारी कवायद के रूप में क्रियान्वित नहीं किया जा सकता।''

सोमवार को डिजिपब ने रिपोर्टर्स कलैक्टिव पर टैक्स अधिकारियों की टिप्पणी का उल्लेख किया और कहा कि दिल्ली स्थित रिपोर्टर्स कलैक्टिव, जो खोजी पत्रकारिता करता है, को दिये आदेश में विभाग ने कहा था कि ''इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य पत्रकारिता को आगे बढ़ाना तथा क्रियान्वित करना है।..... आवेदक यह सिद्ध करने में असमर्थ रहा है कि इसकी गतिविधियाँ किस तरह जनता के लिये उपयोगी तथा फायदेमंद हैं।''

''डिजिपब'' ने अपने बयान में कहा, ''इसका अर्थ यह हुआ कि 2021 से चल रहे सार्वजनिक वित्त पोषित गैरलाभकारी ट्रस्ट, रिपोर्टर्स कलैक्टिव को अब टैक्स से छूट नहीं मिलेगी। जिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्व आदिवासी दिवस पर सार्वजनिक अवकाश की मांग

नयी दिल्ली, 03 मार्च। कांग्रेस ने आदिवासी समाज के साथ न्याय नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वन भूमि पर उनके अधिकारों को छीनकर उनके साथ अत्याचार हो रहा है, इसलिए विश्व आदिवासी दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित कर इस समुदाय के अधिकारों को सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

आदिवासी कांग्रेस के चेयरमैन डॉ विक्रांत भूरिया ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में

- आदिवासी कांग्रेस के चेयरमैन डॉ. भूरिया ने कहा कि आदिवासियों की समस्या पर ध्यान केन्द्रित करने के लिये 9 अगस्त को सार्वजनिक अवकाश घोषित करना चाहिये।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजस्थान व तेलंगाना 1600 मेगावाट की थर्मल परियोजनायें लगायेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल की उपस्थिति में सिंगरेनी कोलियरीज़ व राजस्थान विद्युत उतपादन निगम में एमओयू हुआ

जयपुर, 3 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने प्रदेश में सुदृढ़ प्रसारण तंत्र एवं थर्मल और अक्षय ऊर्जा के उत्पादन में महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। इन दूरगामी निर्णयों से राजस्थान जल्द ही देश में ''ऊर्जादाता'' की भूमिका में उभरेगा। उन्होंने कहा कि राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (आरवीयूएनएल) तथा केन्द्र सरकार और तेलंगाना सरकार के उपक्रम सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के बीच संपादित हुआ एमओयू प्रदेश में बिजली उत्पादन एवं आपूर्ति की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लिमिटेड एंव राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के मध्य आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ ही राजस्थान सौर ऊर्जा में अपार संभावनाओं वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। जल्द ही राजस्थान ऊर्जा क्षेत्र क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के किसानों को 2027 तक दिन में बिजली उपलब्ध कराने की दिशा में नीतिगत निर्णय लेते हुए उनका समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित भी कर रही है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि तेलंगाना में लगने वाली 1600 मेघावाट की परियोजनाओं में दोनों राज्यों को 800-800 मेगावाट बिजली मिलेगी।
- एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम में तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, तेलंगाना के ऊर्जा सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, आरवीयूएनएल के सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी, सिंगरेनी कोलियरीज के सीएमडी एन. बलराम, राजस्थान के मुख्यमंत्री के सचिव आलोक गुप्ता व अन्य उच्च अधिकारी शामिल थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लिमिटेड एंव राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के मध्य आयोजित समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित किया।

शर्मा ने कहा कि एमओयू के तहत 1600 मेगावाट क्षमता की थर्मल आधारित परियोजनाएं तेलंगाना में स्थापित होंगी। इसमें से 800-800 मेगावाट बिजली तेलंगाना एवं राजस्थान दोनों राज्यों को मिलेगी। इसके अतिरिक्त राजस्थान में 1500 मेगावाट का सोलर पार्क स्थापित किया जाएगा, जिसके लिए आरवीयूएनएल ने भूमि भी चिन्हित कर ली है। इस पार्क में लगभग 6 हजार करोड़ रुपये का निवेश होगा और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। इन सभी परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 22 हजार करोड़ रुपये है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 में राजस्थान द्वारा 2030

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने सीबीआई निदेशक को 17 मार्च को तलब किया

जयपुर, 3 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने सीबीआई की ओर से संसाधनों की कमी का हवाला देकर बजरी खनन से जुड़े मामलों की जांच करने में असमर्थता जताने को गंभीरता से लिया है। इसके साथ ही, अदालत ने सीबीआई निदेशक को 17 मार्च को तलब किया है। अदालत ने कहा कि निदेशक व्यक्तिशः या वीसी के जरिए अदालत में हाजिर हों। जस्टिस समीर

- बजरी खनन के मामलों की जाँच, संसाधनों की कमी के कारण नहीं कर पाने की सीबीआई की दलील को हाई कोर्ट ने गंभीरता से लिया और निदेशक को व्यक्तिगत रूप से या वीसी के जरिए उपस्थित होने को कहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

चिंता से चित्त को संताप और आत्मा को दुर्बलता प्राप्त होती है, इसलिए चिंता को तो छोड़ ही देना चाहिए। –ऋग्वेद

परिसीमन – क्या, क्यों और कैसे?

डीलिमिटेशन या परिसीमन आजकल चर्चा में है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने डीलिमिटेशन को वर्तमान स्वरूप में, दक्षिणी राज्यों के हित के विरुद्ध बताया है। इससे पूर्व कि हम इसके गुणवगुण पर चर्चा करें, यह उपयुक्त होगा कि परिसीमन की पृष्ठभूमि, इसके 1उद्देश्यों और इसकी प्रक्रिया का विवेचन किया जाय।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 82 और 170 में डिलिमिटेशन आयोग के गठन की बात की गई है, जो राज्यवार लोकसभा की सीटों और विधानसभा की सीटों की संख्या का निर्धारण करेगा और साथ ही उनका सीमांकन भी करेगा। यह कार्य प्रत्येक जनगणना के बाद राज्यों की जनसंख्या के आधार पर किए जाने का प्रावधान था।

1951, 1961 और 1971 की जनगणना के बाद परिसीमन आयोगों का गठन किया गया जिन्होंने जनसंख्या के आधार पर लोकसभा में क्रमशः 494, 522 और 543 सीटें निर्धारित कीं। इसका अर्थ यह हुआ कि एक लोकसभा क्षेत्र में औसतन मतदाताओं की संख्या 1951, 1961 और 1971 की जनगणना के

आधार पर क्रमशः 7.3, 8.4 और 10.1 लाख थी। वर्तमान की अनुमानित जनसंख्या के आधार पर एक लोक सभा क्षेत्र में औसतन लगभग 18 लाख मतदाता हैं।

सामान्यतया, लोकतंत्र का सिद्धांत होता है कि एक व्यक्ति का एक वोट और प्रत्येक वोट का मूल्य भी समान हो। परिसीमन आयोग ने इस सिद्धांत के आधार पर यह निर्णय लिया कि भौगोलिक, सामाजिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, लोकसभा सीटों के मतदाताओं की संख्या में 10 प्रतिशत तक का अंतर हो सकता था।

केवल जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सीटों का राज्यवार निर्धारण करने से यह संभावित था कि दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधित्व कम होता चला जाता। इसी को ध्यान में रखते हुए 1973 के कानून के अनुसार लोकसभा की सीटों की संख्या में वर्ष 2000 तक कोई बदलाव नहीं करने का निर्णय लिया गया। 1971 की जनगणना के आधार पर परिसीमन आयोग ने अपना कार्य 1976 में पूरा किया और इसी के आधार पर राज्यवार, लोकसभा की सीटें निर्धारित की गईं।

केवल जनसंख्या के आधार पर लोकसभा की सीटें निर्धारित करने का परिणाम यह हुआ कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कानून को प्रभावी रूप से लागू किया उन्हें, आनुपातिक रूप से लोकसभा की सीटें कम मिलीं। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए 1976 में संविधान में 42वां संशोधन किया गया। इसके माध्यम से यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2000 तक किसी भी राज्य की लोक सभा सीटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। इसके बाद 84वें संविधान संशोधन के माध्यम से यह प्रावधान किया गया कि 1991 की जनगणना के आधार पर सीटों की संख्या तो वही रहेगी, किंतु सीटों के पुनर्सीमांकन का कार्य किया जा सकता है। बाद में सीमांकन का यह कार्य 1991 की जनगणना के आधार पर नहीं करके, इसे 2001 की जनगणना के आधार पर किया गया।

जनसंख्या को आधार मानकर निर्णय लेने का प्रभाव केवल लोक सभा की सीटों पर ही नहीं होता है, अपितु जनसंख्या के आधार पर ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय संसाधनों का आवंटन भी राज्यों को किया जाता है। 2011 तक तो वित्त आयोग द्वारा 1971 की जनगणना के आधार पर ही राज्यों को वित्तीय संसाधनों का आवंटन किया जाता था। पहली बार 15 में वित्त आयोग ने 2011 की जनसंख्या के आधार पर केंद्रीय फंड का राज्यों को आवंटन किया, जिससे दक्षिण के राज्यों में यह आशंका उत्पन्न हुई कि उन्हें भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले फंड में कमी आएगी।

इसका अर्थ यह निकलने लगा कि जिन राज्यों ने परिवार नियोजन कार्यक्रम को सफलता पूर्वक लागू किया, जिनके प्रशासन ने अच्छा काम किया और तेजी से प्रगति की, उन्हें केंद्र सरकार द्वारा कम सहायता दी जाएगी। इसी प्रकार उनके राज्यों में लोकसभा की सीटें भी आनुपातिक रूप से कम हो जाएंगी।

उदाहरण के लिए, यदि हम यह मान लें कि लोकसभा की कुल सीटें 543 ही रखी जाती हैं और सीटों का आवंटन जनसंख्या के आधार पर राज्यों को किया जाता है, तो उत्तर भारतीय राज्य उत्तर प्रदेश में 80 से बढ़कर 91, मध्य प्रदेश में 29 से बढ़कर 33, बिहार में 40 से बढ़कर 50 और राजस्थान में 25 से बढ़कर 31 हो जाएंगी। किंतु इसके साथ ही, दक्षिण भारतीय राज्यों में तमिलनाडु की लोकसभा सीटें 39 से घटकर कर 31, केरल में 20 से घटकर 12, कर्नाटक में 28 से घटकर 26 और आंध्र प्रदेश में 42 से घटकर 34 रह जाएंगी। इसका तात्पर्य यह हुआ कि केवल चार उत्तर भारतीय राज्यों में ही लोकसभा सीटों की संख्या वर्तमान से 31 बढ़ जाएंगी, वहीं दक्षिण के चार राज्यों में यह संख्या 26 कम हो जाएंगी।

फिलहाल तो एक ही समाधान प्रतीत होता है और वह यह कि प्रत्येक राज्य की सीटों का कुल सीटों में प्रतिशत बनाए रखते हुए उनकी संख्या आनुपातिक रूप से बढ़ा दी जाए। ऐसा अनुमान है कि वर्तमान में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ है जिसमें लगभग 105 करोड़ वोटर हैं। वर्तमान की 543 लोकसभा की सीटों को यदि 30इ के लगभग बढ़ाया जाता है तो प्रत्येक राज्य की लोकसभा सीटों में 30इ की वृद्धि की जा सकती है।

यदि लोकसभा की सीटें 2026 की जनगणना के आधार पर बढ़ाकर 848 कर दी जाएं तो उत्तर प्रदेश की सीटें 80 से बढ़कर 143, मध्यप्रदेश की 29 से बढ़कर 52, बिहार में 40 से बढ़कर 79, राजस्थान में 25 से बढ़कर 50 हो जाएंगी। भारत के इन चार राज्यों की कुल सीटों में वृद्धि 150 की होगी। वहीं, दक्षिण के चार राज्यों में से तमिलनाडु में 39 से बढ़कर 49, आंध्रप्रदेश में 42 से बढ़कर 54, केरल में 20 की 20 और कर्नाटक में 28 से बढ़कर 41हो जाएंगी। अर्थात दक्षिण भारत के इन चार राज्यों की कुल सीटें वर्तमान संख्या से केवल 35 बढ़ेंगी।

इस अत्यंत असमान वृद्धि (150 की तुलना में 35) का प्रभाव यह होगा कि दक्षिणी राज्यों का राजनीतिक महत्व बहुत हद तक कम हो जाएगा। यही बात दक्षिण भारत के राज्यों को परेशान कर रही है। वे चाहते हैं कि उनका राजनीतिक प्रतिनिधित्व किसी भी रूप में कम ना हो।

भारत के गृहमंत्री अमित शाह ने अपने तमिलनाडु के दौरे में यह आश्वासन तो दिया कि तमिलनाडु की सीटें कम नहीं होगी, किंतु यह नहीं बताया कि उत्तर भारत की सीटें कितनी बढ़ेंगी ? किसी राज्य का महत्व इस पर निर्भर करता है कि वहां से कुल कितने लोकसभा सदस्य हैं? यही संख्या निर्धारित करती है कि लोक सभा में किसका बहुमत होगा और कौन केंद्र में सरकार बनाएगा। यह सर्वज्ञात है कि भाजपा की अधिकांश सीटें उत्तर भारतीय राज्यों से आती हैं। किसी भी राज्य का महत्व तुलनात्मक रूप से देखा जाता है, न कि केवल संख्या के आधार पर। यदि केवल जनसंख्या को ही आधार माना जाता रहे तो यह एक प्रकार से न केवल भारत के संघीय ढांचे पर चोट होगी, अपितु राज्यों को प्रगति करने से हतोत्साहित भी करेगा। कोई भी राज्य यह नहीं चाहता कि देश की राजनीति में उसका प्रभाव एवं प्रभुत्व किसी भी दृष्टि से कम हो।

अब यह तय किया गया है कि 2026 की जनगणना के आधार पर परिसीमन किया जाएगा और सीटों की संख्या एवं उनकी सीमाओं का निर्धारण भी किया जाएगा। यदि ऐसा किया जाता है तो उपरोक्त विवेचन अनुसार उत्तर और दक्षिण भारत के राज्यों का राजनीतिक महत्व एवं उनके बीच राजनीतिक संतुलन बहुत बदल जाएगा और वह पूर्णतया उत्तर भारत के पक्ष में हो जाएगा। इसी कारण, दक्षिण के राज्य परिसीमन का विरोध कर रहे हैं।

इसका एक व्यावहारिक समाधान यह हो सकता है कि वर्तमान में विभिन्न राज्यों की लोकसभा में जितनी सीटें बनती हैं, उतनी ही प्रतिशत बनाए रखी जाएं। सीटों की संख्या के साथ ही कौन-कौन सी सीट अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के लिए आरक्षित होगी, इसका भी निर्णय परिसीमन आयोग की सिफारिश पर किया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि परिसीमन आयोग के अध्यक्ष सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश होते हैं तथा मुख्य निर्वाचन आयुक्त और संबंधित राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी इसके सदस्य होते हैं।

भारत सरकार ने संसद के माध्यम से लोक सभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण कर दिया है। यह आरक्षण, परिसीमन के बाद लागू होगा, और परिसीमन तब होगा जब जनगणना हो जाएगी। एक प्रकार से यही कहावत सही होती दिखाई दे रही है कि 'न नौ मन तेल होगा, न राधा नाचेगी'।

1901 के बाद लगातार जनगणना हर 10 वर्षों में हो रही थी किंतु पहली बार 2021 वाली जनगणना 2025 तक भी नहीं हो पाई है और यह संभावना है अब यह 2026 में हो। जनगणना में भी एक पेंच यह फंसा हुआ है कि जातिगत जनगणना हो अथवा नहीं? जहां विपक्षी दल, कांग्रेस के नेतृत्व में एक मत से जातिगत जनगणना की मांग कर रहे हैं, वहीं भाजपा इसके पक्ष में दिखाई नहीं देती। इस विवादास्पद मुद्दे का समाधान हुए बिना जनगणना भी समय पर होती हुई दिखाई नहीं देती। जब जनगणना ही नहीं होगी तो फिर परिसीमन भी टल जाएगा और परिणाम स्वरूप, महिला आरक्षण भी एक प्रकार से केवल फाइलों में बंद होकर रह जाएगा।

कुल मिलाकर, परिसीमन का पूरा मुद्दा लोकतंत्र के मूल सिद्धांत, प्रत्येक व्यक्ति को एक वोट और प्रत्येक वोट का एक मूल्य पर टिका है तथा दूसरी ओर इसे भारत के संघीय ढांचे पर प्रहार बताया जा रहा है। यदि संघीय ढांचे को वरीयता दी जाए तो दक्षिण भारतीय राज्यों को भी पूर्व में मिली हुई वरीयता और उनकी हिस्सेदारी को बनाए रखा जाना चाहिए। वहीं, केवल जनसंख्या के आधार पर परिसीमन करने पर ऐसा संभव नहीं हो पाएगा। इस जटिल प्रश्न का उत्तर क्या मिलेगा यह तो समय ही बताएगा। भारत, क्योंकि कई विविधताओ वाला देश है, इसका समाधान भी सबकी महत्वाकांक्षाओं का ध्यान रखे बिना संभव नहीं होगा।

फिलहाल तो एक ही समाधान प्रतीत होता है और वह यह कि प्रत्येक राज्य की सीटों का कुल सीटों में प्रतिशत बनाए रखते हुए उनकी संख्या आनुपातिक रूप से बढ़ा दी जाए। ऐसा अनुमान है कि वर्तमान में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ है जिसमें लगभग 105 करोड़ वोटर हैं। वर्तमान की 543 लोकसभा की सीटों को यदि 30% के लगभग बढ़ाया जाता है तो प्रत्येक राज्य की लोकसभा सीटों में 30% की वृद्धि की जा सकती है। यह एक व्यावहारिक समाधान तो है लेकिन क्या यह सभी राज्यों को स्वीकार्य होगा एवं क्या वर्तमान केंद्र सरकार इसको होने देगी? यह लिखना भी उपयुक्त होगा कि केंद्र में सत्ताधारी दल भाजपा का मुख्य आधार उत्तर भारत में है। वह इसीलिए यह चाहती है कि उत्तर भारत के राज्यों का कुल प्रतिनिधित्व लोकसभा में इतना हो जाय कि दक्षिण भारतीय राज्य किसी प्रकार की चुनौती देने की स्थिति में ही न रहे।

कुल मिलाकर यह कह सकते हैं कि जहां परिसीमन (यानि डिलिमिटेशन) की असीम संभावनाएं हैं वहीं चुनौतियां भी अपार हैं तथा साथ ही ,जहां यह संवैधानिक रूप से आवश्यक है, वहीं इसे लागू करना कठिन भी। अब, यह सत्ता धारी दल की राजनीतिक परिपक्वता पर निर्भर करता है कि वह इसका समाधान कैसे निकाल पाता है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

जैविक खेती: पर्यावरण और सेहत के लिए वरदान

राजेन्द्र राठौड़

कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और देश की अधिकांश जनसंख्या अपनी आजीविका के लिए इस पर निर्भर करती है। भारतीय कृषि क्षेत्र लगभग 42.3 प्रतिशत आबादी को आजीविका प्रदान करता है और देश की जीडीपी में इसकी 18-20 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। देश का कृषि क्षेत्र देश की लगभग आधी जनसंख्या को रोजगार देता है। भारत ने 2023-24 में 332.2 मिलियन टन का रिकॉर्ड कुल अनाज उत्पादन हासिल किया जो भारतीय किसानों के खेती के प्रति अटूट समर्पण का प्रमाण है। देश में हरित क्रांति के बाद से कृषि क्षेत्र में उत्पादन बढ़ाने के लिए कीटनाशकों का बड़े पैमाने पर उपयोग किया गया लेकिन समय के साथ इनके दुष्प्रभाव भी सामने आने लगे हैं। ये कीटनाशक न केवल मिट्टी की उर्वरता को नुकसान पहुंचाते हैं बल्कि मानव स्वास्थ्य पर भी गंभीर प्रभाव डालते हैं। हाल के वर्षों में जैविक खेती की ओर बढ़ते झुकाव ने इस विषय को और अधिक महत्वपूर्ण बना दिया है।

भारत में 1950 में कीटनाशकों का उपयोग लगभग नगण्य था, लेकिन वर्ष 2023-24 तक यह खपत बढ़कर 255.54 हजार टन हो गई है। यह वृद्धि कृषि उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता को दर्शाती है लेकिन साथ ही इसके नकारात्मक प्रभावों को भी उजागर करती है। एनवॉयर्नमेंट वर्किंग रिपोर्ट 2024 के अनुसार 12 प्रमुख फल और सब्जियों में कीटनाशकों की खतरनाक मात्रा पाई गई है। इनमें भिंडी, टमाटर, मिर्च, पालक, शिमला मिर्च, गोभी, आम, अंगूर, सेब, केले, पपीता, स्ट्रॉबेरी आदि शामिल हैं।

कीटनाशक फसलों को कीटों और बीमारियों से बचाने के लिए महत्वपूर्ण हैं लेकिन वे उन लोगों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम भी पैदा करते हैं जो उनका छिड़काव तथा रखरखाव करते हैं। कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग से कई गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। जहरीले रसायनों के निरंतर सेवन से कैंसर जैसी घातक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है वहीं कीटनाशकों के अवशेष लिवर को प्रभावित कर फैटी लिवर और हेपेटाइटिस जैसी समस्याओं को जन्म दे सकते हैं। इन जहरीले तत्वों के संपर्क में आने से सांस लेने में दिक्कत, एलर्जी और अस्थमा जैसी बीमारियां हो सकती हैं। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं पर इनका विशेष रूप से खतरनाक प्रभाव पड़ता है जिससे गर्भस्थ शिशु में जन्मजात विकृतियों की संभावना बढ़ जाती है। कृषि श्रमिकों और ग्रामीण समुदायों में इनका प्रभाव अधिक देखा जाता है जहां सुरक्षात्मक उपायों की कमी के कारण जोखिम और बढ़ जाता है।

कीटनाशकों का पर्यावरण, विशेष रूप से जैव विविधता पर भी गहरा नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जब इनका अत्यधिक या अनुचित उपयोग किया जाता है तो ये रसायन मिट्टी, जल स्त्रोतों और वायु को प्रदूषित कर देते हैं। कृषि क्षेत्रों में किए गए छिड़काव से कीटनाशक अक्सर नदियों, झीलों और महासागरों तक पहुंच जाते हैं जिससे जल प्रदूषण बढ़ता है और जलीय जीवन प्रभावित होता है। ये केवल लक्षित कीटों को नहीं मारते बल्कि लाभकारी जीवों जैसे मधुमक्खियों, तितलियों और प्राकृतिक परागणकर्ताओं की आबादी को भी नुकसान पहुंचाते हैं जिससे पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ता है।

लगातार कीटनाशकों के उपयोग से मिट्टी की जैव विविधता नष्ट हो रही है, जिससे उसकी उर्वरता में गिरावट आ रही है। इनका अत्यधिक उपयोग लाभकारी कीटों को खत्म कर देता है जिससे कीटों के प्राकृतिक नियंत्रण में बाधा उत्पन्न होती है और खेती में जैविक संतुलन बिगड़ता है। इससे खाद्य उत्पादन की गुणवत्ता और पोषण स्तर भी प्रभावित होते हैं। इसलिए जैविक खेती और प्राकृतिक कीट नियंत्रण उपायों को अपनाना एक सतत और सुरक्षित समाधान हो सकता है।

केन्द्र सरकार ने कीटनाशकों के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। अत्यधिक खतरनाक कीटनाशकों पर प्रतिबंध लगाने और जैविक विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं शुरू की गई हैं। 2015 में शुरू की गई सॉयल हेल्थ कार्ड योजना के तहत मिट्टी में पोषक तत्वों की स्थिति का विश्लेषण किया जाता है और किसानों को उर्वरकों व कीटनाशकों के संतुलित उपयोग की सलाह दी जाती है जिससे जैविक खेती को प्रोत्साहन मिलता है। साथ ही परंपरागत कृषि विकास योजना और राष्ट्रीय जैविक खेती मिशन जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से किसानों को जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा जैविक उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं। केन्द्र सरकार द्वारा किसान कवच की शुरुआत करना किसानों को कीटनाशकों के हानिकारक प्रभावों से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है। उन्नत फैब्रिक तकनीक युक्त यह अभिनव सूट किसानों की सुरक्षा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस पहल के साथ-साथ सरकार जैव कीटनाशकों के अपनाने को बढ़ावा देते हुए रासायनिक कीटनाशकों के उपयोग को कम करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। ये प्रयास किसानों और पर्यावरण दोनों के स्वास्थ्य को सुनिश्चित करते हुए एक सुरक्षित और अधिक टिकाऊ कृषि भविष्य बनाने की भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं।

एशिया के सबसे प्रदूषित नालों की सूची में शामिल बुड्ढ़ा नाला में लुधियाना की औद्योगिक इकाइयों के साथ-साथ शहर के सीवरेज का प्रदूषित पानी बिना साफ किए राजस्थान के 22 जिलों को पेयजल देने वाली इंदिरा गांधी नहर में सीधा डाला जा रहा है। इस जल का उपयोग सिंचाई में होने से खेतों की उर्वरता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़ के किसानों ने इस गंभीर समस्या के खिलाफ आवाज उठाई थी और नाले को मिट्टी से पाटने की घोषणा भी की थी। वहीं सीवरेज के गंदे पानी में उगने वाली सब्जियां अत्यधिक विषैली होती हैं क्योंकि ये जल में मौजूद रसायनों और भारी धातुओं को अवशोषित कर लेती हैं। यही सब्जियां जब बाजार में पहुंचती हैं तो लोगों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बन जाती हैं। इसका समाधान जैविक खेती को बढ़ावा देना और जलशुद्धिकरण की प्रभावी व्यवस्था करना है। कीटनाशकों के प्रभावी नियंत्रण के लिए सख्त कानूनों के साथ टिकाऊ कृषि पद्धितयों को भी बढ़ावा देना जरूरी है। सरकार ने रसायन-मुक्त खेती को प्रोत्साहित करने के लिए जैव कीटनाशकों और जैविक खेती संबंधी कई पहल शुरू की हैं। विभिन्न फसलों में कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों को कम करने, खेती की लागत घटाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए जैव नियंत्रण का उपयोग एक महत्वपूर्ण समाधान साबित हो सकता है।

रासायनिक कीटनाशकों के दुष्प्रभावों से बचने के लिए जैविक खेती आवश्यक हो गई है। इसमें हरी खाद, वर्मीकम्पोस्ट, फसल चक्र, मिश्रित फसल प्रणाली, नीम तेल, जैविक स्प्रे, गोबर और केंचुए की खाद जैसी तकनीकों का उपयोग किया जाता है। भारत में जैविक कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकार और किसानों को मिलकर प्रयास करने होंगे। इसके लिए किसानों को जैविक खेती की तकनीकों पर प्रशिक्षण देना, आर्थिक सहायता और सब्सिडी प्रदान करना आवश्यक है। साथ ही जैविक उत्पादों के लिए विशेष बाजार उपलब्ध कराना जरूरी है जिससे किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके।

कीटनाशकों का अत्यधिक उपयोग न केवल हमारे स्वास्थ्य बल्कि पर्यावरण के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। जैविक खेती प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करती है और स्वास्थ्यवर्धक खाद्य उत्पादन सुनिश्चित करती है। हालांकि प्रारंभ में जैविक खेती की पैदावार कम हो सकती है, लेकिन दीर्घकालिक रूप से यह अधिक लाभकारी साबित होती है। जैविक खेती से पर्यावरण सुरक्षित रहेगा और शुद्ध व स्वास्थ्यवर्धक भोजन मिलेगा, इसलिए इसे अपनाना समय की मांग है। हमें स्वयं भी जागरूक होकर जैविक उत्पादों को प्राथमिकता देनी चाहिए ताकि हम स्वस्थ जीवन और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे सकें।

–राजेन्द्र राठौड़, पूर्व नेता प्रतिपक्ष

12 भाई-बहनों समेत पांचू गांव के 18 युवाओं ने साइक्लिंग में पहचान बनाई

- **इन 12 भाई-बहनों में पांच तो सगे भाई हैं, इन्होंने खेल के जरिये नेशनल गोल्ड, सिल्वर और ब्रोंज मेडल जीते हैं**
- **गांव के 18 खिलाड़ियों में आठ महिला खिलाड़ी और 10 पुरूष साइक्लिस्ट है**

बीकानेर, (निसं)। पांचू के पन्नाराम तर्ड के परिवार की आज समाज ही नहीं देश में अलग की पहचान है। यह पहचान उनके पोते-पोतियों में साइक्लिंग द्वारा कमाई है। इन भाई-बहनों ने साइक्लिंग में नेशनल और इंटरनेशनल तक पहचान बनाई है। इन 12 भाई-बहनों में पांच तो सगे भाई है। इन्होंने खेल के जरिये न केवल नेशनल गोल्ड, सिल्वर और ब्रोंज मेडल जीते बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई।

साइक्लिंग के माध्यम से ही इनमें से कोई आर्मी तक पहुंचा तो कोई रेलवे में। इनमें से दो भाई को भारतीय टीम की ओर से भी खेले। इन्हें साइक्लिंग में इतना नाम कमाते देख गांव के छह युवाओं ने भी साइक्लिंग प्रतियोगिताओं में भाग्य आजमाया। गांव के 18 खिलाड़ियों में आठ महिला खिलाड़ी और 10 पुरूष साइक्लिस्ट है। गांव के दिनेश तर्ड ने 2014 में बीकानेर में साइक्लिंग शुरू की। कुछ समय ट्रेनिंग लेने के बाद अगले ही साल हुई साइक्लिंग नेशनल प्रतियोगिता में दिनेश ने पदक जीता। सुरेश, मनोज, राजूराम और ब्रिमेश ने भी साइक्लिंग शुरू कर दी। अब तक दिनेश ने 15 नेशनल पदक जीत लिए, इनमें तीन गोल्ड है। इसके अलावा एशिया पर में एक सिल्वर और ब्रांच मेडल भी अपनी झोली में डाले। आर्मी की साइक्लिंग टीम के कोच राजूराम तर्ड ने बताया कि उन्होंने पांच साल तक आर्मी टीम का प्रतिनिधित्व किया है। 11 खिलाड़ियों की टीम ने उनकी भूमिका अहम रहती। आर्मी की सातों कमांडो के बीच हुए कंपीटिशन के बाद उनका चयन नेशनल टीम में हुआ। उनके साथ दो अन्य खिलाड़ी भी नेशनल टीम में चुने गए। उस समय उन्होंने वेस्टर्न आर्मी कमांड, चंडीगढ़ में इंटर आर्मी में पदक जीता। अब बीकानेर में साउथ-वेस्टर्न कमांड में कोच की भूमिका में है।

पांचू के तर्ड परिवार ने साइक्लिंग में 12 नेशनल खिलाड़ी दिए हैं। इनमें से दो भाइयों ने अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं। तर्ड परिवार के ब्रिमेश, राजूराम, दिनेश, सुरेश और मनोज तर्ड को सगे भाई है। इनमें दिनेश और मनोज ने अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेल हैं। वहीं राजूराम आर्मी में साइक्लिंग खिलाड़ी और कोच है। इसके अलावा इसी परिवार की पांच बेटियों ने भी साइक्लिंग में नेशनल मेडल जीते हुए हैं। इसी परिवार की शारदा तर्ड, सरोज और आरती के अलावा प्रियंका और निरमा तर्ड ने भी साइक्लिंग में नेशनल पदक जीते हैं। इसी परिवार के ओमप्रकाश और बीरबल के अलावा गांव की आरती सियाग, पुष्पा सियाग, संतोष सियाग, रामकिशन भांभू, मनोज डूडी और भगवती मायला ने साइक्लिंग प्रतियोगिता में पदक जीते हैं। भगवती से तो स्कूली खेलों में ही नेशनल पदक जीत लिया।

पांचू में एक ही परिवार के 12 खिलाड़ियों को पदकवीर बनाने वाली गुरूदेव साइक्लिंग एकेडमी की एक महिला खिलाड़ी ने 21 से 27 फरवरी तक मलेशिया के निलाई शहर में हुई एशियन ट्रैक साइक्लिंग में टीम इंवेंट में कांस्य पदक जीता है।

एकेडमी के अंतरराष्ट्रीय कोच किशन पुरोहित ने बताया कि हमारी एकेडमी ने इन दिनों 150 खिलाड़ी ट्रेनिंग ले रहे हैं। भारतीय साइक्लिंग टीम में अधिकांश खिलाड़ी बीकानेर में ही तैयार होते हैं। अब तक हमने कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। हमने अभी तक 100 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी दिए हैं। इसमें कोरोना कॉल के बाद 20 से ज्यादा खिलाडियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते हैं।

सिलिका सैंड ले जा रही ओवरलोड 16 गाड़ियां पकड़ी, 35 लाख का जुर्माना लगाया

बीकानेर, (निसं)। खान निदेशालय की विजिलेंस टीम ने बीकानेर की खानों से ओवरलोड भरकर निकली सिलिका सेंड की 16 गाड़ियां श्रीगंगानगर में पकड़ी है। जिन पर करीब 35 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। रवन्ने में वजन 20 टन दर्ज था, जांच में 70 टन खनिज मिला।

बीकानेर से बजरी और सिलिका सेंड की सैकड़ों गाड़ियां रोजाना श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, हरियाणा-पंजाब सहित अनेक स्थानों पर जाती हैं। खानों से खुलेआम ओवरलोड गाड़ियां भरकर निकाली जा रही है और उनके रवन्ने में वजन कम बताया जा रहा है। इसकी शिकायत खान एवं भूविज्ञान विभाग के उदयपुर स्थित निदेशालय को मिली तो वहां से गुपचुप तरीके से विजिलेंस की टीम भेजी गई। एमई प्रकाश माली की देखरेख में इस टीम ने बीकानेर की खानों से सिलिका सेंड की रवन्ना पर बेखौफ निकली 16 ओवरलोड गाड़ियों को श्रीगंगानगर में पकड़ा है। इन गाड़ियों में विभागीय एम्पैनल्ड तुलाई यंत्र से 20 टन खनिज बताया गया है, लेकिन वास्तव में 50 से 70 टन खनिज भर रखा है।

विजिलेंस टीम ने करीब 35 लाख रुपए की शास्ती तय की है। निदेशालय से आई विजिलेंस टीम की कार्रवाई से ओवरलोड खनिज निर्गमन करने वालों में हड़कंप मचा है। खनिज बजरी और सिलिका सेंड देखने में एक जैसे ही हैं। जांच की जाएगी कि गाड़ियों में कहीं सिलिका सेंड के नाम पर बजरी तो नहीं भरी रखी है। टीम ने सैंपल लिए हैं जिसकी प्रयोगशाला में जांच होगी। अगर जांच में बजरी निकली तो संविदा की शर्तों का उल्लंघन मानते हुए संबंधित खान मालिकों पर कार्यवाही होगी और पर्यावरण शास्ती भी अलग से वसूली जाएगी। खान निदेशालय ने जिन खानों से खनिज का निर्गमन किया गया है, वहां जांच के आदेश दे दिए हैं।

इसके अलावा विभागीय एम्पैनल्ड तुला यंत्र और ईआरसीसी ठेकेदार की ओर से काटी गई रसीदों की भी जांच की जाएगी।

राशिफल मंगलवार 4 मार्च, 2025

पंडित अनिल शर्मा

फाल्गुन मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2081, भरणी नक्षत्र रात्रि 2:38 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 2:06 तक, बालव करण दिन 3:17 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कुम्भ, चन्द्रमा-मेष, मंगल-मिथुन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज ज्वालामुखी योग दिन 3:17 तक है। रवियोग सायं 6:41 तक है, पुनः रात्रि 2:38 से आरम्भ होगा। आज सर्वार्थ सिद्धि योग रात्रि 2:38 से आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:45 से 11:12 तक, लाभ-अमृत 11:12 से 2:05 तक, शुभ 3:32 से 4:95 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:52, सूर्यास्त 6:26

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

वृष

आर्थिक कारणों से परेशानी हो सकती है। धन हानि हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आज आर्थिक मामलों से परेशानी हो सकती है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक

स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या व्यवस्थित होने लगेगी। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में उचित परामर्श मिलेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

फूलों की होली के साथ रास लीला

करौली । स्टेट टाइम के शिक्षाविद मास्टर छुट्टन लाल कृष्ण प्यारी सारस्वत निवासी चैबेपाड़ा करौली कि 31बी पुण्य स्मृति में आयोजित भव्य रासलीला के सोमवार को तीसरे दिन राधा मदन मोहन जी महाराज के मंदिर में फूलो कि होली कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोमवार को कार्यक्रम के दौरान भगवान के महारास,मयूर नृत्य,भगवान कि विभिन्न झांकियां के साथ राधा जी के साथ भगवान की श्याम सगाई का मंचन भावपूर्ण स्वरूपों द्वारा किया गया रासलीला के दौरान मयूर नृत्य और भगवान के महारास को देखकर लोग भाव विभोर हो गए रासलीला का यह आयोजन उनके परिवार द्वारा तीन दिवस का किया गया जिसका सोमवार को फूलों कि होली,गुलाल की होली और होली के गीतों के साथ संपन्न हुआ उनके पुत्र डॉ. विष्णु चंद्र शर्मा जो राज्य वन सेवा के वरिष्ठ सेवानिवृत अधिकारी हैं ने बताया कि यह आयोजन उनके माता-पिता के आशीर्वाद और श्री मदन मोहन जी महाराज कि कृपा से ही संभव हो सका है।

सड़क हादसे वाले स्थानों को चिन्हित किया जाये : डॉ. अमित यादव

- बैठक में सभी संबंधित विभागों को आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोकने में विभागीय दायित्व निर्वहन हेतु निर्देशित किया गया

भरतपुर (निस)। सडक सुरक्षा समिति की बैठक सोमवार को जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। बैठक में सभी संबंधित विभागों को आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोकने में विभागीय दायित्व निर्वहन हेतु निर्देशित किया गया। जिला कलक्टर ने कहा कि आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सभी विभाग पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य कर अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने वाली सडक दुर्घटनाओं को रोकने के लिये ऐसे स्थानों को चिन्हित कर ऐलिवेटेड रोड बनाये जाने के प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने के निर्देश दिये। उन्होंने सेवर से सारस चौराहे तक 8 किलोमीटर लम्बाई की ऐलिवेटेड रोड के प्रस्ताव को इस तरह तैयार करने के निर्देश दिये कि मलाह पुलिया का उपयोग यथावत हो सके, प्रस्ताव बनाते समय ब्लैक स्पोट का विशेष ध्यान रखा जाये। उन्होंने मलाह पुलिया से शीशम तिराहे तक सर्विस रोड बनाने हेतु निर्देशित किया जिससे मैरिज होमों पर समारोहों के दौरान होने वाली भीड से यातायात बाधित न हो और न ही दुर्घटना की आशंका रहे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों पर आवारा पशुओं को पकडकर आसपास की गौशालाओं अथवा चारागाह भूमि चिन्हित कर तारबंदी करते हुये आवारा पशुओ को पहुँचाऐं जिससे पशुजनित दुर्घटना रोकी जा सकें। उन्होंने केवलादेव घने के पास उच्च क्वालिटी का साइन बोर्ड लगवाने की बात कही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास सरकारी भूमि पर लगी दुकानों द्वारा किये गये अतिक्रमण को पुलिस से समन्वय कर हटवायें और यदि किसी तरह के बूथ की स्वीकृति जारी कर रखी है तो उसे संबंधित विभाग द्वारा कार्यवाही कराते हुये निरस्त करें। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित डहरा मोड, उँचा नगला एवं हलैना पर फ्लाईओवर बनाने की डीपीआर बनाकर शीघ्र भिजवाने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रभावी पैट्रोलिंग करते हुये सडक किनारे खडे होने वाले वाहनों के खिलाफ चालान की कार्यवाही कर स्थानीय पुलिस को सूचना देकर एफआईआर भी करायें। उन्होंने एनएचआई को राष्ट्रीय राजमार्ग पर घनी आबादी क्षेत्र, अस्पताल, स्कूल व अन्य जनहित स्थानों के साईनेज प्रदर्शित करने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि रोड किनारे झुके हुये पेडों के निस्तारण की सूचना उच्चाधिकारियों को दें जिससे दुर्घटनाओं को रोका जा सके। उन्होंने खानुआ ब्रिज के पास सडक पर आ रहे पानी के लिये एनएचएआई से समन्वय कर कार्य पूर्ण कराने तथा खानुआ में जलभराव का निस्तारण व साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि राष्ट्रीय राजमार्ग एवं शहर में संचालित मैरिज होमों पर पार्किंग व्यवस्था एवं विवाह समारोह आदि में कॉमर्सियल सिलेण्डर ही उपयोग करने हेतु संचालकों को सूचित करें जिससे दुर्घटनाओं को रोका जा सके। इस अवसर पर अतिरिक्त कलक्टर शहर राहुल सैनी, सीओ सिटी पंकज यादव, जिला परिवहन अधिकारी अभय मुदगल, अधीक्षण अभियन्ता सानिवि सहित एनएचआई के अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आठ दिन की हडताल के बाद मण्डी में काम शुरू

गंगापुर सिटी । राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ के तत्वाधान में कृषक कल्याण शुल्क समाप्त करने सहित 41 मांगों को लेकर चल रही हडताल के समाप्त होने के साथ ही नई व पुरानी अनाज मण्डी में रौनक लोट आई। कृषि उपज मंडी में व्यापारियों की 8 दिन की हडताल समाप्त होते ही व्यापारियो ने खरीद फरोख्त की। संघ के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रहलाद मेठी और मंडी समिति अध्यक्ष गोविंदप्रसाद गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जयपुर में संघ पदाधिकारियों और सरकारी मंत्रियों के बीच बैठक में आश्वासन मिलने के बाद हडताल समाप्त करने का निर्णय लिया गया। सोमवार को मंडी सामान्य दिनों की तरह खुली। किसान गेहूं, सरसों और चना बेचने के लिए पहुंचे। लंबे समय तक मंडी बंद रहने के कारण बडी संख्या में किसान एक साथ आए। दोपहर 2 बजे के बाद कृषि जिंसों की नीलामी शुरू हुई। मंडी में हडताल से पहले रोजाना 2 से 3 हजार कट्टे नई सरसों की आवक होती थी।

सार-समाचार

दहेज प्रताडना का आरोपी पकड़ा

गंगापुर सिटी । पुलिस ने दहेज प्रताड़ना के एक मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। उदेई मोड थाना पुलिस ने मामला संख्या 115/2023 में वांछित आरोपी मानपुर निवासी पंकज कुमार बैरवा (37) को गिरफ्तार किया। उस पर धारा 498ए, 406, 323, 120बी आईपीसी के साथ दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3, 4 के तहत मामला दर्ज था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश राजोरा और वृत्ताधिकारी संतराम मीना के सुपरविजन में थानाधिकारी राजवीर सिंह के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की। टीम में कॉन्स्टेबल अकलेश, राजाराम, ब्रह्मसिंह, वीरेंद्र सिंह और वीरेंद्र कुमार शामिल थे। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस अब मामले की आगे की जांच कर रही है।

कन्हैया दंगल का आयोजन

करौली । गांव झारेडा सपेरे बाले बाबा के सानिध्य में खारी बाले हनुमान जी के स्थान पर कन्हैया दंगल का आयोजन हुआ। कार्यक्रम से जुडे दीना मीणा ने बताया कि कन्हैया दंगल में दादनपुर,नांगल,मीना बड़ौदा,बूकना सपोटरा कि कन्हैया पार्टीयों ने अपनी प्रस्तुतिया दी सभापति राजेश कुमार मीना ने बताया कि नांगल कि कन्हैया पार्टी ने गोवर्धन कि कथा,दादनपुर कि पार्टी ने बाणासुर कि कथा,मीना बड़ोदा कि पार्टी ने शिखण्डी के जन्म कि कथा,बूकना कन्हैया पार्टी ने भक्त पूरणमल कि कथा को अपने शब्दों में पिरोकर प्रस्तुत किया।दंगल में कन्हैया पार्टीयों ने पौराणिक और धार्मिक कथाओं कि प्रस्तुति दी।कन्हैया पार्टीयों के मेडीयाओ का साफा बंधन कर स्वागत किया गया।इस अवसर पर आसपास के गांवों के लोगों ने प्रस्तुतियों का आनंद लिया।और गायक पार्टीयो कि हौसला अफजाई कि।

रात्रि चैपाल कार्यक्रम जारी

करौली । जिला कलक्टर नीलाभ सक्सेना ने मार्च 2025 के लिये रात्रि चैपाल कार्यक्रम जारी किया। उन्होंने बताया कि आज मंगलवार को सांय 6:00 बजे से श्रीमहावीरजी पंचायत समिति की ठाम पंचायत सनेट, 11 मार्च मंगलवार को सांय 6:00 बजे से करौली पंचायत समिति की ठाम पंचायत कैलादेवी, 19 मार्च बुधवार को सांय 6:00 बजे से हिण्डौन पंचायत समिति की ठाम पंचायत भंगो, 25 मार्च मंगलवार को सांय 6:00 बजे से टोडाभीम पंचायत समिति की ठाम पंचायत किरवाडा, व 27 मार्च गुरूवार को सांय 6:00 बजे से सपोटरा पंचायत समिति की ठाम पंचायत डाबरा में रात्रि चैपाल आयोजित कर जन समस्याऐं सुनी जायेंगी और मौके पर अधिक से अधिक परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण किया जाएगा। इस संबंध में उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के साथ समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिये।

अवैध देशी कट्टा आरोपी पकड़ा

भरतपुर (निस)। एक अवैध देशी कट्टा सहित आरोपी दिलीप को गिरफ्तार किया। स्थाई वारंटी योगेश कुमार उर्फ योगी को जेल भेजा। जिला पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा के निर्देश अनुसारं एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भरतपुर एवं सहायक पुलिस अधीक्षक, वृत्त शहर भरतपुर के मार्गदर्शन में मदनलाल मीना थानाधिकारी थाना मथुरागेट के नेतृत्व में टीमं बनाकर अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ की जा रही कार्यवाही के दौरान राधा किशन एएसआई ने मय जाप्ता के दिलीप पुत्र रामखिलाडी जाति ब्राह्मण उम्र 22 साल निवासी लखनपुर थाना वैर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 अवैध देशी कट्टा 315 बोर को बरामद किया गया है।

चैन सिंह मीणा जिला अध्यक्ष नियुक्त

करौली, (निं.सं.) राजस्थान कांठोस पार्टी प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के अनुमोदन से राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सीबी यादव ने राजीव गांधी पंचायती राज संगठन में जिला अध्यक्ष नियुक्त किए हैं। जिसमें राजीव गांधी पंचायती राज संगठन करौली के जिला अध्यक्ष पद पर चैन सिंह मीणा लीलोटी को नियुक्त किया है इनकी नियुक्ति पर कांठोस पार्टी करौली के पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं पूर्व पार्षद मजीद खान, प्रभाव, उदय सिंह,मंगतू प्रजापत सहित अनेको कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सीबी यादव का आभार व्यक्त किया है।

सनातन संस्कृति से साक्षात्कार कराने को लगेंगी विहिप की संस्कारशालाएँ

- संस्कारशालाओं में व्रत, त्योहार व राष्ट्रभक्ति संग दिए जा रहे भारतीय संस्कार। विहिप सेवा विभाग जयपुर प्रांत प्रमुख नरेश खण्डेलवाल ने दी जानकारी

भरतपुर (निस)। विहिप सेवा विभाग जयपुर प्रांत प्रमुख नरेश खण्डेलवाल ने बताया कि संस्कारों की पाठशाला, संस्कारशाला में किशोरों को पुस्तकीय जानकारी देने के साथ ही सनातन संस्कृति से जोडने के लिए भारतीय संस्कार दिया जाता है। उन्हें भारतीय पर्व, व्रत, त्योहारों की ऐतिहासिकता व पौराणिकता की जानकारी तो दी ही जाती है, साथ ही उसकी महत्ता भी समझाई जाती है। देश के गौरव महापुरूषों, वीरांगनाओं के जीवन और उनकी वीरगाथा से परिचित कराकर उनमें राष्ट्रभक्ति के भाव को जागृत किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य बच्चों-किशोरों को पुस्तकीय जानकारी तक सीमित न रखते हुए उन्हें ज्ञानार्जन कराना है। सनातन संस्कृति की जागृत चेतना के भाव की सतत स्थापना और समाज में समरसता को बढाने को विश्व हिंदू परिषद संस्कारशाला अभियान को नई धार देने जा रहा है। माना जा रहा है कि प्रयागराज महाकुंभ से उत्पन्न जागृत चेतना से भावी पीढी को साक्षात्कार कराने और उन्हें सनातन शिक्षा देने के उद्देश्य से विहिप गांव-गांव, शहर-शहर संस्कारशाला अभियान चलाएगी।

यह निर्णय विहिप सेवा विभाग की मुंबई में हालिया संपन्न सेवा विभाग अखिल भारतीय ट्रस्टी एवं समिति के पदाधिकारियों की बैठक में लिया गया। यह भी तय हुआ कि यह बैठक अब हर पांच वर्ष में आयोजित की जाएगी, जिसमें पांच वर्षों में किए गए कार्यों की समीक्षा व सेवा कार्यों की योजना बनाई जाएगी। विश्व हिंदू परिषद 4 से 14 वर्ष तक के बच्चों को सनातन संस्कार से परिचित कराने के लिए आंगनवाडी की तर्ज पर संस्कारों की पाठशाला और संस्कारशाला का संचालन कर रही है। इसमें विहिप प्रशिक्षित दुर्गा वाहिनी की सदस्य स्थानीय महिलाओं के साथ बच्चों को सनातन शिक्षा-दीक्षा दे रही है। विहिप की 22-23 फरवरी को मुंबई में सम्पन्न हुई सेवा विभाग ट्रस्टी एवं समिति के पदाधिकारियों की बैठक हुई जिसमें प्रान्त सेवा प्रमुख नरेश खण्डेलवाल द्वारा भाग लिया गया।

बैठक में संस्कारों की पाठशाला व संस्कारशाला अभियान को नए उद्देश्य व सोच के अनुरूप पूरे देश में गांव-गांव, शहर-शहर आगे बढाने का निर्णय लिया गया है। विहिप सेवा विभाग जयपुर प्रान्त के सेवा प्रमुख नरेश खण्डेलवाल ने बताया कि संस्कारों की पाठशाला, संस्कारशाला से प्रयागराज के कुंभ से उठी सनातन की जागृत चेतना के भाव की सतत स्थापना और सामाजिक समरसता को बढाने की दिशा में विहिप का यह महत्वपूर्ण कदम है। विहिप सेवा विभाग जयपुर प्रांत द्वारा भरतपुर में 14 एवं धौलपुर में 11 संस्कारशालाएँ संचालित की जा रही हैं। जल्दी ही इसका विस्तार किया जायेगा।

मुआवजे दिलाने की मांग

हलैना । गत दिन अति वृष्टि और ओलावृष्टि की वजह से सम्पूर्ण क्षेत्र में बर्बाद हुई किसनों की सरसों और गेहूं की फसल के मुआवजे की मांग को लेकर कस्बा हलैना उप तहसील में किसान नेता इन्दल सिंह जाट के नेतृत्व मे किसानों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन दिया। किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने नायब तहसीलदार लक्ष्मन गुप्ता को प्रस्तत किये। ज्ञापन में कहा कि अत्याधिक ओलावृष्टी की बजह से किसानों के सपने टूट गये है, किसानों की महत्वपूर्ण सरसों, गेहू की पक्की तैयार खडी फसल चौपट हो गई है। उन्होंने कहा कि यही फसल किसान का सहारा होती है। उन्होंने जिला कलक्ट्रर को भेजे ज्ञापन में शीघ्र सर्वे कराकर किसानो को फसल नुकसान का वाजिब मुआवजा देने तथा किसानों का कर्जा माफ करने की माँग की। नायव तहसीलदार ने ज्ञापन को आगे भेजने तथा आवश्यक कार्यवाही करने की बात कही। ज्ञापन देने बालो में बलदेब सिंह नगला धरसौनी, चन्द्रप्रकाश सौलंकी हलैना, वासुदेव गुप्ता पूर्व सरपंच, रामकिशन सुवेदार नगला कप्तान, चेतराम खटीक, सहित अनेक किसानों ने हिस्सा लिया।

कलेक्टर ने ली साप्ताहिक समीक्षा बैठक

भरतपुर (निस)। जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव की अध्यक्षता में सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई जिसमें सभी विभागों को बजट घोषणाओं के कार्य समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने कहा कि सभी विभाग बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को गति देते हुये नवीन कार्यों की डीपीआर टैंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करते हुये विकास कार्यों को समय पर पूरा करें जिससे विकास कार्यों का लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि विभागीय योजनाओं के लक्ष्यों के अनुरूप सभी विभाग टीम भावना के साथ कार्य करते हुये जिले को अठाणी पायदान पर रखें।

उन्होंने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं में पात्र लोगों को लाभान्वित करते हुये विकास कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने बजट घोषणाओं के ऐसे कार्य जो अभी तक शुरू नहीं किये गये हैं, ऐसे कार्यों पर त्वरित कार्यवाही करते हुये शीघ्र शुरू करायें तथा प्रगतिरत कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिये। जिला कलक्टर ने सड़क, बिजली, पानी जैसी आवश्यक सुविधाओं से सम्बंधित कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए जिससे आमजन को समय पर लाभ मिल सके। उन्होंने निर्देशित किया कि बयाना रोड के स्वीकृत कार्य को संबंधित विभाग आरएसआरडीसी से समन्वय कर शीघ्र प्रारम्भ करें। उन्होंने घना गेट से बीनारायन गेट तक के सडक व नाली निर्माण कार्य को समय से पूरा कराने के निर्देश प्रदान किये। उन्होंने भवनपुरा रोड पर हो रहे अतिक्रमण हटवाने, बिजलीघर चौराहे के पास खुले नाले के निर्माण कार्य को शीघ्र करवाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास के पास हो रहे जलभराव की समस्या का शीघ्र समाधान करने के साथ ही रणजीत नगर में ड्रेन व्यवस्था व नालों के निर्माण कार्य को, शहर में ड्रैनेज सिस्टम में सुधार के लिए प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। उन्होंने गोपालगढ से जघीना गेट तक नाला कार्य, रैडक्रॉस पुलिया, चांदपोल गेट के आसपास के नाला निर्माण कार्य को प्राथमिकता देते हुये शीघ्र कराने के निर्देश दिये।

पानी की समस्या, भाजयूमो ने अफसरों को बताया

गंगापुर सिटी । शहर में चल रही पानी की समस्या को लेकर भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष नागेश लोढीके नेतृत्व में भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेश दुबे भाजयुमो के जिला महामंत्री अतुल शर्मा और जिला मंत्री अशोक सैनी व कार्यकर्ता जलदाय विभाग के अधिशासी अभियंता रामकेश मीणा से उनके कार्यालय में जाकर मिले और शहर में पर्याप्त जल आपूर्ति नहीं होने पर जनता को हो रही परेशानी को लेकर नाराजगी जताई।

नागेश लोढी ने कहा कि अभी तो सर्दी का मौसम है आगामी दिनों में गर्मी आएगी इसके लिए आपके पास क्या योजना है पानी की अव्यवस्था से जनता में सरकार की छवि पर नकारात्मक प्रभाव पड रहा है। पूर्वी राजस्थान के लिए भागीरथ का कार्य करने वाले कर्मयोगी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के राज में गंगापुर की जनता पानी की समस्या से ग्रसित नहीं होनी चाहिए।

नागेश लोढी ने अधिशाषी अभियंता से कहा कि आप शहर में पानी की सुचारू आपूर्ति करने के लिए योजना बनाए और योजना की पूर्ति के लिए यदि उच्च स्तर पर कोई वार्ता करनी या वित्तीय स्वीकृति दिलवानी है तो मैं शहर के जनता के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा एवं जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी से बात करूंगा और उनसे निवेदन करूंगा कि गंगापुर सिटी भीषण पेयजल समस्या से अनेकों साल से जूझ रहा है और राजस्थान के भगीरथ से आशा है। जिलाध्यक्ष नागेश लोढी ने दूरभाष पर एडिशनल चीफ इंजीनियर सुरेंद्र शर्मा से बात कर उनसे हर साल बरसात में चंबल परियोजना के पानी के पंप चंबल नदी डूबने और बरसात में लोगों को पानी की कमी को लेकर बात की जिस पर एडिशनल चीफ इंजीनियर सुरेंद्र शर्मा और रामकेश मीणा ने नागेश लोढी और भाजपा कार्यकर्ताओं को भरोसा दिलाया कि पानी के पंप डूबने की समस्या का भी इस बार कोई समाधान ढूंढ लिया जाएगा और जल्दी ही गंगापुर में रोजाना नलो से पानी देने का आश्वासन दिया।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.-33004/99 REGD. No. D.L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी. डी.एल.-अ.-03022025-260720
CG-DL-E-03022025-260720
असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग-II खण्ड 3-उप-खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY
सं. 562 नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 31, 2025/माघ 11, 1946
No. 562 NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 31, 2025/MAGHA 11, 1946

सडक परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय
अधिसूचना
नई दिल्ली, 31 जनवरी, 2025

का.आ. 566 (अ). - केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) की धारा 3 के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना के शासकीय राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से, राजस्थान राज्य के करौली जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-23 पर करौली बाईपास का निर्माण हेतु उक्त अनुसूची के स्तम्भ (4), (5), (6) और (7) में क्रमशः उल्लिखित राज्य, जिलों, तालुकों और गावों से सम्बन्धित उक्त अनुसूची के स्तम्भ (3) की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट भूमि के सम्बन्ध में अनुसूची के स्तम्भ (2) में उल्लिखित अधिकारियों को उक्त अधिनियम के अन्तर्गत सक्षम अधिकारियों के कृत्यों का निष्पादन करने के लिए एतद्वारा सक्षम प्राधिकारी के रूप में प्राधिकृत करती है

अनुसूची

राजस्थान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-23 पर करौली बाईपास का निर्माण हेतु भूमि का अधिग्रहण

क्रमिक संख्या	सक्षम प्राधिकारी	भूमि का विवरण	राज्य	जिले का नाम	तालुक का नाम	गांव का नाम	
1	2	3	4	5	6	7	
2	THE GAZETTE OF INDIA: EXTRA ORDINARY (PART II SEC.3(ii))						
	अधिकारी सवाई माधोपुर	राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या NH23 के कि.मी. 0 से कि.मी 14 तक	राजस्थान	करौली	करौली	1	दीपपुरा
						2	मांची
						3	रामपुर
						4	गोपालपुरा साय
						5	बरखेडा
						6	करौली

(फा.सं.RW/JAI/RJ/CE-RO/NH-12012/2025/02)
DIPR/C/2360/2025 अभय जैन, निदेशक

होली मिलन समारोह का आयोजन

हिंडौन सिटी । शहर के महवा रोड स्थित एक मैरिज होम में राजपूत सभा की ओर से बीती रात होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में समाज की उन प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया, जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में वर्चस्व हासिल कर समाज का नाम रोशन किया है। इस दौरान वक्ताओं ने समाज के लोगों से कुरुतियों को त्यागकर राजनीति के क्षेत्र में आगे आने की बात कही।

राजपूत सभा हिंडौन के संरक्षक शिशुपाल सिंह जादौन, अध्यक्ष सत्यस्वरुप सिंह जादौन ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि गिर्राज सिंह मलिंगा थे। इसके अलावा जिलाध्यक्ष अजय सिंह, दीपक नरुका, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के केसर सिंह नरुका, भाजपा जिलाध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन, सीमा जादौन, जयेन्द्र सिंह, नरेन्द्र सिंह, ऊधो सिंह, रमेश सिंह पिचानौत, नत्थू सिंह राजावत सहित प्रमुख लोग मौजूद रहे। भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष गोवर्धन सिंह, सात साल की उम्र में राज्यस्तरीय घुडसवारी प्रतियोगिता में कई मेडल प्राप्त करने वाली करौली की धानवी सिंह सहित अन्य लोगों का सम्मान किया गया। वक्ताओं ने शिक्षा, खेल, व्यापार में अन्य समाजों से प्रेरणा लेकर आगे बढने की सलाह दी। साथ ही कहा कि आगामी चुनावों में राजपूत समाज भी अपने प्रत्याशी उतारेगा। यही नहीं राजपूत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन का भी आयोजन किया जाएगा। सात साल की धानवी ने पुत्र और पुत्री में भेदभाव नहीं करते हुए खेलों में भी बेटियों को आगे आकर अवसर देने की बात कही। संरक्षक शिशुपाल सिंह जादौन व कैप्टन नरोत्तम सिंह ने महिला शिक्षा को बढावा देने, कुरुतियों से समाज को दूर रखने और संगठित रहने पर बल दिया। समारोह का मंच संचालन नरेन्द्र सिंह जादौन व रामचंद्र सिंह ने किया।

दुकान में आग पर दुख जताया

भरतपुर, (निस)। जिला व्यापार महासंघ के जिलाध्यक्ष संजीव गुप्ता और जिला महामंत्री नरेन्द्र गोयल ने गुजरात के सूरत में शिव शक्ति मार्केट में कपड़ों की दुकान व गोदामों में लगी भीषण आग पर दुख प्रकट करते हुए अपनी संवेदना प्रकट की है। व्यापार महासंघ ने कहा कि इस भीषड अग्निकांड में राजस्थान के व्यापारी बंधुओ का करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है वह पूरी तरह बर्बाद हो गए हैं पूर्णतया सड़क पर आ गए हैं। व्यापार महासंघ के जिला महामंत्री नरेंद्र गोयल ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष सुनील सिंघी से फोन पर वार्ता कर गुजरात के राजस्थानी व्यापारियों को सहयोग की मांग की। सुनील सिंघी ने बताया कि वह इस विषय को लेकर सक्रिय है और शीघ्र व्यापारियों को सहायता दिलाई जाएगी।

घरेलू गैस सिलेण्डर धमाके के साथ फटा, दंपती सहित तीन झुलसे

घरेलू गैस सिलेंडर बदलते समय अचानक सिलेंडर में आग लग गई थी

रूपनगढ़, (निसं)। निकटवर्ती रूपनगढ़ थाना इलाके के गांव सुरसुरा में सोमवार सुबह घरेलू गैस सिलेंडर बदलते समय अचानक सिलेंडर में आग लग गई तथा सिलेंडर धमाके के साथ फट गया, जिससे आसपास के लोगों में दहशत व्याप्त हो गई। वहीं गैस सिलेंडर की आग बुझाते समय एक दंपती गंभीर रूप से झुलस गए तथा एक युवक जो सिलेंडर बदल रहा था वह भी गंभीर रूप से झुलसा है। तीनों को उपचार के लिए जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लाया गया जहां झुलसी महिला की हालत नाजुक बनी हुई है।

घायल हुये लोगों को अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया।

- तीनों घायलों को उपचार के लिए जवाहरलाल नेहरू अस्पताल लाया गया, एक की हालत गंभीर

टंकी बदलते समय हादसा :- गांव सुरसुरा निवासी शहनाज ने बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाला करण पुत्र जगदीश सोमवार सुबह घर पर चाय बनाने के लिए गैस सिलेंडर बदल रहा था। इस दौरान गैस सिलेंडर का ढक्कन निकल गया, जिसके कारण वहां गैस फैल गई तथा सिलेंडर ने आग पकड़ ली। आग लगने का शोर सुनकर उसकी देवरानी जायदा और उसका देवर जरदार खान दौड़ते हुए करण के मकान में गए, जहां उन्होंने जलते हुए सिलेंडर की आग बुझाने का काफी प्रयास किया, सिलेंडर पर पानी में भिगोकर बोरी भी डाली इसके अलावा मिट्टी भी डाली लेकिन आज नहीं बुझी और सिलेंडर तेज धमाके के साथ फट गया। इस घटना में जरदार खान उम्र 45 साल तथा उसकी पत्नी जायदा उम्र 40 साल तथा करण पुत्र जगदीश गंभीर रूप से झुलस गए उन्हें तुरंत उपचार के लिए जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया, जहां जायदा की हालत नाजुक बनी हुई थी।

गांव सुरसुरा में गैस सिलेंडर फटने की सूचना मिलते ही रूपनगर थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पहुंच गई और जलसे हुए लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

किशोरी का अपहरण, दो बच्चों के पिता पर संदेह

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुरानी आबादी पुलिस थाना में किशोरी को अपहरण करके ले जाने का मामला दर्ज हुआ है। यह घटना 28 फरवरी देर रात की बताई गई है।

वहीं मामले में किशोरी के परिजनों ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार की रात को किसी अज्ञात व्यक्ति ने किशोरी का घर से अपहरण कर लिया। किशोरी के पिता ने बताया कि रात को परिवार के सभी सदस्य खाना खाकर करीब ग्यारह बजे सो गए थे। अलसुबह करीब तीन बजे परिजन उठे तो किशोरी को घर पर न पाकर तलाश शुरू की। घबराए हुए परिजनों ने रिश्तेदारी को फोन करके किशोरी के आने के बारे में पूछा लेकिन कहीं से कोई सूचना नहीं मिली। इसके बाद पुलिस थाना में मामला दर्ज करवाया गया है।

मामले की जांच कर रहे एएसआई रामकेर ने बताया कि किशोरी घर के कामों में ही हाथ बंटाती थी। अभी अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया है। हालांकि किशोरी के पिता ने पड़ोस में रहने वाले 30 वर्षीय शादीशुदा व्यक्ति पर अपहरण का शक जताया है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना अंतर्गत एक गांव में आठवीं कक्षा में अध्यनरत एक नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में सोमवार को राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार दर्ज मामले में पीड़िता के पिता ने बताया कि उसकी नाबालिग पुत्री हमेशा की तरह स्कूल जा रही थी, तो रास्ते में एक महिला मिली जो प्रतिदिन बालिका के साथ बोलचाल करने का प्रयास करती थी तथा बालिका को अपने घर पर भी बुला लेती थी। आरोप है कि उक्त महिला ने बालिका को अपने पडोसी आरोपी से मिलवाया और कहा कि इससे दोस्ती कर लो यह अच्छा लड़का है, जिस पर नाबालिग घबरा गई और वहां से घर आ गई। लेकिन धीरे-धीरे रोज स्कूल जाते समय महिला अपने जाल में फंसाने के लिए रास्ते में अपने घर के आगे उसकी नाबालिग पुत्री को रोक लेती। कभी-कभी अपने घर भी बुला लेती तथा आरोपी से मिलवाती। उसके बाद महिला ने बालिका के घर के फोन नंबर के लिए तथा 2 मार्च को फोन कर अपने घर बुलाया तथा उसकी नाबालिग को पिकअप में बैठाकर गांव से बाहर स्कूल की ओर ले गए। महिला रास्ते में पिकअप से नीचे उतर गई तथा दो अन्य व्यक्ति पिकअप में ही बैठ थे। उसकी पुत्री ने अकेले उनके साथ जाने से मना किया तो उन्होंने उसकी नाबालिग पुत्री को डराया धमकाया और उसके बाद थोडा आगे गांव से बाहर ले जाकर आरोपी ने उसकी पुत्री के साथ बलात्कार किया। आरोपी ने उसकी नाबालिग पुत्री को धमकी दी। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय उप वन संरक्षक, करौली (राज.)

(गढ़का की चौकी करौली Phone & Fax No. 07465-297003. Email-def.kroli.forest@rajasthan.gov.in

Notice Inviting Bid

Bid for Advance Machinary Work in Range Sapotra and Gudachandraji are invited from interested bidders. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in and http://www.eproc.rajasthan.gov.in of the state

क्र. सं.	कार्य का विवरण	यू बी एन नम्बर	लागत लाखों में	जारी दिनांक	जमा व खोलने की दिनांक
1	अग्रिम मृदा कार्य रेंज सपोटरा	UBN NO. FOR2425 WSRC04586	25.00	17.02.2025	27.02.2025
2	अग्रिम मृदा कार्य रेंज गुढाचन्द्रजी	UBN NO. FOR2425 WSRC04587	22.00	17.02.2025	27.02.2025

(सुमित बंसल)
उप वन संरक्षक, करौली
DIPR/C/2402/2025

भाजपा सरकार में लॉ एंड ऑर्डर, महिला उत्पीड़न के अपराध बढ़े : पायलट

डॉ. किरोडीलाल मंत्री है या नहीं, यह किसी को नहीं पता : सचिन पायलट

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का अजमेर आगमन पर जयपुर रोड स्थित अशोक उद्यान पर अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से एवं कार्यकर्ताओं ने माला एवं साफा पहनकर स्वागत किया।

पत्रकारों से बातचीत के दौरान सचिन पायलट ने कहा कि डॉ. किरोड़ीलाल मंत्री है या नहीं, यह किसी को नहीं पता, सरकार न उन्हें काम दे रही है न उनसे काम करवा रही है। आपस में इतना खिंचाव है कि सरकार का बड़ा कंफ्यूज वाला मैसेज प्रदेश में जा रहा है। पायलट ने कहा कि राजनीति में शब्दावली का प्रयोग सोच समझ कर करना चाहिए। सरकार का पहला साल बहुत महत्वपूर्ण होता है, लेकिन उन्होंने सिर्फ इसे गंवाया है।

- पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का अजमेर में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया

सचिन पायलट ने अजमेर में पत्रकारों से वार्ता की।

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड के सवाल पर पायलट ने कहा कि सवा साल से राजस्थान में बीजेपी की सरकार है, जो सरकार ने दावे किए और आंकड़े प्रस्तुत किए हैं, लेकिन हकीकत यह है कि लॉ एंड ऑर्डर, महिला उत्पीड़न, इस प्रकार के घिनौने अपराध बढ़ रहे हैं। इस पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने सिर्फ आश्वासन ही दिया है, लेकिन जो प्रशासन पर पकड़ होनी चाहिए और पुलिस के ऊपर प्रभावशाली तरीके से सरकार का नियंत्रण होना चाहिए, उसमें कमी दिखती है। सख्ती की भी कमी है।

जानकारी के अनुसार जयपुर से पाली जाते वक्त अजमेर के अशोक उद्यान पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का कार्यकर्ताओं, वरिष्ठ कांग्रसजनों व कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन के नेतृत्व में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया, उसके पश्चात सचिन पायलट कांग्रेसजनों से मिले। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट ज़िदाबाद के नारे भी लगाए उसके बाद सचिन पायलट ने मौजूद कांग्रेसजनों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया, उसके पश्चात प्रदेश एनएसयूआई की ओर से निकाली जाने वाली नशा मुक्ति अभियान के तहत ''नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो'' साइकिल यात्रा में भाग लेने के लिए पाली प्रस्थान कर गए। पायलट के अजमेर आगमन पर स्वागत करने वालों में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय जैन, नसीम अख्तर इंसाफ, हेमंत भाटी, महेंद्र सिंह रलावता, अंकुर त्यागी, अमोलक छाबड़ा, श्याम प्रजापति सहित बड़ी संख्या में आदि अनेक कांग्रेस जन मौजूद थे।

फोन-पे का नकली एप इंस्टॉल कर दुकानदारों से ठगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। साइबर ठगी का अब नया तरीका सामने आया है। फोन-पे का नकली एप इंस्टॉल कर दुकानदारों से ठगी की जा रही थी। दो युवक दुकानदारों से नकदी लेकर उतने रुपए उनको ऑनलाइन डालने का कहकर ठगी कर रहे थे। चूनावढ़ पुलिस ने इनको रविवार शाम को काबू किया है। फिलहाल इनसे एसएचओ अजेय राठौड़ आईपीएस प्रोबेशनर पूछताछ कर रहे हैं। यह कोई बड़ा गिरोह भी सामने आ सकता है।

- दोनों युवक दुकानदारों से नकदी लेकर उतने रुपए उनको ऑनलाइन डालने का कहकर ठगी कर रहे थे

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार नेतेवाला के वार्ड 7 निवासी 34 वर्षीय दीपक कुम्हार पुत्र हनुमानप्रसाद और लालगढ़ जाटान निवासी 40 वर्षीय पवन कुमार जाट पुत्र काशीराम को हिरासत में लिया गया है। ये दोनों अपने मोबाइल फोन में फोन-पे का नकली एप इंस्टॉल करके लोगों से ठगी कर रहे थे। इनके खिलाफ नेतेवाला निवासी दुकानदार उम्मेद भाटी पुत्र शेरखान ने पुलिस को बताया कि आरोपी पवन कुमार ने रविवार दिन में उसकी किराने की दुकान में आकर एक हजार रुपए नकदी की मांग की। बदले में फोन-पे से रुपए ऑनलाइन ट्रांजेक्शन करने का कहा।

पीड़ित ने आरोपी की बात मानते हुए एक हजार रुपए नकदी दे दी। आरोपी ने अपने मोबाइल की स्क्रीन पर फोन-पे से एक हजार रुपए का ऑनलाइन भुगतान पीड़ित को क्यूआर कोड स्कैन करके डाला हुआ दिखा दिया। इससे पीड़ित संतुष्ट हो गया। लेकिन जब पीड़ित ने कुछ समय बाद बैंक बैलेंस चेक किया तो उसमें रुपए आए हुए नहीं थे। इस पर संदेह हुआ। पीड़ित ने अपने स्तर पर गांव में इसकी तलाश की। तब आरोपी पवन जाट के साथ गांव का ही युवक दीपक कुम्हार भी मिल गया। पुलिस ने इनको हिरासत में ले लिया है और पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि दोनों युवक करीब दो माह से नेतेवाला, लालगढ़ जाटान और श्रीगंगानगर शहर में इस तरह से ठगियां कर रहे थे।

चूनावढ़ पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी युवक नशे के आदी हैं। हेरोइन, स्मैक, कैप्सूल, इंजेक्शन सहित हर तरह का नशा करते हैं। नशे के लिए रुपयों की पूर्ति के लिये आरोपियों ने यह तरीका निकाला हुआ था। दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में मादक पदार्थ तस्करी के मुकदमे दर्ज हैं। इनमें आरोपी गिरफ्तार होकर जेल जा चुके हैं। इन दोनों की दोस्ती जेल में ही हुई थी। जमानत मिल जाने के बाद दोनों जेल से बाहर निकले और एक दूसरे के साथ संपर्क किया।

अभी पुलिस ने यह खुलासा नहीं किया है कि इस तरीके से ठगी का आइडिया दोनों में से किसका था। अथवा इनको यह आइडिया देने वाला कोई तीसरा ही व्यक्ति है। पूछताछ जारी है।

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक निदे/अ.ख.अ. नीलामी / निलामी (ERCC/RCC 04)/2025/ई-10269

ई-नीलामी विज्ञिप्त संख्या- (ERCC/RCC 04)/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञिप्त से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारी लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमियम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संठाहण के कुल 31 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

DIPR/C/2480/2025 (दीपक तंवर) निदेशक

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत राजसमन्द

Phone: 02952-223136, E-Mail: phedrajd@gmail.com

क्रमांक-अअ/राज / निविदा/2024-25/3711 दिनांक-18.02.2025

निविदा सूचना संख्या 08/2024-25

(NIB No. PHE2425A4711)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खंड के अधिन निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों के निर्धारित प्रपत्र में खुली निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा संबंधी विवरण www.sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है। निविदा निम्नानुसार निर्धारित दिनांक को इस कार्यालय द्वारा बेची जाकर दोपहर 02.30 बजे तक इस कार्यालय में प्राप्त कर निर्धारित दिनांक उपस्थित निविदादाताओं या उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष 11.00 बजे खोली जावेगी। धरोहर राशि का ई-चालान 8443-00-108-00-00 हेड में जमा कर संलग्न करना होगा तथा DDO Code 11243 अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिक विभाग खंड राजसमंद के नाम ई-चालान मद 0075-00-800-52-01 में निविदा शुल्क जमा कराकर निविदा प्रपत्र SPPP पोर्टल से प्राप्त किया जा सकता है उपरोक्त के अभाव में निविदा अमान्य होगी।

S.No.	UBN No.
1	PHE2425WSRC10206

अधीक्षण अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियात्रिकी विभाग
वृत राजसमन्द
DIPR/C/2458/2025

कार्यालय नगर निगम, उदयपुर

टाउनहॉल लिंक रोड, उदयपुर (राज.) 313001

दुरभाष स. 0294-2421255, 2420013, Helpline no. 0294-2426262 वेबसाइट www.mcudaipur.org.com

क्रमांकः- एच.ए./सी.एन./ जा/2024-25/3085 दिनांकः- 28.02.2025

(ई-भुगतान) बोली आमन्त्रण सूचना संख्या - E 12/2024-25

स्मार्ट सिटी द्वारा आयड नदी के अन्दर किये गये सोन्दर्यकरण कार्य जो पुला एनिकट से ठोकर एनिकट(ब्रिज) तक जिसकी कुल लम्बाई लगभग 5000 मीटर जिसमें केनाल लगभग 10 मीटर चौडाई एंव केनाल मे दोनो और में लगभग 20-20 मीटर की चौडाई में सफाई का सम्पूर्ण कार्य हेतु ई- प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑन लाईन निविदा दिनांक 17.03.25 समय सांय 04:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। विस्तृत जानकारी www.sppp.rajasthan.gov.in & www.eproc.rajasthan.gov.in एवं नगर निगम, उदयपुर की वेबसाइटपर उपलब्ध है। निविदा की प्रारम्भ दिनांक 03.03.25 तथा खुलने की दिनांक 18.03.25 एवं अनुमानित लागत 60.00 लाख रू. है।

UBN no. UNP2425SLOB00208

आयुक्त
नगर निगम उदयपुर
राज.संवाद/सी/24/12519

TEL NO:-07469-230595 EMAIL:- xenphedind@yahoo.in

कार्यालय अधिशाषी अभियंता
जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड हिण्डौन

Notice Inviting Bid

Bids for Various work in PHED Dn. Hindaun is invited from interested bidders. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state and http://eproc.rajasthan.gov.in departmental website.

NIB No. PHE2425 A 4675

S.No.	NIT No.	UBN No.
1.	45/2024-25	PHE2425 WSRC10139
2.	46/2024-25	PHE2425WSRC10140
3.	47/2024-25	PHE2425WSRC10141
S.No.	Total Work	
1.	Total Estimated Cost	15.86 Lacs
2.	Tender Submission Start Date	24.02.2025 Upto 12:00 PM
3.	Tender Submission End Date	05.03.2025 Upto 6:00 PM
4.	Tender Opening Date	06.03.2025 Upto 12:00 PM

(के. एल. मीना)
अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा. अभियांत्रिक विभाग
खण्ड-हिण्डौन सिटी
DIPR/C/2401/2025

तालाब में डूबने से किशोर की मौत

बौंली-बामनवास, (निसं)। क्षेत्र के हरसोता गांव के एक 14 वर्षीय किशोर ओमप्रकाश योगी की तालाब में डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हरसोता गांव निवासी ओमप्रकाश योगी अपने मवेशियों को पानी पिलाने तालाब पर ले गया था। इसी दौरान अज्ञात कारणों से वह तालाब के गहरे पानी में डूब गया। किशोर के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों को चिंता हुई एवं तलाश करते हुए तालाब के किनारे पर पहुंचे, जहां पर किशोर की चप्पल रखी हुई मिली। इसके बाद ग्रामीणों व परिजनों ने मिलकर तालाब से किशोर के शव को बाहर निकाला एवं बौंली पुलिस को सूचना दी। सूचना पाकर बौंली पुलिस मौके पर पहुंची एवं चिकित्सालय में शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों सुपुर्द कर दिया।

पुलिस का हिरण के शिकारियों की परेड करवाने से इनकार, लोग भड़के

बीकानेर, (निसं)। जिले के बज्जू क्षेत्र में हिरण शिकार के मामले में नाराज लोगों का गुस्सा पुलिस स्टेशन पर उतरा। लोगों ने पुलिस थाने में तोड़फोड़ की, जिन्हें पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ा।

जानकारी के अनुसार एक दिन पहले ही कुछ शिकारियों ने हिरण का शिकार किया। इसके बाद पुलिस ने शिकारियों को गिरफ्तार कर लिया। इस बीच शिकारियों की परेड निकालने के मुद्दे पर पुलिस और ग्रामीण आमने-सामने हो गए। जानकारी के अनुसार, पुलिस ने हिरण शिकार करने के मामले में तीन शिकारियों को पकड़ा था। इसके अलावा एक शिकारी नाबालिग था। मामले में कोलायत और रणजीतपुरा में भी शिकार करने की सूचना मिली थी।

- पुलिस ने स्टेशन में तोड़फोड़, पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को खदेड़ा
- पुलिस ने हिरण शिकार करने के मामले में तीन शिकारियों को पकड़ा था

पुलिस ने कुल सात शिकारियों को पकड़ा और सभी को अदालत में पेश किया जाना था। ग्रामीणों ने इनकी परेड निकालने की मांग की।

पुलिस ने एक बार तो परेड निकालने की हां भरी, लेकिन बाद में इन्हें पीछे के गेट से निकालकर ले गए, जिससे ग्रामीण नाराज हो गए। इसके बाद ग्रामीण थाने पहुंचे और वहां पर हंगामा कर दिया। ग्रामीण पुलिस थाने के गेट पर चढ़ गए। गेट पर लगे थाने के एलईडी बोर्ड को तोड़ दिया, जिसका वीडियो भी सामने आया है। हालांकि मामले में पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया और भीड़ को खदेड़ मामला शांत किया।

ख्वाजा की दरगाह में उमड़े अकीदतमंद

अजमेर, (कासं)। इस्लाम धर्म में सबसे पवित्र माने जाने वाले रमजान माह की शुरुआत चांद दिखाई देने के साथ ही रविवार से हो गई। ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में रोजेदारों और अकीदतमंदों की भीड़ उमड़ने लगी है। दरगाह से जुड़ी खादिमों की संस्था अंजुमन सैयद जादगान की ओर से रोजेदारों के लिए सेहरी व इफ्तार के समय दरगाह परिसर में खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई गई।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा.अभि. विभाग, वृत-प्रतापगढ़

E-Mail:- secircle.pra.phed@rajasthan.gov.in

क्रमांक : अअ/प्रताप/निविदा/2024-25/1920-1927 दिनांकः 20-02-2025

ई-निविदा सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नहस्ताक्षरकर्ता द्वारा सक्षम श्रेणी में मान्यता प्राप्त पंजीकृत संवेदको से जिला प्रतापगढ के कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा स. 13-17/2024-25 आमन्त्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित अन्य सभी विस्तृत विवरण मय नियत तिथियों के http://.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर भी देख जा सकते है

UBN No.As follows: PHE2425WSOB10311, PHE2425WSOB10312, PHE2425WSOB10314, PHE2425WSOB10315, PHE2425WSRC10316

(शिवदयाल मीना)
अधीक्षण अभियन्ता जन स्वास्थ्य
अभियांत्रिक विभाग वृत-प्रतापगढ (राज0)
DIPR/C/2611/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता ओ.एफ.डी. खण्ड प्रथम, सिं.क्षे.वि., इं.गा.न.प., बीकानेर

क्रमांकः- 5971 दिनांकः- 17/02/2025

ई-निविदा सूचना संख्या 16 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु नवीन पंजीकरण नियमों के अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से Reconstruction of damaged lined Water Course in Chak 12 PB-B, 5 NGM in Khajuwala Assembly and Chak 2 BNPM, 5 GMD, 13 STB-A in Suratgarh Assembly की अनुमानित लागत 255.77 लाख है, के कार्य हेतु ऑन-लाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन/डाउनलोड की अवधि दिनांक 20.02.2025 प्रातः 10.00 बजे से दिनांक 05.03.2025 को दोपहर 01.00 बजे तक होगी। प्राप्त तकनीकी निविदाएं इलैक्ट्रोनिक फोर्मेट में https://eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 06.03.2025 को दोपहर 02.00 बजे खोली जायेगी। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in व https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://cad.rajasthan.gov.in डीआईपीआर की वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

1. UBN No. - CDB2425WSOB00219, 2. UBN No. - CDB2425WSOB00220
3. UBN No. - CDB2425WSOB00221, 4. UBN No. - CDB2425WSOB00222
5. UBN No. - CDB2425WSOB00218

अधिशाषी अभियन्ता, ओएफडी खण्ड प्रथम,
सिंक्षेवि, इंगानप, बीकानेर मोबाईल-94146-03873
DIPR/C/2489/2025

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, दाँयी मुख्य नहर खण्ड तृतीय सी.ए.डी. इटावा, जिला-कोटा (राज0)

टेलीफोन नं. 07458-225078 Email: XENRMC.CAD.ITAWA@RAJASTHAN.GOV.IN

क्रमांक-1823 दिनांक-18-02-2025

ई-निविदा सूचना संख्या 07 वर्ष 2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से वी ए एवं एए श्रेणी में सिंचित क्षेत्र विकास / जल संसाधन विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदको एवं राज्य सरकार / अन्य राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधीकृत संगठनों / केन्दीय लोक निर्माण विभाग डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से जो कि राजस्थान वी ए एवं एए श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निम्नलिखित कार्यों की ई-टेंडरिंग के माध्यम से निविदा दिनांक 20.02.2025 से दिनांक 01.03.2025 को सायं 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि रू. लाखों में)
1	Lining Work Colony minor& Kherda minor offtaking from Etawa Branch Canal Of RMC CAD kota	152.53

निविदा निर्धारित प्रपत्र http/www.eproc.rajasthan.gov.in, www.dipr.rajasthan.gov.in & http://www.sppp/raj.nic.in वेबसाईटों से डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है:-
NIB CODE- CKJ2425A0036, UBN No.: CKJ2425W50B00203

अधिशाषी अभियंता
दाँयी मुख्य नहर खण्ड-III
सी.ए.डी. चम्बल इटावा
DIPR/C/2532/2025

कार्यालय नगर पालिका इटावा जिला कोटा (राज.)

E-mail id – npitawa01@gmail.com Phone No. – 07458-294015

क्रमांक : न.पा.इ./2024-25/5372 दिनांक : 27.02.2025

निविदा सूचना- 05/2025-26/

नगर पालिका इटावा द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु वार्षिक टेण्डर की निविदा सूचना संख्या 05/2024-25 दिनांक 27.02.2024 को कुल 19 कार्यो की सक्षम श्रेणी के पंजीकृत संवेदकों से निविदाए आमंत्रित की जाती है। जिससे सम्बन्धित शर्तें व विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in पोर्टल पर देखा व प्राप्त किया जा सकता है। अथवा नगर पालिका कार्यालय में कार्यालय दिवस में देखा जा सकता है। जिनका NIB Code DLB2425A5919 है। कार्य अनुसार UBN No. निम्न प्रकार है।

(1) DLB2425SSOB18457 (2) DLB2425SSOB18460 (3) DLB2425GLOB18461
(4) DLB2425SLOB18464 (5) DLB2425SLOB18465 (6) DLB2425SLOB18466
(7) DLB2425SSOB18469 (8) DLB2425SLOB18470 (9) DLB2425GLOB18471
(10) DLB2425GSOB18472 (11) DLB2425SLOB18473 (12) DLB2425SSOB18475
(13) DLB2425SLOB18476 (14) DLB2425SSOB18482 (15) DLB2425SSOB18478
(16) DLB2425SSOB18483 (17) DLB2425SSOB18484 (18) DLB2425SSOB18485
(19) DLB2425SSOB18490

अध्यक्ष
नगर पालिका इटावा
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका इटावा
राज.संवाद/सी/24/12472

अवैध बजरी खनन व परिवहन की रैकी करते आठ गिरफ्तार

बौंली-बामनवास, (निसं)। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन में चलाए जा रहे अवैध बजरी खनन व परिवहन के खिलाफ कार्रवाई के तहत बौंली थाना प्रभारी राधारमण गुप्ता के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल हैड कांस्टेबल सुनील दत्त की टीम ने रविवार रात्रि को 8 आरोपियों को अवैध बजरी खनन व परिवहन की रैकी करते गिरफ्तार कर तीन ट्रैक्टर ट्रॉली व चार बाइक जब्त की है।

बौंली पुलिस थाने के हैड कांस्टेबल धर्मेंद्र चौधरी ने बताया कि रविवार को पुलिस टीम को दौराने गश्त सूचना मिली थी कि बहनोली, पीपलवाड़ा में कुछ लोग ट्रैक्टर ट्रॉली से भरे अवैध बजरी खनन व परिवहन के लिए खड़े हैं जो कि पुलिस टीम व वाहन की रैकी कर निकालना चाहते हैं।

अवैध बजरी खनन व परिवहन की रैकी करते आठ जनों को पकड़ा।

- तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली व चार बाइक जब्त की

पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर दिलखुश मीणा निवासी बहनोली, टिंकू मीणा निवासी बहनोली, मुकेश मीणा निवासी भेडोली, अंकेश मीणा निवासी सहरावता, मुकेश मीणा निवासी सेरावता, घमंडी मीणा निवासी सेरावता, गीताराम मीणा निवासी सेरावता सभी आरोपी पुलिस थाना बौंली एवं लक्ष्मीनारायण कीर निवासी बगीना थाना चौथ का बरवाड़ा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन ट्रैक्टर ट्रॉली व चार बाइक जब्त की है। बौंली पुलिस थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन व परिवहन के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

जयपुर विकास प्राधिकरण

इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004

बिड सूचना संख्या :- जविप्रा / वाहन / 2024-25 / डी- 52 दिनांक: 03.03.2025

बोली आमंत्रण सूचना

जयपुर विकास प्राधिकरण में **बहुमंजिले पार्किंग स्थल के प्रबन्धन व संचालन हेतु ठेका वर्ष 2024-25 (एक वर्ष)** दर संविदा के लिए **अनुमानित बोली 10,11,000.00** निविदा डालने की अन्तिम तिथि **17.03.2025** व जविप्रा में ऑनलाईन भुगतान दिनांक **17.03.2025** को **6.00 बजे** तक किया जा सकता हैं। विस्तृत विवरण को, जो कि निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है, अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में अथवा राजस्थान सरकार के उपापन पोर्टल **www.sppp.raj.nic.in** व **www.eproc.rajasthan.gov.in** एवं जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट **https://jda.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है:-

निविदादाता को निविदा में भाग लेने हेतु आवश्यक है कि :-

1. जयपुर विकास प्राधिकरण की वेबसाईट **https://jda.rajasthan.gov.in** पर पंजीकृत हो। निविदा शुल्क व आर.आई.एस.एल. प्रक्रिया शुल्क केवल ऑनलाईन ही देय होगी। बोली प्रतिभूति ऑनलाईन की जा सकती है।
2. ऑनलाईन निविदा में भाग लेने हेतु राजस्थान सरकार के पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर पंजीकृत हो।

(UBN No. JDA2425SLOB00564)

अतिरिक्त आयुक्त (वाहन)
राज.संवाद/सी/24/12537

नकल पर नकेल, 146 पेपरों में जीरो पेपरलीक : बेढ़म

गृह और कारागार विभाग की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित

जयपुर। गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था बनाते हुए अपराध मुक्त और भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान बनाना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपराध के खिलाफ राजस्थान पुलिस जीरो टोलरेंस की नीति अपनाकर सख्त कार्रवाई कर रही है। जनता के सम्मान, जीवन और सम्पत्ति की सुरक्षा करना हमारी सरकार का प्रथम कर्तव्य है।

बेढ़म सोमवार को विधान सभा में गृह विभाग की (मांग संख्या-18) एवं कारागार विभाग की (मांग संख्या-19) अनुदान मांगों पर हुई बहस का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्येय 'कौटिल्य के अर्थशास्त्र में वर्णित' प्रजा के सुख में शासक का सुख निहित है, प्रजा के हित में उसे अपना हित दिखना चाहिए' के अनुरूप है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पूर्ण संवेदनशीलता के साथ इस दिशा में अहम निर्णय ले रहे हैं। चर्चा के बाद सदन ने गृह विभाग की 116 अरब 57 करोड़ 7 लाख 84 हजार रूपए एवं कारागार विभाग की 3 अरब 68 करोड़ 47 लाख 11 हजार रूपए की अनुदान मांगें ध्वनिमत से पारित कर दी।

बेढ़म ने कहा कि हमारी सरकार आने के बाद अपराधियों में भय बढ़ा है। समठा अपराध की स्थिति में राज्य में वर्ष 2023 में जहां 2 लाख 31 हजार 240 प्रकरण दर्ज हुए थे। इसके बाद वर्ष 2024 में 2 लाख 13 हजार 351 प्रकरण ही दर्ज हुए। ऐसे में 17 हजार 889 प्रकरणों की कमी आई है। यह 7.74 प्रतिशत की गिरावट है। ये आंकड़े हमारी सरकार में अपराधियों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त से सख्त कार्रवाई की स्थिति को दर्शाते हैं।

गृह राज्य मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का आदर्श वाक्य 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता' है। यह नारी शक्ति के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता को दर्शाता है। महिला संबंधित घटनाओं की रोकथाम और भयमुक्त वातावरण के लिए 250 कालिका पेट्रोलिंग यूनिट के संचालन और 1 हजार कॉन्स्टेबल के पदों की स्वीकृति जारी की जा चुकी है। साथ ही, 65 एंटी रोमियो स्क्वायड का गठन किया गया है। मोबाइल एप 'महिला हेल्पलाइन नंबर 1090' जारी किया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से ही महिला अपराधों में कमी आई है।

बेढ़म ने कहा कि गत सरकार के कार्यकाल में 19 परीक्षा पेपरों में से 17 के पेपरलीक हुए थे। उन पर एसआईटी का गठन कर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने युवाओं से जीरो पेपरलीक का वादा किया था। राजस्थान लोक सेवा आयोग की 1 जनवरी 2024 से आज तक 146 परीक्षाएं बिना पेपरलीक कराई गई। अब एसआईटी द्वारा गत सरकार के दौरान हुई 43 परीक्षाओं की जांच की जा रही हैं, जिनमें 16 में पेपरलीक की घटनाएं सामने आई है और 27 में अन्य अनियमितताएं पाई गई हैं। एसआईटी द्वारा अभी तक 331 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है और जांच जारी है। साथ ही, उपनिरीक्षक एवं प्लाटून परीक्षा-2021 में 91 गिरफ्तारियां की जा चुकी हैं। इनमें कार्रवाई करते हुए 36 प्रशिक्षु उपनिरीक्षकों को बर्खास्त किया है।

गृह राज्य मंत्री ने बताया कि साइबर क्राइम पर ऑपरेशन एंटी वायरस तथा साइबर शील्ड के तहत प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। सरकार ने साइबर क्राइम के जरिए आमजन की गाढ़ी कमाई के पैसे पर डाका डालने वालों पर अभियान चलाकर सख्ती कार्रवाई की है। इसमें 255 मामलों में प्रकरण दर्ज कर 543 अपराधियों को गिरफ्तार किया जा गया है। वर्ष 2023 से 31 जनवरी 2025 तक साइबर अपराध की रोकथाम के लिए कुल 1 लाख 76 514 फर्जी मोबाइल नंबर एवं 1 लाख 35 हजार 372 मोबाइल आईएमईआई हैंडसेट ब्लॉक कराए गए।

जब आसन पैरो पर हो तब सदस्य मूवमेंट नहीं करेंगे : देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि जब आसन पैरों पर हो तब कोई भी सदस्य न तो बाहर से अन्दर आयेंगे और न ही अंदर से बाहर जायेंगे। जब आसन पैरों पर हो, तब सदन में सभी अपने सीटों पर बैठेंगे, मूवमेंट नहीं करेंगे। विधायक, आसन के बोलते वक्त अपनी सीटों से नहीं उठे और ना ही कोई बाहर से सदन में प्रवेश करें।

सोमवार को विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने सदन में व्यवस्था देते हुये विधायक से कहा कि सदन में प्रत्येक विधायक की बात को सुना जायें। जब विधायक सदन में अपनी बात रख रहे हो तब उन्हें टोका भी नहीं जायें। देवनानी ने कहा कि सभी विधायक भाषा में शालीनता का पूरा ध्यान रखें। किसी विधायक द्वारा सदन को संबोधित करते समय अन्य विधायक उनके सामने से ना निकलें। देवनानी ने कहा कि सदन की यह बहुत पुरानी परंपरा है। सदन में फोन पर बात करना प्रतिबंधित है। नाम पुकारने पर ही संबंधित सदस्य बोले। देवनानी ने कहा कि अनुदान मांगो पर संबंधित मंत्री और संबंधित अधिकारी का सदन में मौजूद रहना आवश्यक है।

भजनलाल सरकार के नेतृत्व में रीट और आरएएस भर्ती परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न : डॉ.सतीश पूनिया

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने रीट पात्रता परीक्षा 2025 के सफल आयोजन को लेकर

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ.सतीश पूनिया प्रेस से रूबरू हुए।

■ **'राजस्थान की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर गहलोत को दिया पाप का दंड'**

भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। डॉ पूनिया ने कहा कि रीट परीक्षा निर्विघ्न रूप से आयोजित करवाने पर प्रदेश की भाजपा सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का बहुत बहुत आभार और धन्यवाद। भाजपा सरकार ने प्रदेशभर में शांतिपूर्ण रूप से रीट परीक्षा करवाई। जबकि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के कार्यकाल में रीट का पेपर आउट हुआ था और प्रदेश के 70 लाख से अधिक युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया था। गहलोत के कार्यकाल में रीट ही नहीं, पटवारी भर्ती, कांस्टेबल भर्ती, जेईएन भर्ती, एसआई भर्ती, लाईब्रेरियन भर्ती, वनरक्षक सहित 19 परीक्षाओं के पेपरलीक हुए। इसका नतीजा यह हुआ कि गहलोत के पाप का दंड राजस्थान की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर करके दिया।

पूनिया ने कहा कि कांग्रेस राज में प्रदेश में अराजकता का माहौल हो गया था। पेपरलीक की गूंज देशभर में पहुंची और राजस्थान पेपरलीक के मामले में देशभर में बदनाम हुआ। इसके लिए गहलोत और कांग्रेस सरकार सीधे तौर पर दोषी थी, लेकिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने ना केवल रीट परीक्षा का सफल आयोजन करवाया, बल्कि आरएएस भर्ती परीक्षा भी शांतिपूर्ण संपन्न करवाई। इतना ही नहीं, कांग्रेस राज में भर्ती परीक्षाओं के दौरान प्रदेश में घंटों नेटबंदी की जाती रही, जिससे आमजन परेशान हुआ और करोड़ों रूपए का व्यापार भी प्रभावित हुआ, लेकिन भाजपा सरकार ने भर्ती परीक्षाओं के दौरान नेटबंदी पर रोक लगाई। कश्मीर में आतंकवाद जैसी घटनाओं को रोकने के लिए नेटबंदी करने पर कांग्रेसी नेताओं द्वारा मुद्दा बनाया जाता था, लेकिन बाद में इन्हीं कांग्रेसियों ने परीक्षाओं में नेटबंदी करना शुरू कर दिया था। भाजपा सरकार ने रीट और आरएएस भर्ती परीक्षा बिना नेटबंदी के शांतिपूर्ण संपन्न करवाई। ऐसे में भाजपा सरकार का अभिनंदन।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया ने कहा कि कांग्रेसी नेता अधिकांश तौर पर अपनी हार के लिए जिम्मेदार ईवीएम को बताते है, जबकि राजस्थान में कांग्रेस सरकार का सत्ता से बाहर जाने के 10 कारणों में से मुख्य कारण पेपरलीक रहा है। पेपरलीक को लेकर सदन में और सदन के बाहर भी व्यापक आंदोलन हुए, कांग्रेस सरकार के पास कोई जवाब नहीं होता था, कांग्रेसी नेताओं ने पुलिस का दमनचक्र भी चलाया, लाठी के दम पर आंदोलनों को दबाने का प्रयास किया।

छात्राओं ने विधानसभा को देखा

राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से सोमवार को यहां राजस्थान विधान सभा में कानोडिया पी.जी महिला महाविद्यालय की राजनीति विज्ञान विषय की स्नातकोत्तर की छात्राओं ने मुलाकात की। महाविद्यालय की छात्राओं ने सोमवार को राजस्थान विधान सभा के सदन में प्रश्नकाल की प्रक्रिया को देखा और सदन में विधायकों की चर्चा को सुना। महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. निमिषा गौड, संजू शर्मा और स्वाती ने छात्राओं के दल के साथ विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय को भी देखा।

अजय सिंह किलक ने नागौर एसपी पर आरोप लगाये

जयपुर। डेगाना विधायक और पूर्व मंत्री अजय सिंह किलक ने गृह विभाग की अनुदान मांगों पर नागौर एसपी और इलाके की पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए। किलक ने कहा कि मैं सदन में आरोप लगा रहा हूं कि नागौर एसपी मेरे से व्यक्तिगत दुर्भावना रखते हैं, मेरे कई कार्यकर्ताओं से भी दुर्भावना रखते हैं। थांवला क्षेत्र के लोगों ने मुझे बताया कि वहां पर थानेदार पैसा लेकर अवैध बजरी निकलवाता है। हर ट्रक से पांच हजार और ट्रैक्टर-ट्रॉली से भी मोटी रकम वसूलता है। इस संबंध में मैंने व्यक्तिगत रूप से नागौर एसपी को जानकारी दी कि वहां थानेदार पैसे लेकर अवैध बजरी खनन करवाता है। मैंने एसपी से बात की तो उनका जवाब था मैं खुद रिश्वत नहीं लेता, तो मैंने कहा मैं भी रिश्वत नहीं लेता हूं मैं भी वहां का विधायक हूं। किलक ने कहा कि थांवला के थानेदार की मुख्यमंत्री से शिकायत की, तब जाकर उसे हटाया।

■ **कहा, ''नागौर एसपी मेरे से व्यक्तिगत दुर्भावना रखते हैं, मेरे कई कार्यकर्ताओं से भी दुर्भावना रखते हैं।''**

जबकि नागौर एसपी ने उस थानेदार के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। सहायक वनपाल ने अवैध खनन करने वालों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज करवाई, तो उस थानेदार ने उससे ही बदतमीजी की।

शान्ति धारीवाल ने बहस के दौरान मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के फोन टैपिंग के आरोपों पर तंज कसा। धारीवाल ने कहा कि टेलीग्राफ एक्ट की क्या हालत की है आपने। एक मंत्री कह रहा है मेरा फोन टेप हो रहा है, दूसरा मंत्री कह रहा है नहीं हो रहा। दूसरी बार मंत्री ने फिर कहा कि अब भी हो रहा है, क्या तमाशा है?

खाद्य सुरक्षा सूची से हटाई 23 हजार से अधिक यूनिट्स

जयपुर। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र व्यक्ति के लिये खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने 'गिव अप' अभियान चलाया जा रहा है। विभाग ने इस अभियान को आगामी 31 मार्च तक संचालित करने का फैसला किया गया है। जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जयपुर में गिव अप अभियान का सफल संचालन किया जा रहा है। अभियान के तहत 2 मार्च तक 5 हजार 952 परिवार राशन कार्डों की 23 हजार 96 यूनिट्स को खाद्य सुरक्षा सूची से पृथक कर दिया गया है। वहीं, जयपुर में योजना के 244 अपात्र व्यक्तियों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि 31 मार्च तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की जायेगी। शास्ति की गणना 27 रुपये प्रति किलोग्राम के अनुसार खाद्य सुरक्षा सूची में नाम अंकित होने की तिथि से नाम हटाने की तिथि तक उप व्यक्ति द्वारा जितना खाद्यान्न प्राप्त किया गया है, अनुसार की जाकर मय ब्याज वसूली की जाएगी। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार ऐसे कार्मिकों की सूचियां तैयार की जा रही हैं एवं ऐसे कार्मिकों के संबंधित विभागों को वसूली की राशि कार्मिक के मासिक वेतन से कटौती करने हेतु लिखा जावेगा।

ऑपरेशन क्लीन स्वीप : पुलिस ने नशे के सौदागर पर कसा शिकंजा

जयपुर। सिंधी कैंप थाना पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इस ऑपरेशन को अंजाम देते हुए 400 ग्राम डोडा चूरा पाउडर और 125 ग्राम स्मैक के साथ एक तस्कर को धर दबोचा। फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम अमित कुमार ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सिंधी कैंप थाना पुलिस ने किशोर सिंह शेखावत निवासी सरदारशहर, जिला चूरू गिरफ्तार किया है।

रेलवे कर्मचारी कर रहा था पाकिस्तान के लिए जासूसी, गिरफ्तार

■ **रेलवे कर्मचारी लड़की से था संपर्क में, पुलिस जुटा रही आरोपी के बैंक खाते और फोन कॉल की डिटेल**

जयपुर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने पाकिस्तान की आईएसआई के लिए जासूसी करने वाले रेलवे कर्मचारी को गिरफ्तार किया है। राज्य विशेष शाखा जयपुर ने पाकिस्तानी गुप्तचर एजेंसियों द्वारा राज्य में की जाने वाली जासूसी गतिविधियों पर निगरानी रखने के दौरान इस कॉल को ट्रेस किया था। जिस के बाद कॉल पर काम करने के दौरान इंटेलिजेंस की टीम आरोपी तक पहुंच सकी। गिरफ्तार रेलवे कर्मचारी कई माह से निमी नाम की महिला के सम्पर्क में था और कई जानकारी साझा कर चुका था। जांच के दौरान इंटेलिजेंस की टीम को कई साक्ष्य आरोपी भवानी सिंह के खिलाफ मिलने पर उसे गिरफ्तार किया गया।

इंटेलिजेंस के अधिकारियों ने बताया कि बीकानेर जिले के सामरिक महत्व से अति संवेदनशील महाजन रेलवे स्टेशन क्षेत्र की निगरानी के दौरान टीम ने यहां पदस्थापित पॉइंटमैन भवानी सिंह को गिरफ्तार किया। भवानी सिंह की गतिविधियां संदिग्ध होने पर उस पर टीम ने निगरानी रखना शुरू किया,पुष्टि होने पर दो दिन पहले भवानी को डिटेन कर जयपुर लाया गया जहां पर पूछताछ में कई जानकारी सामने आई। पूछताछ के बाद सोमवार को उसे गिरफ्तार किया गया।

महाजन फील्ड फायरिंग रेंज भारतीय सेना का अत्यंत संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इस क्षेत्र में सैन्यकर्मियों एवं सेना के सभी प्रकार के सामान का आवागमन महाजन रेलवे स्टेशन के माध्यम से ही होता है। भवानी सिंह ने युवती के फेर में फंस कर हनीट्रैप का शिकार हुआ साथ ही उस ने धन के लोभ में आकर सोशल मीडिया के माध्यम से पाक महिला एजेंट के संपर्क में रह कर महाजन रेलवे स्टेशन पर सेना की होने वाली सभी गतिविधियों की संवेदनशील एवं गोपनीय सूचना निरंतर देता रहा। इन सभी प्रकार की जानकारी देने की एवज में भवानी सिंह ने आईएसआई से पैसा ले रहा था।

रैपिड एक्शन फोर्स ने निकाला फ्लैग मार्च

जयपुर। जयपुर में रमजान माह व आगामी त्योहारों को देखते हुए किसी अप्रिय घटनाओं से निपटने के लिए पुलिस थाना रामगंज इलाका थाना क्षेत्र में केंद्रीय पुलिस बल सीआरपीएफ की यूनिट रैपिड एक्शन फोर्स की सी 83 बटालियन की कम्पनी के साथ फ्लैग मार्च निकाला गया।पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर राशि डोगरा डूडी ने बताया कि रमजान माह व आगामी त्योहारों के मध्यनजर केन्द्रीय पुलिस बल सीआरपीएफ की यूनिट रैपिड एक्शन फोर्स की सी 83 बटालियन की कम्पनी के साथ सोमवार को पुलिस थाना रामगंज, गलता गेट, सुभाष चौक में संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में परिचित अभ्यास किया।

सार-समाचार

रविकाश ने अमृतसर में शुरू की दो नई शाखाएं

जयपुर। रविकाश फाइनेंशियल ने अपने विस्तार अभियान के तहत 3 मार्च को पंजाब के अमृतसर में अपनी 26वीं और 27वीं शाखा एक साथ खोली। एक शाखा रणजीत एवेन्यू में और दूसरी मैन बाजार, नवी सड़क में शुरू की है। यह कदम कंपनी की पंजाब में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। रविकाश फाइनेंशियल के निदेशक विकास ओझा और रवि ढींगरा ने नवीन शाखाओं का शुभारम्भ करते हुए कहा, ''हमारी कंपनी की नींव ईमानदारी, पारदर्शिता और नैतिकता पर आधारित है।'' उन्होंने आगे कहा कि कंपनी के दो मुख्य लक्ष्य हैं: कंपनी के साथ जुड़े ऋण वितरकों को समय पर पैसा देना और पूरा पैसा देना। ओझा और ढींगरा ने कहा, ''हमारा लक्ष्य धीरे-धीरे पूरे भारत में अपनी उपस्थिति दर्ज करना है।'' कंपनी का मिशन अपने ग्राहकों को विश्वसनीय और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करना है।

डॉ. कमलेश शर्मा सम्मानित

जयपुर। बाघ संरक्षण क्षेत्र में कार्यरत रणथंभौर की विश्व प्रसिद्ध संस्थाटाइगर वॉच की ओर से वन्यजीव संरक्षण के लिए प्रतिवर्ष दिए जाने वाले प्रतिष्ठित श्री फतेहसिंह राठौड़ स्मृति वन्यजीव संरक्षण पुरस्कारों के तहत पर्यावरणीय विषयों पर लेखन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी के माध्यम से पर्यावरण व वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में जनजागरूकता पैदा करने के लिए पुलिस मुख्यालय में कार्यरत सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर व लेखक डॉ. कमलेश शर्मा को पीपल एंड नेचर'' सर्विसेज टू वाइल्डलाइफ अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

आईआईएस ग्रुप के संस्थापक डॉ अशोक गुप्ता का निधन

जयपुर। आईआईएस ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस के संस्थापक और आईआईएस यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ अशोक गुप्ता का असामयिक निधन आज सुबह हो गया है। उनके निधन से राजस्थान के शैक्षिणक जगत में गहरा शोक है। स्कूल शिक्षक के तौर पर अपनी शिक्षण यात्रा शुरू कर श्रेष्ठ संस्थाओं की स्थापना करने वाले डॉ गुप्ता 77 वर्ष के थे। उनके द्वारा स्थापित आईआईएस स्कूल, प्ले हाउस, आईसीजी-आईआईएस डीम्ड यूनिवर्सिटी और आईएसआईएम संस्थान, देश भर में गुणवत्ता के लिए पहचाने जाते हैं। आईआईएस शैक्षिणक ग्रुप के एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी और कंपनी सेक्रेटरी राजीव सोगानी ने बताया कि श्रद्धांजलि स्वरूप, इन शैक्षिणक संस्थाओं में दो दिन 4 और 5 मार्च को शैक्षणिक कार्य स्थगित रहेंगे।

प्रो.प्रमोद येवले कुलपति नियुक्त

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे ने आदेश जारी कर प्रो. (डॉ.) प्रमोद येवले को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के कुलपति पद पर नियुक्त किया है। श्री बागडे ने चयन समिति की सिफारिश पर एवं राज्य सरकार के परामर्श से यह आदेश जारी किया है। बागडे ने कुलपति पद पर यह नियुक्ति प्रो. प्रमोद येवले के कार्यभार संभालने की तिथि से 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक इनमें से जो भी पहले के लिए की है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

जयपुर। गलता गेट थाना इलाके में एक विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि आत्महत्या के समय पति दोस्त के घर गया था और दोनों बेटियां कमरे में सो रही थी। पुलिस ने एसएमएस अस्पताल में पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतका के पिता ने एक युवक के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एएसआई बलवीर सिंह ने बताया कि गलता गेट के ईदगाह की रहने वाली कल्पना (34) पत्नी मोहम्मद साइन ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या की है। वह अपने पति और 9 साल व 4 साल की दो बेटियों के साथ यहां रहती थी। उसकी सबसे बड़ी 14 साल की बेटी अपने ननिहाल में रहती है। घटनाक्रम के मुताबिक पति मोहम्मद साइन अपने दोस्त के घर गया हुआ था और कल्पना अपनी दोनों बेटियों के साथ कमरे में सो रही थी। देर रात फंदा लगाकर कल्पना ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। रात करीब 1.30 बजे बड़ी बेटी के उठने पर कल्पना फंदे से लटकी मिली। दोस्त के घर सोए पिता मोहम्मद साइन को बेटी ने कॉल किया। कॉल नहीं उठाने पर पिता के दोस्त के मोबाइल पर कॉल किया। कॉल उठाने पर बेटी ने बताया कि कमरे में मम्मी फंदे से लटकी हुई है। बेटी की सूचना पर अपने दोस्त के साथ पिता घर पहुंचा। पुलिस भी सूचना पर मौके पर पहुंची। पुलिस ने सबूत जुटाकर पोस्टमॉर्टम के लिए शव को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी में भिजवाया। पुलिस को मृतका के पास किसी प्रकार का सुसाइड नोट नहीं मिला। गलता गेट थाने में मृतका के पिता मोहम्मद सफीक ने आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करवाया है।

आरोप है कि शरीफुल नाम का लड़का बेटी कल्पना को धमकाता था। जिसके कारण ही कल्पना ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली।

देवनानी ने शिक्षाविद् अशोक गुप्ता के निधन पर जताया शोक

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शिक्षाविद् अशोक गुप्ता के निधन पर गहरा दु:ख जताया है। देवनानी ने कहा कि स्व. गुप्ता ने महिला शिक्षा को नये आयाम दिये। शिक्षा में दिये गये स्व. गुप्ता के योगदान को प्रदेश में सदैव याद रखा जाएगा। देवनानी ने कहा कि स्व. गुप्ता ने निजी क्षेत्र में शिक्षा को विस्तार देने का महत्वपूर्ण कार्य किया। देवनानी ने कहा कि स्व. अशोक गुप्ता सिर्फ एक शिक्षाविद् ही नहीं थे, वे शिक्षा के प्रबुद्ध विचारक थे। उन्होंने आई.आई.एस विश्वविद्यालय और स्कूल की स्थापना कर शिक्षा को किताबी ज्ञान से आगे ले जाकर व्यावहारिकता, अनुशासन और नवाचार का संगम बनाया।

दवाइयों के दुरूपयोग पर सख्त कदम उठाएगी सरकार : खींवसर

जयपुर (विस.)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में दवाइयों और ड्रग्स के दुरुपयोग की जांच कर सख्त कदम उठाएगी।

खींवसर ने शून्यकाल में विधायक गुरवीर सिंह के ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से उठाए गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि गंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर के कई क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में उपचार के लिए उपलब्ध आवश्यक दवाईयों और ड्रग्स का दुरूपयोग कई युवाओं द्वारा नशे के लिए हो रहा है। इस क्षेत्र में बिकने वाले नौ ड्रग्स को सरकार ने बैन भी किया हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इस गंभीर विषय पर जांच कर कठोर कदम उठाएगी।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सक्रियता के साथ दवाईयों और ड्रग्स के दुरूपयोग के संबंध में एक जनवरी से तीन दिसंबर 2024 तक 23 हजार 247 जांच कराई गई है, 565 लाइसेंस रद्द किए गए है तथा कई दोषी लोगों को निलंबित कर हिदायत भी दी गई है।

साथ ही राज्य सरकार आवश्यक दवाओं की मांग व आपूर्ति की पारदर्शिता के लिए एक पोर्टल बनाने का भी प्रयत्न कर रही है। उन्होंने बताया कि विभाग अपने दायरे में आने वाले सभी क्षेत्रों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करेगा।

सिटीज 2.0 में जयपुर और उदयपुर का चयन

जयपुर। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा सिटी इन्वेस्टमेंट टू इन्नोवेट इंटीग्रेटेड एंड सस्टेन चैलेंज (सिटीज 2.0) कार्यक्रम के अन्तर्गत 100 स्मार्ट सिटीज में से जयपुर तथा उदयपुर सहित 18 शहरों का चयन किया गया है, जिसके अंतर्गत जयपुर तथा उदयपुर शहर में एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन हेतु परियोजना स्वीकृत की गई है। योजना के अंतर्गत स्वीकृत राशि का 80 फीसदी अनुदान एएफ डी, केएफडब्ल्यू, एंड ई यू के माध्यम से ऋण स्वरूप उपलब्ध कराया जाएगा। अनुदान का 50 फीसदी केंद्र सरकार तथा 50 फीसदी राज्य सरकार द्वारा ब्याज सहित चुकाया जाना है। परियोजना की शेष लागत 20 फीसदी राशि राज्य सरकार अथवा यूएलबी अथवा स्मार्ट सिटी द्वारा वहन की जाएगी। जयपुर स्मार्ट सिटी तथा उदयपुर स्मार्ट सिटी द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से शहर को और अधिक साफ सुथरा बनाने हेतु पर्यावरण उन्मुख अपशिष्ट प्रबंधन कार्यों पर ध्यान देते हुए सर्कुलर अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जाएगा।

आईआईटी बाबा को जयपुर पुलिस ने होटल से पकड़ा

जयपुर। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सोशल मीडिया पर वायरल हुए आईआईटी बाबा अभय सिंह को जयपुर पुलिस ने हिरासत में लिया है। शिप्रापथ थाना पुलिस ने एक होटल से बाबा को हिरासत में लिया और फिर बाद में जमानत मुचलके पर छोड़ भी दिया गया। बाबा के पास गांजा भी बरामद किया गया है। बाबा पर एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि पुलिस को कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि रिद्धि सिद्धि पार्क क्लासिक होटल में अभय सिंह नाम का युवक सुसाइड का प्रयास कर रहा है। जिसके चलते पुलिस होटल पहुंची। यहां आईआईटी बाबा अभय सिंह मिला। सिंह ने पुलिस को बताया कि वह गांजे के नशे में था। इस दौरान उसने नशे में कोई सूचना दी हो तो उसे इसकी जानकारी नहीं हैं। पुलिस को तलाशी में बाबा के पास दो ग्राम गांजा भी बरामद किया गया। पुलिस ने थाने में लाकर सिंह को जमानत मुचलके पर छोड़ दिया गया। पुलिस ने बताया कि बाबा के पास दो ग्राम गांजा ही बरामद हुआ था।

थानाधिकारी राजेंद्र गोदारा ने बताया कि अभय सिंह के कब्जे से मिला गांजा की मात्रा कम होने के कारण जमानत पर रिहा कर दिया। अभय सिंह के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

पड़ोसी युवक ने दो बहनों का बनाया अश्लील विडियो

जयपुर। सांगानेर थाना इलाके में पड़ोसी युवक ने दो बहनों का अश्लील विडियो बनाने का मामला सामने आया है।पुलिस के अनुसार सांगानेर निवासी एक महिला ने मामला दर्ज कराया कि उसके पड़ोस में रहने वाले गौरव ने उसका और उसकी बहन का नहाते समय वीडियो बना लिया। आरोपी अब दोनों बहनों को ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहा है। मामला एक मार्च का बताया जा रहा है।

बिजयनगर ब्लैकमेल कांड : आरोपियों के साथ पेशी के दौरान वकीलों ने मारपीट की

मामले में अभी तक पुलिस ने 10 आरोपियों को गिरफ्तार व तीन नाबालिगों को निरुद्ध किया है

अजमेर, (कासं)। ब्यावर जिले के बिजयनगर में नाबालिग छात्राओं से रैप व ब्लैकमेल कांड के मुखिया पूर्व पार्षद हाकिम कुरेशी को सोमवार को लंबे समय के रिमांड के बाद अजमेर की कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान अजमेर कोर्ट में वकीलों ने कुरेशी की पिटाई कर दी, जिसके बाद पुलिस ने बीच बचाव करते हुए कुरेशी को कोर्ट से पुलिस वेन में लेकर रवाना हुई। इससे पहले भी इस मामले में अजमेर के वकीलों ने पिटाई की थी। सरकारी वकील रूपेंद्र सिंह परिहार ने सोमवार को रिमांड के बाद हाकिम कुरैशी को अदालत में पेश किया था। कुरैशी को कोर्ट ने 11 मार्च तक जेल भेज दिया। इस मामले में अभी तक पुलिस ने 10 आरोपियों गिरफ्तार व तीन नाबालिकों को निरुद्ध किया है।

ब्यावर जिले के बिजयनगर ब्लैकमेल कांड मामले में पुलिस ने सोमवार को पूर्व पार्षद हाकिम कुरेशी रिमांड अवधि समाप्त होने पर अजमेर की पॉस्को कोर्ट में पेश किया।

- **सोमवार को अजमेर जिले का श्रीनगर कस्बा पूरी तरह बंद रहा, व्यापारियों ने समर्थन दिया**

सरकारी वकील रूपेंद्र परिहार ने बताया कि आरोपियों का सहयोग करने वाले पूर्व पार्षद हाकिम कुरेशी को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने दो बार उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया था, सोमवार को रिमांड अवधि समाप्त होने पर पॉक्सो कोर्ट में पेश किया गया। जहां उन्हे 11 मार्च तक न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए गए।

गौरतलब है कि प्रकरण में अन्य आरोपी सोहेल, रेहान, श्रवण जाट, करीम, आशिक, लुकमान, अफराज, पूर्व पार्षद हाकिम कुरैशी, जावेद, कैफे संचालक सांवरमल न्यायिक अभिरक्षा में हैं, साथ ही मामले में 3 नाबालिगों को बाल सुधार गृह में भेजा गया है। वहीं ब्लैकमेल कांड को लेकर सकल हिंदू समाज में आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। सोमवार को अजमेर जिले का श्रीनगर कस्बा पूरी तरह बंद रहा, व्यापारियों ने दुकानें बंद का समर्थन करते हुए प्रतिष्ठान बंद रखे। बंद के दौरान स्कूल, मेडिकल शॉप, बस सहित अन्य सेवा बहाल रही। ग्रामीणों ने रैली निकाल कर आरोपियों को फांसी दिए जाने और सीबीआई जांच की मांग की।

वन अधिकारी की हत्या पर श्रीगंगानगर में आक्रोश फैला

आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने और परिजनों को मुआवजा देने की मांग

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में राजस्थान वन अधीनस्थ कर्मचारी संघ और रेंजर एसोसिएशन ने स्थानीय प्रशासन को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में 24 फरवरी को राजसमंद जिले में खनन माफिया के द्वारा क्षेत्रीय वन अधिकारी किशोर कुमार की हत्या करने के मामले में आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है। इसके साथ ही मृतक क्षेत्रीय वन अधिकारी किशोर कुमार को शहीद का दर्जा देने के साथ ही परिजनों को एक करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान करने की मांग की गई है।

राजीव बिश्नोई ने बताया कि 24 फरवरी को राजसमंद जिले के बिजा गुड़ा में वन भूमि पर अवैध खनन को रोकने के दौरान खनन माफिया द्वारा क्षेत्रीय वन अधिकारी किशोर कुमार और वन रक्षक विष्णु कुमार पर ट्रैक्टर से हमला किया गया। इस हमले में किशोर कुमार की मौत हो गई, जबकि विष्णु कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रेम प्रकाश शुक्ला ने कहा कि यह घटना वन विभाग के कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। अवैध खनन और अतिक्रमण के मामलों में बढ़ती घटनाओं के बावजूद वन विभाग के पास पर्याप्त संसाधन और स्टाफ की कमी है, जिससे कर्मचारियों की सुरक्षा खतरे में है। इस सिलसिले में राज्य सरकार से मांग की गई है कि इस मामले में तुरंत और कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही मृतक किशोर कुमार को शहीद का दर्जा दिया जाए और उनके परिवार को एक करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता दी जाए। इसके अलावा घायल वन रक्षक विष्णु कुमार को उनके साहसिक कार्य के लिए गैलेंट्री पदोन्नति दी जाए और राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाए। इसके साथ ही राज्य के प्रत्येक वन रेंज में पर्याप्त वाहन और स्टाफ की व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से निपटा जा सके।

सीएम के नाम दिए गए ज्ञापन में यह भी बताया कि वन विभाग के कर्मचारियों को प्रशिक्षण के बावजूद आवश्यक हथियारों की अनुपलब्धता और सीमित स्टाफ की स्थिति में कार्य करना पड़ता है, जिससे उनकी सुरक्षा पर लगातार खतरा मंडराता है। इस मामले में राज्य सरकार से अपील की गई है कि क्षेत्रीय वन अधिकारियों को केंद्र सरकार के मानकों और अन्य राज्यों की तरह सभी आवश्यक सुविधाएं और शक्तियां प्रदान की जाएं, ताकि अवैध खनन और अतिक्रमण के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की जा सके। सभी कर्मियों ने राज्य सरकार से तुरंत कदम उठाने की मांग की है।

मनचलों को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने चेतावनी दी

'तीन दिन में लड़कियां वापस नहीं आई तो बुलडोजर ही नहीं, सब कुछ तहस-नहस कर दिया जाएगा'

कोटा, (निसं)। शिक्षा और पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर बीते दिनों रामगंजमंडी के दौरे पर आए थे। यहां पर आम लोगों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने बजट में घोषणाओं को लेकर उनका स्वागत किया। स्वागत के दौरान सुकेत कस्बे में कुछ परिजनों ने आकर शिकायत की कि उनकी लड़कियों को कोई बहला फुसलाकर ले गया है लेकिन पुलिस दस्तयाब नहीं कर पाई है। यह सुनकर मंत्री दिलावर ने पुलिस अधिकारियों से सवाल-जवाब शुरू कर दिए। उन्होंने बदमाशों को चेतावनी दे डाली कि लड़कियां तीन दिन में वापस नहीं आई तो इस आपराधिक कृत्य में शामिल बदमाशों के घरों पर बुलडोजर ही नहीं चलाया जाएगा बल्कि उनका सब कुछ तहस-नहस कर दिया जाएगा।

- **शिक्षा और पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने गत दिनों रामगंजमंडी में जनसुनवाई के दौरान चेतावनी दी**

दिलावर ने सभा के दौरान ही माईक पर ही चेतावनी देते हुए कहा कि मैं सब गुंडों से कह रहा हूं, लड़कियां लेकर भाग गए, यदि लड़कियों को दो-तीन दिन में नहीं छोड़ा गया तो मेरे से बुरा कोई भी नहीं होगा। बुलडोजर ही नहीं, जो भी चलाना होगा, वह चला दूंगा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी और फोन पर डीएसपी रामगंजमंडी को कहा कि सारा काम छोड़कर इन लड़कियों को दस्तयाब करें। दिलावर ने इस दौरान मौके पर मौजूद सुकेत थाना अधिकारी छोटू सिंह से पूछा कि कितनी बालिकाएं गायब है, तब उन्होंने कहा कि तीन लड़कियां गायब है। इस बातचीत के दौरान ही छोटू सिंह ने यह भी कहा कि उन्हें कुछ समय चाहिए। अभी मोबाइल लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है। इनके संबंध में फिलहाल कोई इनपुट नहीं मिल रहा है। टीम कार्रवाई करने में जुटी हुई है। हमें कुछ समय चाहिए उच्च अधिकारियों को इस संबंध में सूचना दे दी है।

इस दौरान दिलावर ने माईक पर ही रामगंजमंडी के डीएसपी घनश्याम मीणा को भी कई बार पुकारा लेकिन वह कार्यक्रम स्थल से चले गए थे। इसके बाद उनसे फोन पर भी बात की और उन्हें भी निर्देश दिए कि टीम बढ़ाकर बालिकाओं को एक सप्ताह के भीतर दस्तयाब किया जाए। सुकेत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुकेत इलाके से लापता हुई एक लड़की को दस्तयाब किया है।

पुलिस उपअधीक्षक घनश्याम मीणा ने बताया कि 26 फरवरी को फरियादी ने सुकेत थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 20 वर्षीय बालिका घर से पार्लर पर जाने के लिए निकली थी लेकिन वापस नहीं आई जो दिमाग से कमजोर है। डिप्टी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर युवती के गुमशुदा की रिपोर्ट दर्ज की और युवती की तलाश के लिए टीम गठित की गई। डिप्टी ने बताया कि गठित टीम ने तकनीकी आधार व मुखबीर की सूचना मिली कि लापता युवती को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज कुंभ मेले में देखा गया। सूचना पर टीम को रवाना किया गया और टीम ने कार्रवाई करते हुए लापता युवती को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज कुंभ मेले से डिटेन कर दस्तयाब कर सुकेत लाकर परिजनों को सुपुर्द किया।

तोड़फोड़ और फायरिंग करने के मामले में रिपोर्ट मांगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। महियाँवाली में 1 फरवरी को इन्द्राज खान के घर पर जानलेवा हमले, तोड़फोड़ और फायरिंग के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने नोटिस में पुलिस अधीक्षक से 4 सप्ताह के भीतर कार्यवाही रिपोर्ट आयोग के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश जारी किया है।

पीड़ित ने बताया कि उक्त घटना के बाद चुनावट पुलिस लगातार केस को झूठा साबित करने और मामले को रफा-दफा करने में लगी है। मैंने यह विषय पुलिस महानिदेशक और आईजी बीकानेर को भी अवगत कराया है। घटना के बाद से पूरा परिवार पुलिस निष्क्रियता के चलते भयभीत है। हमने पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर से भी सुरक्षा की मांग की है और उनसे मिलकर भी आये हैं। मामले में रजत, प्रिंस, युवराज, सबीर उर्फ़ मोनू, सीमा देवी और अमन पत्नी अमन सोनी मुख्य आरोपी है।

पीड़ित ने बताया कि पुलिस अभी तक मामले में दो महिला अभियुक्तों सीमा देवी और अमन पत्नी अमन सोनी को नहीं पकड़ रही हैं जो कि पूरी घटना के मास्टरमाइंड हैं। सभी अभियुक्तों को राजनितिक संरक्षण प्राप्त हैं। अमन सोनी और सीमा देवी को अभी तक पुलिस ने पूछताछ के लिए भी नहीं बुलाया हैं। पीड़ित इन्द्राज खान ने 18 फ़रवरी को आयोग के सदस्य प्रियांक कानूनगो को पत्र लिखकर पुलिस की निष्क्रियता और अपराधियों को दिए जा रहे संरक्षण का मामला अवगत करवाया था जिस पर आयोग ने केस दर्ज कर श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक को चार सप्ताह में करवाई रिपोर्ट भेजने के लिए निर्देश दिया हैं। यहां तक कि पुलिस एफआईआर में अभियुक्त अमन पत्नी अमन सोनी का नाम हैं, लेकिन उसने अपनी राजनीतिक पहुँच के चलते अपनी जगह अपने पति को जेल भिजवा दिया जबकि घटना में वह खुद शामिल थी। दोनों को नाम एक जैसा होने का फायदा उठाकर, चुनावट पुलिस अमन के साथ मिलकर उसका नाम हटाने में हैं, जबकि वह और सीमा देवी घटना की मास्टरमाइंड हैं जो अभी तक गिरफ्तार नहीं हुई है। अपराधियों ने यहाँ तक कि अपने सोशल मीडिया पर चुनावट पुलिस के साथ बैठे नज़र आ रहे हैं, और धमकी भरे गानों का इस्तेमाल कर रहे है। पीड़ित के अनुसार मैंने यह अभियुक्तों के रील्स और सोशल मीडिया पोस्ट्स् आईजी को भी भिजवाए थे और पुलिस द्वारा उनको संरक्षण दिए जाने का मामला उनके समक्ष रखा था।

मामला मीडिया में आने के बाद और पुलिस महानिदेशक को शिकायत के बाद पुलिस ने 18 फ़रवरी को अभियुक्त रजत उर्फ़ डॉलर और अमन सोनी (अभियुक्त अमन का पति) को गिरफ्तार कर जेल भेजा लेकिन पुलिस ने मिली-भगत से एक जैसा नाम होने का फायदा उठाकर मुख्य आरोपी अमन की जगह उसके पति अमन सोनी को अभियुक्त बनाकर जेल भेज दिया जिनको कोर्ट द्वारा 24 फ़रवरी को जमानत दे दी गई।

बरामद किए कंकाल की पहचान हुई

पिता ने कपड़ों के टुकड़ों के आधार पर पहचान की थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। चूनावढ़ पुलिस द्वारा 24 एमएल रोही से बरामद किए गए कंकाल की दो मार्च को पहचान हो गई है। यह अबोहर की ऋषि कॉलोनी की गली नंबर एक निवासी 26 वर्षीय वंदना अरोड़ा पुत्री हरिकिशन अरोड़ा का शव था। वंदना के पिता ने जिला अस्पताल की मोर्चरी में अपनी बेटी के क्षत-विक्षत कंकाल के शेष बचे पहने कपड़ों के टुकड़ों के आधार पर पहचान की थी।

जानकारी के अनुसार वंदना 22 फरवरी से लापता थी। उसने अपनी ढाई साल की बेटी को साथ लेकर बीकानेर कैनाल में छलांग लगाकर आत्महत्या की थी। वंदना के पिता की ओर से 26 फरवरी को अबोहर सिटी वन थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। इसकी जांच एएसआई भुपेंद्रसिंह कर रहे थे।

चूनावढ़ थाना के हैड कांस्टेबल उदयभान शर्मा ने बताया कि वंदना के पिता हरिकिशन अरोड़ा तथा अबोहर सिटी वन के एएसआई भुपेंद्रसिंह जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने हमारे सामने वंदना के शव की शिनाख्त की। इसके बाद एएसआई भुपेंद्रसिंह ने शव की सुपुर्दी के लिए चूनावढ़ पुलिस के नाम पत्र लिखकर शव अपने कब्जे ले लिया और एंबुलेंस की मदद से अबोहर के सरकारी अस्पताल ले गए। वहां पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाया है। वंदना के पिता की ओर से अब उसके पति पर आत्महत्या दुष्प्रेरण का मुकदमा दर्ज करवाया है। चूनावढ़ पुलिस ने यह क्षत-विक्षत शव पानी में बहकर आए को 24 एमएल की रोही में नहर के अंदर से किसान की सूचना पर बरामद किया था। इसकी पहचान को खबरें प्रकाशित करवाई थी। इसके साथ ही पंजाब और गंगनहर के आसपास के थानों को सूचना ई-मेल से भिजवाई गई थी ताकि इसकी पहचान हो सके।

तेल-घी विक्रेता की फर्म पर दबिश

कोटा, (निसं)। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य गायत्री राठौर एवं आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण एच गुइटे के मार्गदर्शन व जिला कलेक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी कोटा के निर्देशन में एवं अभिहित अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नरेंद्र नागर के नेतृत्व में खाद सुरक्षा दल द्वारा मिल रही सूचनाओं के आधार पर सोमवार को खाद्य सुरक्षा दल द्वारा गांधी चौक स्थित एक तेल-घी विक्रेता फर्म के यहां से जेएमडी सरस घी 16 कार्टन में रखा 240 लीटर, तीन टीन में रखा 45 लीटर मधुसूदन घी, 8 टिन में रखा 120 लीटर गोकुल मूंगफली तेल, लाईफ ओके सरसों तेल के नमूने लेकर शक के आधार पर सीज किया गया।

इस समय मूंगफली तेल का बाजार भाव 2700-2800 प्रति 15 किलो टीन है, जबकि यह तेल 2100 प्रति टीन/पीपा बाजार में बेचा जा रहा था। साथ ही विभिन्न ब्रांड का घी बाजार में 500 रु प्रति लीटर से उपर का भाव है और जेएमडी सरस 355 रु प्रति लीटर के भाव से बेचा जा रहा था। उक्त फर्म से तेल-घी के 7 नमूने लिए। टीम ने कोटा में लैंडमार्क में विभिन्न होस्टल व मैस का निरिक्षण करते हुए विभिन्न खाद्य पदार्थों के 15 नमूने लिए।

फर्जी दस्तावेज बनाने के मामले में आईएएस अधिकारी को कोर्ट ने तलब किया

ब्यावर, (निसं)। आवासीय क्षेत्र में वाणिज्यिक गतिविधियां संचालित किये जाने के मामले में फर्जी दस्तावेज बनाकर उस पर फर्जी हस्ताक्षर के एक मामले में ब्यावर कोर्ट ने आईएएस अधिकारी मृदुल सिंह व अन्य को तलब किया है।

तेजा चौक तम्बाकू गली ब्यावर निवासी कन्हैयालाल साहू के एक मामले में उसके पड़ौसी रमेश कुमार सोनी द्वारा नगर परिषद ब्यावर से आवासीय जायदाद की निर्माण स्वीकृति लेकर उसमें वाणिज्यिक गतिविधियां संचालित कर ली थी, जिसे लेकर कन्हैयालाल साहू ने सूचना के अधिकार कानून 2005 के तहत नगर परिषद ब्यावर से उक्त निर्माण के संबंध में जानकारियां चाही थी जिस पर सूचना नहीं मिलने पर कन्हैयालाल साहू को राजस्थान राज्य सूचना आयोग जयपुर में द्वितीय अपील करनी पड़ी, जिस पर आयोग द्वारा नगर परिषद ब्यावर को आदेश देते हुए 15 दिवस में निःशुल्क सूचना देने के आदेश दिये थे। तत्समय तत्कालीन नगर परिषद आयुक्त आईएएस मृदुल सिंह थे जो कि लोक सूचना अधिकारी के पद पर कार्यरत थे, लेकिन नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अवैध निर्माणकर्ता रमेश कुमार सोनी व अन्य के साथ मिलीभगत कर राजस्थान राज्य सूचना आयोग जयपुर के आदेश पर सूचना देने से बचने के उद्देश्य से नगर परिषद ब्यावर में ही कन्हैयालाल साहू के नाम से न केवल जाली व कूटरचित संतुष्टि पत्र बना डाला, बल्कि उक्त कूटरचित दस्तावेज पर कन्हैयालाल साहू के फर्जी हस्ताक्षर तक कर दिये व उक्त कूटरचित संतुष्टि पत्र को असली बताते हुए राजस्थान राज्य सूचना आयोग जयपुर को भिजवा दिया।

उक्त फर्जीकारिता व कूटरचना की जानकारी होते ही कन्हैयालाल साहू ने तुरन्त इसकी जानकारी तत्कालीन नगर परिषद आयुक्त आईएएस मृदुल सिंह को व्यक्तिगत उपस्थित होकर लिखित में दी लेकिन मृदुल सिंह ने कोई कार्यवाही नहीं की जिस पर परिवादी ने जिला कलेक्टर ब्यावर व निदेशक स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान सरकार जयपुर को भी लिखित शिकायत दी, लेकिन उन्होंने भी अपने अधिकारियों को व अन्य दोषीयों को बचाने के उद्देश्य से जानबूझकर कोई कार्यवाही नहीं की। जिस पर मजबूर होकर पीड़ित कन्हैयालाल साहू ने अपने अधिवक्ता नीलेश बुरड़ के मार्फत दोषियों के विरूद्ध ब्यावर कोर्ट में इस्तागासा पेश किया जिसमें परिवादी कन्हैयालाल साहू ने कोर्ट में अपने बयान दर्ज भी करवाये, जिसके बाद कोर्ट ने उक्त प्रकरण की सुनवाई करते हुए गंभीर मामला बनना पाया व सभी दोषियों मृदुल सिंह (आई.ए.एस.), तत्कालीन आयुक्त, नगर परिषद, रमेश कुमार सोनी पुत्र सुखदेव सोनी, तैजा चौक तम्बाकू गली, दीपक सोनी पुत्र रमेश कुमार सोनी, तैजा चौक, तम्बाकू गली, महेश सोनी पुत्र रमेश कुमार सोनी, तैजा चैक, तम्बाकू गली, मनीष सोनी पुत्र रमेश कुमार सोनी, तेजा चौक, तम्बाकू गली, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से इस अपराध में शामिल नगर परिषद ब्यावर के अधिकारी एवं कर्मचारियों को नोटिस जारी कर नौ अप्रेल को कोर्ट में तलब किया है।

हमले में एक घायल

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ क्षेत्र में संगम इंडिया लिमिटेड, डेनिम के मैनेजर संजय व्यास पर सोमवार सुबह बीएसएल गेट के पास एक दर्जन से ज्यादा लोगों ने कातिलाना हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल व्यास को उपचार के लिए शहर के निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार संजय व्यास संगम इंडिया लिमिटेड, डेनिम यूनिट, बीलियाकलां में मैनेजर के पद पर कार्यरत है। व्यास सोमवार सुबह अपने घर से ऑफिस जा रहे थे। इस दौरान उनकी कार को बीएसएल गेट के नजदीक देवनारायण मंदिर के सामने ब्रेकर पर बाबू गुर्जर, बृजेश गुर्जर, गोपाल गुर्जर व कमलेश गुर्जर सहित 10-15 लोगों ने रोक और गाली-गलौच करते हुए लोहे के पाइप व सरियों से व्यास पर कातिलाना हमला कर दिया। हमले में उनके दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई और वे लहूलुहान हो गये।

पूर्व पदाधिकारी पर दो करोड़ का गबन करने का आरोप

अजमेर, (कासं)। जनाना अस्पताल के पास श्री वाटिका अपार्टमेंट से संबंधित करीब दो करोड़ की राशि गबन करने का आरोप सोसायटी के पूर्व पदाधिकारी मनोज गुर्जर पर लगाया है। आरोप है कि मनोज गुर्जर ने सोसायटी की महिला उपाध्यक्ष और उसके पति के साथ रविवार को मारपीट की। महिला नेहरू अस्पताल के आईसीयू वार्ड में भर्ती है, जबकि आरोपित के खिलाफ क्रिश्चनगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया है।

- **जनाना अस्पताल के पास श्री वाटिका अपार्टमेंट से संबंधित करीब दो करोड़ की राशि गबन का आरोप**

इस संबध में पुलिस को घटना की रिपोर्ट देने वाले अमन शर्मा पुत्र अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि श्री वाटिका सोसायटी में फ्लैट है जो सोसायटी ने जरूरतमंदों को आवंटित किए हैं। इस सोसायटी के माध्यम से पूरे अपार्टमेन्ट में करीब साढे चार सौ फ्लेट बने हुए है। अमन कुमार का आरोप है कि पूर्व में मनोज गुर्जर सोसायटी का काम देखता था। इस बीच उसने फर्जी दस्तावेज लगाकर सोसायटी की सवा करोड़ रूपए की एफडी तुड़वाकर अपने उपयोग में ले ली। इसके अलावा करीब एक करोड़ रूपए आवंटन राशि में से भी हड़प कर ली। इस संबंध में सोसायटी के पदाधिकारियों ने कई बार कहा व रकम वापस देने के लिए कहा तो वह टालता रहा। सोसायटी ने उसे काम से हटा दिया और गबन से संबंध में क्रिश्चनयगंज पुलिस थाने में लिखित में शिकायत की गई है। अमन का कहना था कि 28 फरवरी को वह अपनी पत्नी और सोसायटी की उपाध्यक्ष शिवानी के साथ श्री वाटिका आया था। जहां मनोज गुर्जर उसे मिला और उसने जबरन उसे धमकी देना व अपशब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली गलौच करना शुरू कर दिया। मनोज का आरोप है कि इस दौरान मौके पर भीड़ एकत्रित हो गई। लोगों ने भी उसे समझाया, लेकिन उसने डंडे से हमें मारना शुरू कर दिया। उसने मुझे भी डंडे से मारा और पत्नी के सिर पर भी डंडे से प्रहार कर दिया, जिससे उसके सर से खून बहने लगा। मनोज का कहना था पत्नी शिवानी को नेहरू अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। इस संबंध में पुलिस को लिखित में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। घटना के बाद मनोज गुर्जर फरार बताया जाता है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

दो पत्रकारों ने एक व्यक्ति से ब्लैकमेल कर एक लाख मांगे

झुंझुनूं, (निसं)। जिला मुख्यालय के दो पत्रकारों ने एक व्यक्ति से एक लाख रूपए की अनुचित मांग की। पैसे नहीं देने और उनकी बात नहीं मानने पर इस व्यक्ति के खिलाफ गलत तथ्यों के साथ खबरें प्रकाशित कर दबाव बनाने की कोशिश की, लेकिन अब इस मामले में पीड़ित ने थाने में पत्रकारों और उनके साथ षड़यंत्र में शामिल लोगों के खिलाफ कोतवाली में मामला दर्ज कराया है। पीड़ित भी पेशे से पत्रकार है।

पुलिस में दर्ज करवाई एफआईआर के अनुसार जिला मुख्यालय पर कार्यरत पत्रकार संदीप केडिया ने झुंझुनूं के पत्रकार पिताम्बर शर्मा, प्रदीप गढ़वाल, सुरेश सैनी, चूरू के पत्रकार राधेश्याम चोटिया, दो समाचार पत्रों के संपादक तथा उनके चूरू व झुंझुनूं ब्यूरो प्रभारी के अलावा बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की पूर्व अध्यक्ष अर्चना चौधरी, उनके पति कर्नल दिनेश कुमार तथा एक एनजीओ संचालक बनवारीलाल सैनी व एक अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है, जिसमें परिवादी संदीप केडिया ने आरोप लगाया कि पिताम्बर शर्मा, प्रदीप गढ़वाल, बनवारीलाल सैनी तथा राधेश्याम चोटिया चूरू ने उससे एक लाख रूपए और बाल कल्याण समिति की पूर्व अध्यक्ष अर्चना चौधरी तथा उसके पति कर्नल दिनेश कुमार से माफी मांगने की बात कही। जब संदीप केडिया ने आरोपियों की बात नहीं मानी तो उन्होंने चूरू में दर्ज एक पॉक्सो मामले की पुरानी खबर को गलत तथ्यों के साथ सोशल मीडिया पर वायरल किया।

- **मामले में पीड़ित ने थाने में कोतवाली में मामला दर्ज कराया है**

इसमें उन्होंने कोर्ट के सही तथ्यों से परे गलत तथ्यों को सोशल मीडिया व समाचार पत्रों में प्रसारित किया। इसके अलावा एक पॉक्सो पीड़िता की पहचान को भी उजागर कर पॉक्सो एक्ट का उल्लंघन किया। आरोपियों ने षड़यंत्र रचकर संदीप केडिया के खिलाफ पूर्व में दी गई धमकी के अनुसार चूरू में एक झूठा पॉक्सो का मामला भी दर्ज करवाया। इस मामले की रिपोर्ट कोतवाली में अक्टूबर 2024 में दी गई थी, लेकिन पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने की बजाय मामला परिवाद की जांच में रख लिया, जिसके बाद परिवादी संदीप केडिया ने एसपी से गुहार लगाई, लेकिन फिर भी कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज नहीं की। इसके बाद परिवादी संदीप केडिया कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने तीन बार कोतवाली पुलिस को जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आदेशित किया। कोतवाली पुलिस ने अंतिम जांच रिपोर्ट में लिखा है कि आरोपियों के विरूद्ध संज्ञय अपराध बनना पाया जाता है। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने विभिन्न धाराओं में इन आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इन मामलों को लेकर आरोपियों से भी बातचीत करने की कोशिश की गई। लेकिन उनसे बातचीत नहीं हो पाई। जिनके पक्ष का हमें इंतजार रहेगा।

केडिया ने बताया कि उनसे जब पूछताछ की जाएगी तो ऐसे सारे सबूत वे जांच में शामिल करवाने का प्रयास करेंगे। साथ ही आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और पुलिस द्वारा समय-समय पर की गई आरोपियों के विरूद्ध टिप्पणी को भी उपलब्ध करवाएंगे।

चाकूबाजी के मामले में तीन गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने गत दिनों पीएनटी चौराहे पर हुई चाकूबाजी के मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थाना प्रभारी सुरजीत सिंह ने बताया कि शाहपुरा हाल पटेल नगर निवासी चांद खां पुत्र शौकत खान कायमखानी ने 25 जनवरी को प्रताप नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 24 जनवरी को उसका बेटा इरशाद, बाबू उर्फ विश्वजीत, लोकेश, अक्षत, भरत एसटेक स्कूल के पास बैठकर कार्यालय संबंधित मीटिंग कर रहे थे। बातो ही बातों में लोकेश बलाई व बाबू के बीच विवाद हो गया। दोनों ही पक्ष वहां से रवाना होकर रात 11:30 बजे आपस में बातचीत करते हुए झगड़ने लगे। इसी दौरान इरशाद, बाबू को छुड़ाने लगा तो भरत जायसवाल ने इरशाद को चाकू मार दिया, जिससे इरशाद के शरीर पर कई जगह चोटें आई। भरत जयसवाल के साथ इरशाद से मारपीट करने में सहयोग करने वाले लोकेश, कमल और सूरज नायक थे। पुलिस ने इस रिपोर्ट पर केस दर्ज कर जांच की। पुलिस ने इस मामले में पुर बाइपास से लोकेश कुमार बलाई, कमलेश सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

वाल्मीकी समाज की बारात का सर्व हिन्दू समाज ने स्वागत किया

करौली, (नि.सं.) सवाई माधोपुर के गम्भीरा भाडौती से बाबूलाल वाल्मिकी के पुत्र बिष्णु की बारात करौली जिले के सपोटरा तहसील के गाँव रानीपुरा जाखौदा में कालू हरिजन की बेटी शिवानी की बारात का सर्वसमाज के लोगो ने रानीपुरा में स्वागत किया, जिसमें सभी बारातियों को तिलक लगाकर व पुष्पमाला पहनाकर स्वागत एवं अल्पाहार करवाया गया। बारात में आये प्रत्येक बाराती को श्रीफल भेंट किया गया। श्रीफल को हिन्दू संस्कृति के अनुसार अशोक के पत्ते, आम के पत्ते एवं कलावा से बाँधकर संस्कृति का परिचय दिया गया। बारात के स्वागत में लगभग 15 समाजों के 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। महिलाओं ने मंगल गीत गाए। कार्यक्रम में दूसरे गाँवों से भी काफी मात्रा में स्वागत करने हेतु समाज सेवक पहुंचे। इसके बाद ग्राम के पंच पटेलों एवं सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने मिलकर दूल्हे को बग्गी (रथ) पर बिठाकर धूमधाम से वन्देमातरम्, जय श्री राम के नारों के साथ निकासी निकाली। बारात में आये वाल्मीकि समाज के 75 वर्षीय बुजुर्ग ने बताया कि ऐसा सम्मान पाकर हमारा जीवन धन्य हो गया है। समस्त ग्रामीणों को ऐसा दृश्य देखकर प्रसन्नता हुई। क्रार्यक्रम में कृष्णवल्लभ शर्मा, पवन कुमार गुप्ता, बाबूलाल सेवानिवृत्त रेल्वे, पप्पू लाल मीना, मुनेश चंद मीना, चिरंजी पटेल, रामभरोसी डीलर, जनमेद पटेल, शिवकुमार गुप्ता, रामधन डाबिर, अमृतलाल जाखौदा, लक्ष्मी पटेल, श्याम सुंदर इनायती, बजरंगालाल पटेल, रामनिवास मीना, मनकेश, सुरज्ञानी, मुकेश, बाबूलाल सैनी, राजेन्द्र मीणा, मदनमोहन कांवटी, भरतलाल रानीपुरा एवं ग्रामवासियों का सहयोग रहा।

15 समाजों के 100 से अधिक लोगों ने बारातियों का स्वागत किया।

भारतीय कप्तान पर ऐसे बयान बेहद निंदनीय हैं। रोहित शर्मा बतौर कप्तान बड़ी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस समय नेता का बयान बेहद निंदनीय है, क्योंकि भारतीय टीम आईसीसी टूर्नामेंट का सेमीफाइनल खेलने के लिए तैयार है।

- देवजीत सैकिया

बीसीसीआई सचिव, कांग्रेस नेता डॉक्टर शमा मोहम्मद के ट्वीट को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्य रहाणे

आईपीएल 2025 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स ने अपने नए कप्तान के नाम का ऐलान किया है। केकेआर ने अपने नए कप्तान के तौर पर अजिंक्य रहाणे को टीम की जिम्मेदारी दी है। वहीं ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर को भी अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। दरअसल, वेंकटेश आईपीएल 025 में केकेआर के उपकप्तान होंगे। केकेआर डिफेंडिंग चैंपियन है, जिसने आईपीएल 2024 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ट्रॉफी जीती थी। हालांकि, कोलकाता ने मेगा ऑक्शन से पहले श्रेयस को रिलीज कर दिया था, जो अब पंजाब किंग्स के कप्तान हैं।

क्या आप जानते हैं ?... भारत के स्टार हॉकी प्लेयर मनप्रीत सिंह पंजाब के रहने वाले हैं। वह भारत के लिए चार बार ओलंपिक में खेल चुके हैं। उन्होंने टोक्यो 2020 ओलंपिक में भारतीय फील्डहॉकीटीम को कांस्य पदक दिलाया था।

आस्ट्रेलियाई चैम्पियंस ट्रॉफी टीम में चोटिल शॉर्ट की जगह कोनोली

दुबई, 03 मार्च। युवा स्पिन गेंदबाजी हरफनमौला कूपर कोनोली को चैम्पियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले के लिये चोटिल मैथ्यू शॉर्ट की जगह आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। शॉर्ट को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच के दौरान पिंडली में चोट लगी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 21 वर्ष के कोनोली को टूर्नामेंट में यात्रा रिजर्व में रखा गया था। आईसीसी टूर्नामेंट की तकनीकी समिति ने इस बदलाव को सोमवार को मंजूरी दे दी। कोनोली ने अभी तक आस्ट्रेलिया के लिये छह अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं जिनमें तीन वनडे हैं। आस्ट्रेलिया को मंगलवार को पहले सेमीफाइनल में भारत से खेलना है।

2025 के लिए केकेआर ने जारी की नई जर्सी

कोलकाता, 03 मार्च। आईपीएल 2025 के लिए उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। इस बीच डिफेंडिंग चैंपियन केकेआर ने अपनी नई जर्सी जारी कर दी है। सोशल मीडिया पर नई जर्सी की तस्वीरें सामने आई हैं। इस जर्सी की खासियत है कि इस पर तीन स्टार बने हुए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने नई जर्सी का वीडियो भी जारी किया है। ये वीडियो बहुत ही अलग अंदाज में बनाया गया है। वीडियो में टीम की जर्सी पर तीन स्टार्स को कोरबो-लड़बो-जीतबो का सिंबल बताया गया है। बता दें कि केकेआर के अभी तक तीन बार आईपीएल खिताब पर कब्जा जमाया है। इस तरह से ये तीन स्टार उसके तीन आईपीएल खिताब के बारे में भा बताते हैं। इसके अलावा जर्सी पर गोल्डन बैज भी है। केकेआर ने नई जर्सी का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में कुछ कुछ होता है फिल्म में स्टार्स काउंट करने वाला छोटा बच्चा, यहां पर भी स्टार्स काउंट कर रहा है। वह स्टार काउंट करते हुए बोलता है कोरबो, लड़बो, जीतबो। इसके अलावा केकेआर के कई स्टार खिलाड़ी भी वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इन खिलाड़ियों में वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह समेत कई अन्य क्रिकेटर्स शामिल हैं। गौरतलब है कि आईपीएल 2024 में केकेआर ने श्रेयस अय्यर की कप्तानी में ऐतिहासिक सफलता हासिल की थी। इस सीजन के लिए अभी तक टीम के कप्तान का ऐलान नहीं किया गया। ऐसे में सभी के मन में काफी ज्यादा क्यूरियॉसिटी है कि केकेआर का नया कप्तान कौन होगा?

डीडीए एकादश ने जीता 10वीं यमुना ट्रॉफी का खिताब

नई दिल्ली, 03 मार्च। डीडीए एकादश ने सोमवार को फाइनल मुकाबले में एमसीडी एकादश को हराकर 10वीं यमुना ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया। इंडियन मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन और आईडीएचसी सोसायटी द्वारा पूर्वी दिल्ली के यमुना स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में डीडीए ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी एमसीडी को डीडीए के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 19.5 ओवर में 115 रन के स्कोर पर समेट दिया। इसके बाद डीडीए ने आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 12.3 ओवर में 116 रन बनाकर आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। डीडीए की ओर से रविंद्र मीणा ने 34 गेंदों में पांच चौके और चार छक्कों की मदद से 63 रन बनाए और उन्होंने चार ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट भी झटके। मीणा को उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच का खिताब से नवाजा गया। वहीं चार ओवर में 15 रन देकर तीन विकेट लेने वाले विकास मेहला ने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज का खिताब अपने नाम किया।

शतक से चूकी मूनी के दम पर गुजरात ने यूपी को दिया 187 रन का लक्ष्य

लखनऊ 03 मार्च। बेथ मूनी (96 नाबाद) की विस्फोटक पारी और हरलीन देओल (45) के बीच दूसरे विकेट के लिये 101 रन की शतकीय भागीदारी की मदद से गुजरात जायंट्स ने वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के मुकाबले में सोमवार को यूपी वारियर्स के खिलाफ पांच विकेट पर 186 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर लिया। इकाना स्टेडियम पर मूनी की बल्लेबाजी आज आकर्षण का केंद्र बनी। मूनी अपने डब्ल्यूपीएल करियर के पहले शतक से चूक गयी मगर यह उनके डब्ल्यूपीएल करियर का अधिकतम स्कोर रहा। अपने बेखौफ अंदाज से उन्होने यहां बैठे हजारों युवा प्रशंसकों की तालियां भी बटोरी। अपनी आतिशी पारी के दौरान उन्होने 59 गेंदों का सामना किया और 17 खूबसूरत चौके जड़े। दयालन हेमलता (2) का विकेट पहले ओवर में ही गिरने के बावजूद मूनी ने नयी बल्लेबाज हरलीन के साथ बेखौफ अंदाज में खेलते हुये धुआंधार बल्लेबाजी का मुजाहिरा किया और इकाना में बैठे चंद हजार दर्शकों को भरपूर मनोरंजन किया। पारी के 13वें ओवर में यूपी को दूसरी सफलता हरलीन के विकेट के रुप में मिली जब सोफ़ी एकल्सटन की गुगली को हिट करने से चुकी हरलीन क्लीन बोल्ड हो गयी। अर्धशतक बनाने से चुकी हरलीन ने अपनी 32 गेंदो की पारी में छह बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया।

रोहित ने एक ही स्थान पर खेलने के लाभ के दावे को किया खारिज

दुबई, 03 मार्च। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने सोमवार को इस बात को खारिज किया कि उनकी टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के अपने सभी मैच एक ही स्थान पर खेलने की अनुमति से अनुचित लाभ मिला है।

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मंगलवार को होने वाले सेमीफाइनल मैच की पूर्व संध्या पर कहा, चार या पांच पिचों का उपयोग किया जा रहा है और प्रत्येक की अपनी विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा, पिचें एक जैसी दिख सकती हैं, लेकिन उनका व्यवहार अलग होता है। आप यह नहीं मान सकते कि कल एक पिच पर खेलने से आज की पिच भी वैसी ही होगी। यह हमारा घर नहीं है, यह दुबई है। हम यहां इतने मैच नहीं खेलते। यह हमारे लिए भी नया

है। उन्होंने कहा, जो तीन मैच हमने खेले हैं उसमें सतह का स्वभाव तो एक जैसा ही था, लेकिन सभी मैचों में पिच का व्यवहार अलग था। न्यूजीलैंड के खिलाफ हमने देखा कि तेज गेंदबाजो को सीम और स्विंग मिली जो हमें पिछले दो मैचों में पहले गेंदबाजी करते हुए नहीं देखने को मिला था। शाम में थोड़ी ठंडक होती है तो गेंद के स्विंग होने की संभावना रहती है।

सेमीफाइनल की पिच को लेकर रोहित ने कहा, हमें नहीं पता कि किस पिच का उपयोग किया जाएगा, लेकिन जो भी हो, हमें जल्दी से अनुकूलन करना होगा।

रोहित ने अक्षर पटेल को लेकर कहा, इंग्लैंड सीरीज की शुरुआत में हमने अक्षर को स्पष्ट रूप बता दिया गया था कि चाहे कोई भी परिस्थिति क्यों न हो, वह पांच नंबर पर ही बल्लेबाजी करेगा। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में उसने अपनी बल्लेबाजी पर बेहद काम किया है और उसका सुधार देखना शानदार रहा है।

दुबई में इंडिया वर्सेस ऑस्ट्रेलिया के मुकाबले में बारिश बनेगी विलेन ?

दुबई, 03 मार्च। दुबई में मंगलवार, 4 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। लेकिन दुबई का मौसम क्रिकेट फैंस की चिंता बढ़ा सकता है। वहीं अगर ये मुकाबला भारत जीत जाता है तो टूर्नामेंट का फाइनल का वेन्यू दुबई में कन्फर्म हो जाएगा।टीम इंडिया ने अपने सभी मैच दुबई में खेले हैं। हर मुकाबले में रोहित शर्मा ने टॉस हारा है लेकिन मैच जीतने में टीम को कोई परेशानी नहीं हुई। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया एक मजबूत टीम है और वह इंडिया को कड़ी टक्कर देगी। दुबई में वैसे तो मौसम गर्म रहता है लेकिन मंगलवार को मौसम का मिजाज बदला हुआ रहेगा। वहीं इस मुकाबले में बारिश भी खलल डाल सकती है।

मौसम रिपोर्ट : मौसम रिपोर्ट के अनुसार भारत और ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल मैच में बारिश खलल डाल सकती है। मंगलवार को बारिश होने की संभावना 10 प्रतिशत है। हवाएं 27 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने की उम्मीद है। मौसम में नमि 34 प्रतिशत तक बनी रहेगी। वहीं दुबई की पिच की बात करें तो, यहां कि पिच धीमी रेहगी। यहां बल्लेबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण रहेगा, जैसा

पिछले मैच में देखने को मिला। जो टीम मिडिल ऑर्डर में अच्छी बल्लेबाजी करेगी, उसकी जीत संभावना ज्यादा होगी। तेज गेंदबाजों के मुकाबले दुबई में स्पिनर्स को ज्यादा मदद मिलेगी।

वाटिका ने रेंजर्स को हराया

नई दिल्ली, 03 मार्च। प्लेयर्स ऑफ द मैच कप्तान पंकज नेगी के दर्शनीय गोल से वाटिका फुटबाल क्लब ने रॉयल रेंजर्स को एक मात्र गोल से हरा कर डीएसए प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में तरुण संघा ने अपने अंतिम मैच में फ्रेंड्स यूनाइटेड से 2-2 ड्रा खेल कर अंक बांटे। तरुण संघा के लिए थॉनौजम शीतल सिंह औऱ नींगोबं सना सिह ने जबकि फ्रेंड्स यूनाइटेड के गोल जतिन्दर सिंह राणा एवम प्लेयर ऑफ द मैच अक्षय राज सिँह ने गोल किए। अक्षय ने राष्ट्रीय स्की माउंटेंनियरिंग चैंपियन और फ्रेंड्स यूनाइटेड के जाने माने खिलाड़ी अभिषेक रावत की पत्नी मेनका गुंजयाल के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। रॉयल रेंजर्स और वाटिका के मध्य खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा लेकिन 62 वें मिनट में पंकज का 35 गज की दूरी से गोलकर विपक्षी टीम में हलचल बढ़ा दी।

// चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बीच में पाकिस्तान की हुई फजीहत //

सेमीफाइनल से पहले गद्दाफी स्टेडियम की छत हुई लीक

लाहौर, 03 मार्च। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का दूसरा सेमीफाइनल मैच साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच 5 मार्च को खेला जाएगा। ये मैच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस स्टेडियम को रेनोवेट करने में पीसीबी को 100 से ज्यादा दिनों का समय लगा था। पाकिस्तान ने दावा किया था कि स्टेडियम के रेनोवेट में 500 करोड़ के करीब खर्च किया गया है। हालांकि, अब बोर्ड की पोल खुद गई है।गद्दाफी स्टेडियम का नवीनकरण करने में करीब 500 करोड़ पाकिस्तान रुपये खर्च करने की बात कही गई थी। यहां बैठने की व्यवस्था, फ्लड लाइट्स से लेकर कुछ नई इमारतें भी बनाई गई थी। पीसीबी को इसकी तैयारी पूरी करने में अतिरिक्त समय लगा था। चैंपियंस ट्रॉफी से कुछ दिन पहले ही ये तैयार हुआ था। अब पाकिस्तान की किरकिरी इस वजह से हो रही

है क्योंकि स्टेडियम में मौजूद बाथरूम की छत से पानी टपकने का वीडियो वायरल हो रहा है। इस स्टेडियम में पिछला मैच 28 फरवरी को अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेला जाना था। लेकिन बारिश के कारण मुकाबला रद्द हो गया। पीसीबी बोर्ड के पास ग्राउंड सुखाने की उचित व्यवस्था नहीं थी, यहां तक बारिश के दौरान पूरे ग्राउंड को कवर भी नहीं किया गया था। इसको लेकर पीसीबी की काफी बेइज्जती हुई थी। अब स्टेडियम का एक और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में टीम इंडिया में हो सकते हैं बदलाव

दुबई, 03 मार्च। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट में अभी तक के सभी ग्रुप स्टेज मुकाबले जीतकर अजेय टीम इंडिया अब सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दुबई में भारत ने स्पिनरों के दम पर 44 रन से शानदार जीत दर्ज की है। हालांकि, बल्लेबाजी में श्रेयस अय्यर को छोड़कप अन्य किसी का बल्ला नहीं चला। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत की प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव की संभावना बन रही है।चैंपियंस ट्रॉफी में अब तक भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में शामिल हर खिलाड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। हालांकि, मध्यक्रम में केएल राहुल कुछ खास नहीं कर पा रहे हैं। केएल राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ 41 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे मैच में 23 रन की पारी खेली थी। पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला था। वहीं विकेटकीपिंग के दौरान भी उनसे कैच छूटे हैं। ऐसे में राहुल को बाहर कर पंत को मौका दिया जा सकता है।वहीं न्यूजीलैंड के खिलाफ वरुण चक्रवर्ती ने बेहतरीन गेंदबाजी की और पांच विकेट हॉल का कारनामा किया। इसके बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वरुण को हर्षित राणा की जगह मौका मिल सकता है।

भारत की संभावित प्लेइंग 11 : रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा, मोहम्मद शमी, कुलदीप यावदव और वरुण चक्रवर्ती।

लॉरियस वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित हुए ऋषभ पंत

मैड्रिड, 03 मार्च । भारतीय विकेटकीपर एवं बल्लेबाज ऋषभ पंत को कार दुर्घटना के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी पर खेल की दुनिया के प्रतिष्ठित लॉरियस वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स पुरस्कार 2025 के लिए नामांकित खिलाड़ियों का चयन विश्व के खेल मीडिया द्वारा मतदान के बाद किया गया। इस पुरस्कार की यह 25वीं वर्षगांठ है और यह समारोह 21 अप्रैल स्पेन की राजधानी मैड्रिड होगा। इसी दिन पुरस्कार विजेताओं के नाम की घोषणा की जायेगी। सचिन तेंदुलकर एकमात्र भारतीय हैं, जिन्हें लॉरियस अवॉर्ड में सम्मानित किया गया है। उन्होंने लॉरियस स्पोर्टिंग मोमेंट अवार्ड (2000-2020) जीता था। कमबैक ऑफ द ईयर अवॉर्ड के लिए खेल की दुनिया के कई दिग्गज नामित हुए हैं।

जयपुर क्लब ने जयपुर ब्लूज क्लब को हराया

मोहम्मद खूबेब व शुभम सिंह पटवाल के शतक

जयपुर, 03 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एल सैनी ए डिविजन लीग में आज खेले गए मैच में जयपुर क्लब ने जयपुर ब्लूज क्लब को 40 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम जयपुर ब्लूज ने टॉस जीतकर पहले जयपुर क्लब को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया।

जयपुर क्लब ने विशाल तिवारी के 89 रन, मोहम्मद खूबेब के 100 रन (91 गेंद, 9 चौके व 5 छक्के), अर्णव गौतम के 22 रन, विनय मीणा 35 रन, लोहित केवलिया के 41 रनों से 50 ओवर में 9 विकेट पर 337 रनों का स्कोर बनाया। जयपुर ब्लूज के लिए हिमांशु राणा ने 69 पर 4, राहुल चौधरी ने 54 पर 4 व शुभम सिंह पटवाल ने 68 पर 1 विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुर ब्ल्यूज क्लब ने संजू सारण के 22 रन, योगेंद्र काकोड़िया के 38 रन, शुभम सिंह पटवाल के 101 रन (71 गेंद, 4 चौके व 7 छक्के), राहुल चौधरी के 83 रन व हिमांशु राणा के 23 रनों से 45.4 ओवर में 297 रन बनाकर आउट हो गई। जयपुर क्लब के लिए विनय मीणा ने 31 पर 2, सुमित शर्मा ने 78 पर 2, सैयद सफ़ान ने 64 पर 3, लोहित केवलिया व मोहम्मद खूबेब ने 1 - 1 विकेट लिया। 4 मार्च को के एल सैनी स्टेडियम पर सबा क्लब बनाम नीरजा मोदी एकेडमी के मध्य मैच खेला जाएगा तथा जयपुरिया ग्राउंड चम्बल स्पोर्ट्स क्लब बनाम सुराणा क्रिकेट एकेडमी के मध्य मैच खेला जाएगा।

ध्रुव के 92 रन से इन्सपायर क्रिकेट एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 03 मार्च। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज सिंग्नेचर क्रिकेट ग्राउण्ड सांगानेर पर खेले गये पूल-ए के मैच में इन्सपायर क्रिकेट एकेडमी ने ध्रुव खण्डेलवाल 92 रन (57 गेंद, 14 चौके, 2 छक्के) की शानदार पारी की बदोलत सिंग्नेचर क्रिकेट एकेडमी को 99 रन से हराकर 2 अंक अर्जित किये।

सुबह इन्सपायर क्रिकेट एकेडमी ने टोस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया ध्रुव खण्डेलवाल 92 रन (57 गेंद,

14 चौके, 2 छक्के) अमन सिंह शेखावत 30 रन, रजत सिंह 28 रन, रोहित भादू 23 रन की बदोलत निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 203 रन बनाये, गेंदबाजी में सिंग्नेचर क्रिकेट एकेडमी की ओर से हिमांशु तिवाड़ी 34 रन पर 4 विकेट, मोहित नरियाल 41 रन पर 2 विकेट तथा आशीष चौधरी 42 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में सिग्नेचर क्रिकेट एकेडमी के गगनदीप 27 रन तथा हिमांशु तिवाड़ी 26 रन को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज सलीम 21 रन पर 3 विकेट, कृतिन राज 21 रन पर 2 विकेट तथा हरि सिंह, अमन सिंह, रजत सिंह व हिमांशु तिवाड़ी प्रत्येक 1-1 विकेट के समक्ष नहीं टीक सके और पूरी टीम 18.5 ओवर में 104 रन बनाकर ऑलआउट होकर 99 रन से मैच हार गई। मैन ऑफ दा मैच ध्रुव खुण्डेलवाल (92 रन) इन्सपायर क्रिकेट एकेडमी रहे।

असम ने बिहार को 2-1 से हराया

पंचकूला, 03 मार्च। असम ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के वर्ग बी में हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार को 2-1 से हराया। पंचकूला के ताऊ देवी लाल हॉकी स्टेडियम में रविवार को खेले गये मुकाबले के पहले क्वार्टर में कड़ी टक्कर के बाद असम ने हाफ टाइम से ठीक पहले गतिरोध को तोड़ा। कप्तान मुनमुनी दास ने (29वें) मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके बाद असम ने अपनी रक्षा पंक्ति को मजबूत रखते हुए मैच को तीसरे क्वार्टर तक ले गई। अंतिम सीटी बजने से कुछ क्षण पहले खुशबू प्रजापति ने (59वें) मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल बदलकर टीम की बढ़त को 2-0 कर दिया। लेकिन अगले ही मिनट में हॉकी एसोसिएशन ऑफ बिहार की नुसरत खातून ने गोल कर जीत के अंतर को 2-1 कर दिया।

हाशिम अंसारी जूनियर मिस्टर राजस्थान

हर्षवर्धन सिंह रनरअप, ध्रुवराज सिंह फर्स्ट रनरअप

जयपुर, 03 मार्च। 27वीं जूनियर मिस्टर राजस्थान बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप में जयपुर के हाशिम अंसारी जूनियर मिस्टर राजस्थान चुने गए साथ ही अजमेर के हर्षवर्धन सिंह रनर अप वह कोटा के ध्रुव राज फर्स्ट रनर अप बने, विजेताओं को राजस्थान बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष नवीन यादव गिर्राज खंडेलवाल डॉ जय सिंह शेखावत गोपेश कल्याण व मुकेश चौधरी ने पारितोषिक वितरण किया।

जूनियर प्रतियोगिता में 55 किलो भार वर्ग में बीकानेर के महादेव सोनी प्रथम 60 किलोग्राम में कोटा के ध्रुव सिंह प्रथम 65 किलोग्राम में कोटा के अभिषेक वर्मा प्रथम 55 किलोग्राम में भरतपुर के चिंटू शर्मा प्रथम 75 किलोग्राम में बीकानेर के निखिल छिपा प्रथम 75 किलोग्राम से अधिक में जोधपुर के रोहित तेजी प्रथम रहे मेंस स्पोर्ट्स फिजिक्स

में अजमेर के हर्षवर्धन सिंह प्रथम मास्टर्स प्रतियोगिता में जयपुर के चैन सिंह प्रथम रहे। राजस्थान बॉडी बिल्डिंग संघ के अध्यक्ष नवीन यादव ने बताया कि सभी प्रथम आए खिलाड़ियों का नेशनल जूनियर प्रतियोगिता के लिए चयन किया गया है।

आरसीए एडहॉक कमेटी के प्रयासों से राजस्थान के "पूर्व रणजी खिलाड़ी पेंशन" स्कीम दोबारा शुरू

जयपुर, 03 मार्च। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक व विधायक जयदीप बिहाणी व सभी कमेटी सदस्यों के प्रयासों से राजस्थान के पूर्व रणजी खिलाड़ियों की लम्बे समय से रुकी पेंशन स्कीम को फिर से शुरू करते हुए आज उनके बैंक अकॉउंट में पेंशन क़िस्त की राशि ट्रांसफर कर दी गयी है। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी के अनुसार जब से आरसीए एडहॉक कमेटी का गठन हुआ है हमारी हमेशा से ये कोशिश रही है की राज्य में क्रिकेट के इंफ्रास्ट्रक्चर में उच्च स्तरीय खेल सुविधाओं के विकास, राज्य के युवा खिलाडियों को प्रशिक्षण हेतु विकसित सुविधाएं सहित पूर्व में राजस्थान का रणजी ट्रॉफी में प्रतिनिधित्व करने व राजस्थान टीम के लिए उनके बहुमूल्य योगदान की अहमियत को समझते हुए पूर्व रणजी खिलाडियों की लम्बे समय से रुकी हुई पेंशन स्कीम आरसीए एडहॉक कमेटी ने दोबारा शुरू करते हुए आज से पूर्व रणजी खिलाडियों की मासिक पेंशन स्कीम राशि की क़िस्त जारी कर दी गयी।

आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने बताया की आरसीए एडहॉक कमेटी को राज्य में खेल के विकास , युवा खिलाडियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सुविधाएं सहित राज्य में राष्ट्रिय व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के बेहतर आयोजन की जो जिम्मेदारी राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा व राज्य के खेल मंत्री (कैबिनेट) कर्नल राजवर्धन सिंह राठौड ने दी थी हमने पूर्ण निष्ठां व गंभीरता से पूरा किया है। आरसीए एडहॉक कमेटी ने इस वर्ष राज्य में आयु वर्ग की पुरुष व महिला क्रिकेट प्रतियोगिताओं के आयोजन सहित

खिलाडियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण , राष्ट्रिय प्रतियोगितओं से पूर्व अन्य राज्यों की टीमों के साथ तैयारियों हेतु अभ्यास मैचों का आयोजन, खिलाडियों, मैच ऑफिशियल की पूर्व लंबित मैच फ़ीस का डायरेक्ट ऑनलाइन भुगतान, राजस्थान क्रिकेट संघ पैनल हेतु अंपायर व स्कोरर परीक्षा का आयोजन, अंपायर व स्कोरर फ़ीस में आवशयक बढ़ोतरी सहित क्रिकेट हित में हर स्तर पर कार्य किया जिससे राजस्थान के खिलाडियों, मैच ऑफिशियल्स , सपोर्ट स्टाफ व अन्य क्षेत्रों को अत्यधिक लाभ प्राप्त हुआ है।

एडहॉक कमेटी संयोजक जयदीप बिहाणी, सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावात , धनंजय सिंह खींवसर , विमल शर्मा , रतन सिंह व हरीश चंद्र सिंह ने राज्य के पूर्व रणजी खिलाडियों की मासिक पेंशन स्कीम को दोबारा शुरू करने व मासिक पेंशन राशि जारी करने पर सभी लाभान्वित खिलाडियों, उनके परिजनों को बधाई दी।

बीसीसीआई द्वारा 25 रणजी मैचों में राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व रणजी खिलाडियों को मासिक पेंशन देता है। आरसीए द्वारा 39 पूर्व रणजी खिलाडियों को 2 श्रेणियों में मासिक पेंशन स्कीम दोबारा शुरू की है जिसमे रणजी ट्रॉफी के 5 से 15 मैचों में रणजी ट्रॉफी में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले पूर्व रणजी खिलाडियों को मासिक 5000 रूपये व 16 से 24 रणजी मैचों में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाले खिलाडियों को मासिक 7500 रूपये राशि जारी की गयी। विशेष रूप से दोनों श्रेणियों में योग्यता रखने वाले दिवंगत खिलाडी की धर्मपत्नी को मासिक पेंशन की राशि जारी की गयी। पूर्व रणजी खिलाडियों अनूप दवे, कौशल देवड़ा, लोकेश जैन ने किया स्वागत किया है।

आरसीए सत्र 2024 -25 सर्वश्रेष्ठ खिलाडी अवार्ड मीटिंग 5 मार्च को : बीसीसीआई घेरलू क्रिकेट सत्र 2024-25 के राष्ट्रिय क्रिकेट प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन करने वाले हर आयु वर्ग (पुरुष व महिला) सर्वश्रेष्ठ खिलाडी अवार्ड हेतु गठित आरसीए अवार्ड कमेटी मीटिंग आगामी 5 मार्च को आरसीए अकादमी पर दोपहर 12.30 बजे आयोजित की जाएगी। मीटिंग में अवार्ड की सम्पूर्ण रुपरेखा तय की जाएगी।

वेस्टइंडीज में मैच जीतने के बाद आत्मविश्वास बढ़ा

दुबई, 03 मार्च। चैंपियंस ट्रॉफी के ग्रुप मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ 42 रनों की पारी खेलने वाले अक्षर पटेल का मानना है कि वेस्टइंडीज में एकदिवसीय मैच में अच्छी बल्लेबाज कर टीम को जीत दिलाने के बाद उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में अक्षर ने कहा, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से कहें या वेस्टइंडीज में जब मैंने एकदिवसीय मैच जताया था तो उसके बाद मेरा आत्मविश्वास बढ़ा था। मेरे पास कौशल तो था, लेकिन मैं उसका प्रदर्शन नहीं कर पा रहा था। जैसे ही एक पारी आई तो मैंने नहीं सोचा कि बल्लेबाजी दिखाने का यही सही मौका है। टैंपरामेंट की बात करें तो जब आप लगातार अच्छा करते हो तो आप अधिक सोचते नहीं है। अभी मुझे पता है कि मेरा सही समय चल रहा है। अक्षर ने कहा, विराट भाई और श्रेयस अच्छा ही कर रहे हैं तो मैं नहीं सोचता और ऊपर खेलूं। जब भी अवसर मिले तो मैं वही सोचता हूं कि टीम की क्या आवश्यकता है।

कांग्रेस महासचिव और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट ने पाली में एनएसयूआई की ''नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो'' यात्रा में भाग लिया। उन्होंने रैली में साइकिल चलाकर युवाओं को नशा छोड़ने का संदेश दिया।

पायलट ने साइकिल चलाकर ''नशा छोड़ो जीवन जोड़ो'' यात्रा में भाग लिया

एनएसयूआई की साइकिल यात्रा जैसलमेर से जोधपुर, रोहट होते हुए पाली पहुँची

- **सचिन पायलट ने कहा कि इस रैली के जरिए अब तक 15 हजार युवाओं को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई जा चुकी है।**
- **उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकार का अभी तक सवा साल का कार्यकाल मेरी नज़र में निराशाजनक है।**

पाली, 3 मार्च, (निसं)। कांग्रेस महासचिव और पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट सोमवार को पाली में एनएसयूआई की ''नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो'' यात्रा का साइकिल चलाकर भाग लिया। यहां से यह साइकिल यात्रा सोजत तक जाएगी। पायलट पाली पहुंचे तो गांधी मूर्ति स्थित कार्यक्रम स्थल पर कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। एनएसयूआई की नशा छोड़ो जीवन जोड़ो साइकिल यात्रा जैसलमेर से शुरू होकर जोधपुर रोहट होते हुए पाली पहुंची थी।

पूर्व उप मुख्यमंत्री पायलट ने कहा कि एनएसयूआई की ओर से यह जो नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो साइकिल यात्रा जैसलमेर से जयपुर तक निकाली जा रही है, यह कोई चुनावी यात्रा नहीं है और न ही वोट मांगने के लिए निकाली जा रही है। कांग्रेस और एनएसयूआई अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने के लिए समाज कल्याण को लेकर यह रैली निकाल रही हैं, जिससे युवाओं को नशे से दूर रखा जा सके। इस रैली के जरिए अभी तक करीब 15 हजार युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए शपथ दिलाई जा चुकी है।

कार्यक्रम को जोधपुर के सांसद उम्मीदवार रहे करण सिंह ऊंचीयारिडा, रतन देवासी, संगीता बेनीवाल, विधायक भीमराज भाटी, जिला अध्यक्ष अजीज दर्द ने भी संबोधित किया। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि मुझे अब तक सभी जगह सहयोग मिला है, पाली में युवाओं का अपार जनसमूह देखकर मुझे खुशी हुई है। कार्यक्रम में नसीम बानो, कांग्रेस कार्यकारी जिला अध्यक्ष प्रवीण कोठारी, प्रदीप हिंगड़, विधायक भीमराज भाटी, पूर्व विधायक खुशवीर सिंह, पूर्व प्रधान शोभा सोलंकी, नीलम बिरला, हकीम भाई महबूब टी, गणपत पटेल, यशपाल सिंह कुपावत , मांगू सिंह दुधवत, अमीन सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद थे।

इस अवसर पर कांग्रेस के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मीडिया से बातचीत में कहा कि प्रदेश की सरकार का अभी तक का सवा साल कार्यकाल मेरी नजर में निराशाजनक है। सत्ताधारी पार्टी के विधायक भी काम नहीं होने से छाती पीट रहे है। प्रशासन पर सरकार का कोई कंट्रोल नहीं है। किरोड़ीलाल मीणा मंत्री है या नहीं, यह पता ही नहीं चल रहा। वे इस्तीफा देना चाहते है, लेकिन सरकार स्वीकार नहीं कर रही है। उनके विभाग में काम नहीं हो रहे। यह प्रदेश की जनता के साथ मजाक हो रहा है। मंत्री मीणा ने जो मुद्दे उठाए, उनका प्रदेश की भाजपा सरकार को जवाब देना चाहिए। रीट परीक्षा में अभ्यर्थियों की जनेऊ उतारे जाने के सवाल पर पायलट ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए बड़े-बड़े दावे किए, लेकिन उस में उन्हें पर्याप्त कामयाबी नहीं मिली। अभी भी कई विसंगतियां है, जिन्हें दूर किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने पर काम कर रही है। शेयर मार्केट हो, बैंक से लोन देने का काम हो, कुछ लोगों को फायदा पहुंचाया जा रहा है। आर्थिक अपराध हो रहे है, जिनकी परतें अब खुल रही हैं। भाजपा नेताओं को जनता के बीच आकर उनका जवाब देना होगा। राहुल गांधी भी जेपीसी की मांग को लेकर मुद्दा उठा चुके है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों की फसल खरीद समय पर नहीं हो रही। कांग्रेस सरकार के समय जो जिले बनाएं गए, उन्हें भाजपा सरकार मनमर्जी से खत्म कर रही है। प्रदेश में कांग्रेस के सवाल पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस मजबूत है। विधानसभा में जनता के मुद्दों को प्रभावी तरीके से उठा रहे है। भाजपा सरकार के मंत्री ढंग से जवाब तक नहीं दे पा रहे।

सर्कुलर इकॉनमी इन्सैन्टिव के तहत स्टार्टअप को 2 करोड़ रूपए की सहायता मिलेगी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने क्षेत्रीय ''थ्री आर'' और सर्कुलर फोरम समारोह को संबोधित किया

- **केन्द्रीय आवास मंत्री खट्टर ने कहा कि सिटीज 2.0 के तहत 14 प्रदेशों के 18 शहरों में कचरा प्रबंधन संयंत्र तथा कचरे से खाद व ऊर्जा बनाने की परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू कराया जायेगा।**
- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि राजस्थान में कचरा प्रसंस्करण क्षमता को 21 लाख टन से बढ़ाकर 45 लाख टन करने का लक्ष्य रखा गया है।**

जयपुर, 3 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता की हानि एवं प्रदूषण जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए सर्कुलर इकॉनमी अत्यंत प्रभावी माध्यम है। इस व्यवस्था में अपशिष्ट को रिसाइकिल और रियूज किया जाता है जिससे ऊर्जा की खपत घटती है और नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा मिलता है।

शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित 12वें क्षेत्रीय थ्री आर और सर्कुलर इकॉनमी फोरम समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यावरण प्रबंधन केंद्र की स्थापना की गई है, ताकि कचरा प्रबंधन और रिसाइक्लिंग को ज्यादा प्रभावी तरीके से किया जा सके। साथ ही, ट्रीटेड वॉटर के उपयोग के लिए नई नीति तैयार की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने राजस्थान में कचरा प्रसंस्करण की क्षमता को 21 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर इसके दोगुने से भी ज्यादा यानी करीब 45 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा है। वेस्ट-टू-एनर्जी योजनाओं के तहत कंपोस्ट, आरडीएफ, और जैविक उर्वरक उत्पादन पर भी जोर दिया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि पिछले 50 वर्षों में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन लगभग 400 प्रतिशत बढ़ कर 106 बिलियन टन के आंकड़े को भी पार कर चुका है। चिंता की बात यह है कि इनमें से 90 प्रतिशत से अधिक संसाधन बर्बाद हो जाते हैं और केवल 8.6 प्रतिशत ही वैश्विक अर्थव्यवस्था में वापस आ पाते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सर्कुलर इकॉनमी इंसेंटिव स्कीम लेकर आएगी, जो एमएसएमई और स्टार्टअप्स को 2 करोड़ रुपये तक की सहायता देगी। इसके साथ ही राजस्थान व्हीकल स्क्रैपिंग पॉलिसी के माध्यम से पुराने वाहनों के निष्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि हम शून्य अपशिष्ट समाज का सपना साकार करने के लिए सर्कुलर इकॉनमी एलायंस नेटवर्क की स्थापना के जरिए सरकार, निजी क्षेत्र और शिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे।

कार्यक्रम में केन्द्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि सिटीज 2.0 एक ऐसी अनूठी पहल है जो इन्टीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेन्ट और जलवायु परिवर्तन की दिशा में कार्यवाही को आगे बढ़ाती है। इसके तहत 14 प्रदेशों के 18 शहरों में समयबद्ध रूप से परियोजनाओं को लागू कर कचरा प्रबंधन संयंत्र लगाने, कचरे से खाद, कचरे से ऊर्जा बनाने पर जोर दिया गया है।

कार्यक्रम में जापान, यूएन, एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने भी वीडियो संदेश के द्वारा अपने विचार व्यक्त किए। इससे पहले मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय शहरी विकास कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, मध्यप्रदेश, उत्तराखण्ड, आंध्रप्रदेश और हरियाणा के शहरी विकास मंत्री, विभिन्न राज्यों के शहरी विकास विभागों के अधिकारीगण, नगरीय आयुक्त एवं महापौर उपस्थित रहे।

फिल्म ''अनोरा'' ने जीते 5 ऑस्कर अवॉर्ड

लॉस एंजलिस, 3 मार्च। 97वें अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर) में फिल्म 'अनोरा' का जलवा रहा और उसने सर्वश्रेष्ठ फिल्म सहित पांच अवार्ड अपने नाम किये। सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार फिल्म अनोरा के लिये शॉन बेकर को दिया गया। सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार एड्रियन ब्रोडी को फिल्म द ब्रुटलिस्ट के लिये मिला। सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार माइकी मैडिसन को फिल्म अनोरा के लिये दिया गया। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का सम्मान कीरन कल्किन को फिल्म ए रियल पेन के लिये दिया गया। सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनत्री का पुरस्कार ज़ोई सलदाना, को एमिलिया पेरेज के लिये दिया गया।

विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को सावचेत करने के लिए यह प्रस्ताव लाया गया है कि वे बिना तथ्यों के गैरजिम्मेदाराना बात सदन में नहीं रखें। उन्होंने सदन से आग्रह किया कि इस प्रस्ताव को विशेषाधिकार समिति को सौंपा जाये ताकि इसकी पूरी जांच की जा सके। इस पर सदन ने प्रस्ताव को विशेषाधिकार समिति को भेज दिया।बाद में कांग्रेस विधायकों ने इसका विरोध करते हुए सदन में नारेबाजी की और सदन से बहिंगमन कर गए।

पेपर लीक मामले में फरार सुरेश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पेपर पढ़ाया गया था, वहां भी प्रार्थी मौजूद नहीं था। वह करीब 11 माह से जेल में बंद है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जाए। इसका विरोध करते हुए विशेष लोक अभियोजक बीएस चौहान ने कहा कि प्रार्थी पर पेपर लीक के गिरोह में शामिल होकर काम करने का गंभीर आरोप है। वह फरार चल रहे सुरेश ढाका का भाई और मुख्य अभियुक्त सुरेश विश्नोई का साला है। सुरेश के पकड़ में आने पर प्रार्थी की भूमिका के बारे में अन्य साक्ष्य भी सामने आ सकते हैं। इसके अलावा हाईकोर्ट की एलडीसी भर्ती और एसआई भर्ती में भी उसे गिरफ्तार किया गया है। इसलिए उसे जमानत नहीं दी जाए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी की जमानत अर्जी को खारिज कर दिया है।

रिपोर्टर्स कलैक्टिव....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्लेटफॉर्म को इन्कम टैक्स विभाग ने पहले चैरिटेबल ऑर्गनाइज़ेशन के रूप में मान्यता दी थी, हो सकता है कि उस ट्रस्ट को पिछले समय से टैक्स अदा करना पड़े।''

डिजिपब ने कहा, ''ऐसे समय जब भारत का प्रैस-स्वतंत्रता सूचकांक अब तक के सबसे नीचे स्तर पर पहुँच गया है तथा मुख्यधारा के मीडिया की लम्बी कतारें सरकार की चियरलीडर्स बन गई हैं, केवल स्वतंत्र मीडिया प्रतिष्ठान ही वर्तमान सरकार और उसकी नीतियों पर सवाल खड़े कर रहे हैं।'' बयान में आगे कहा गया, ''इनमें से अधिकांश प्रतिष्ठान, जो सरकारी तथा व्यावसायिक विज्ञापनों के बिना स्वयं को जीवित रखे हुये हैं, वित्तीय रूप से लड़खड़ा रहे हैं। सरकार अनगिनत तरीकों, जिनमें कानूनी तथा वित्तीय रास्ते भी शामिल हैं, के जरिए इनका चलते रहना मुश्किल बना रही है। सरकार उन अंतिम चंद गुंजाइशों को भी समाप्त कर रही है, जहाँ पब्लिक आलोचनात्मक कवरेज के लिये पहुँच सकती है।''

ज्ञातव्य है कि ''रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स'' द्वारा वार्षिक रूप से प्रकाशित वैश्विक प्रैस फ्रीडम इन्डैक्स में वर्ष 2023 में भारत की 180 देशों में 161 वीं रैंक थी। गत वर्ष, यह दो रैंक ऊपर, अर्थात् ,161वें नम्बर पर रही, लेकिन अब भी पड़ोसी देशों, पाकिस्तान (152) तथा श्रीलंका (150) से काफी नीचे है।

'केवल दिव्यांगता के आधार पर न्यायिक नियुक्ति से वंचित नहीं कर सकते'

सुप्रीम कोर्ट ने दृष्टिबाधित व दृष्टिहीन अभ्यर्थियों को बाहर रखने के नियम निरस्त किये

- **सुप्रीम कोर्ट की डबल बैंच ने कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों की पात्रता का आकलन करते समय उचित सुविधायें प्रदान की जानी चाहिये।**

नयी दिल्ली, 03 मार्च। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को अपने एक ऐतिहासिक फैसले में कहा कि केवल दिव्यांगता के आधार पर किसी भी अभ्यर्थी (संबंधित पद के आवेदक) को न्यायिक सेवाओं से वंचित नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन अभ्यार्थियों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखने वाले मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम की शर्तों के उस भाग को निरस्त करते हुए कहा कि वे (दृष्टिहीन और दृष्टिबाधित) भारत की न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति के आवेदन के पात्र हैं। पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति महादेवन ने कहा, मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा नियम 1994 के नियम 6ए को निरस्त किया जाता है, क्योंकि यह दृष्टिबाधित और दृष्टिहीन उम्मीदवारों को न्यायिक सेवाओं में नियुक्ति से बाहर रखता है।

पीठ ने कई पहलुओं पर गौर करने के बाद कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार उनकी (दिव्यांग व्यक्तियों की) पात्रता का आकलन करते समय उन्हें उचित सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट तौर कहा कि दृष्टिबाधित और कम दृष्टि वाले अभ्यर्थी न्यायिक सेवा के पदों के लिए चयन में भाग लेने के हकदार होंगे।

शीर्ष अदालत के समक्ष एक दृष्टिबाधित अभ्यर्थी की मां ने पिछले साल मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा (भर्ती और सेवा शर्तें) नियम में शामिल उक्त नियम के खिलाफ पत्र याचिका दी थी, जिस पर अदालत ने स्वत: संज्ञान मामला दर्ज किया था।

शीर्ष अदालत ने सुनवाई पूरी होने के बाद तीन दिसंबर, 2024 को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

ट्रंप और ज़ैलैंस्की के बीच फिर संवाद शुरु कराना चाहता है फ्रांस

- **फ्रांस और ब्रिटेन ने हवा, समुद्र व ऊर्जा में एक माह के संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा है।**

लंदन/पेरिस, 03 मार्च। फ्रांस और ब्रिटेन ने यूक्रेन में हवा, समुद्र और ऊर्जा अवसंरचना में एक महीने के संघर्ष विराम का प्रस्ताव रखा है।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दैनिक समाचार पत्र ले फेगारो को यह जानकारी दी है। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने रविवार को लंदन में यूक्रेन पर शिखर सम्मेलन से पहले घोषणा की कि पेरिस और लंदन युद्ध को रोकने के लिए एक योजना पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में शत्रुता का अंत करने में जमीनी लड़ाई शामिल नहीं होगी क्योंकि युद्ध विराम के मामले में यह सत्यापित करना बहुत मुश्किल होगा कि मोर्चे का सम्मान किया गया है। उन्होंने कहा कि यूरोपीय सैनिकों की तैनाती में फ्रांस और ब्रिटेन के सैनिक भाग लेने के लिए तैयार हैं।

मैक्रों ने ले फिगारो को बताया कि आने वाले हफ्तों में यूक्रेनी धरती पर कोई यूरोपीय सैनिक नहीं होंगे। उन्होंने इस समय का उपयोग युद्धविराम वार्ता के लिए करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, हम हर हाल में शांति चाहते हैं लेकिन किसी भी कीमत और बिना किसी गारंटी के।

हाई कोर्ट ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैन की एकलपीठ ने ये आदेश जब्बार की ओर से दायर जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए।

सुनवाई के दौरान, सीबीआई की ओर से अदालत को बताया गया कि अदालत ने अप्रैल, 2024 में बूंदी के सदर थाने में बजरी चोरी के इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी। वहीं बनास और चंबल नदी के आसपास के समान मामलों में बजरी माफियाओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर में जांच कर रिपोर्ट पेश करने को कहा था। सीबीआई की ओर से कहा गया कि एक मामले में पूरक आरोप पत्र पेश किया जा चुका है। बनास और चंबल के आसपास बजरी खनन से जुड़े ऐसे करीब 416 प्रकरण विभिन्न थानों में दर्ज हैं। वहीं, सीबीआई के पास संसाधनों की कमी और राज्य सरकार की ओर से उचित सहयोग नहीं मिलने के कारण इन प्रकरणों मे सीबीआई जांच करने में समर्थ नहीं है। इसलिए इन मामलों में कोई कार्रवाई नहीं की जा सकी। इस पर अदालत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि सीबीआई उच्चस्थ जांच एजेंसी है और वह ही संसाधनों की कमी की बात कह रही है। इसके साथ ही, अदालत ने सीबीआई निदेशक को 17 मार्च को व्यक्तिश: या वीसी के जरिए पेश होकर इस पर अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। गौरतलब है कि अदालत ने अप्रैल, 2024 में मामले की जांच सीबीआई को सौंपते हुए मौखिक टिप्पणी की थी कि मामले में कार्रवाई नहीं होने से लगता है कि पुलिस और खान विभाग की बजरी माफिया के साथ मिलीभगत है।

विश्व आदिवासी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा कि इस समुदाय के लोगों पर तरह तरह के अत्याचार हो रहे हैं, इसलिए उनकी समस्या पर सबका ध्यान केन्द्रित करने के लिए सरकार को उनकी जल-जंगल-जमीन की लड़ाई की मांग स्वीकार कर, नौ अगस्त विश्व आदिवासी दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करना चाहिए।

उन्होंने गोंडी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग करते हुए कहा कि देश के मूल निवासी आदिवासी हैं और इस देश पर सबसे ज्यादा अधिकार उनका ही है, लेकिन भाजपा आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को कमजोर कर उनकी जमीनों को छीनी रही है। आदिवासियों की ज़रूरत और कानून अलग हैं, इसलिए आदिवासी जिलों में पंचायती राज मजबूत करना चाहिए, क्योंकि आदिवासी ग्राम सभाओं को दिए कानून सर्वमान्य हैं, जिसका मतलब है कि गांव में स्वशासन इन गांवों के लोगों के माध्यम से होगा।

राजस्थान व तेलंगाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तक 125 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हमने परंपरागत एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोतों से 54 हजार मेगावाट से अधिक विद्युत क्षमता के लक्ष्य को वर्ष 2031-32 तक प्राप्त करने की दिशा में दूरगामी निर्णय लिए हैं।

तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि राजस्थान की अपार सौर ऊर्जा एक बेहतर भविष्य सुनिश्चित कर रही है। तेलंगाना की थर्मल ऊर्जा उत्पादन में दक्षता एवं राजस्थान की असीमित सौर क्षमता के लिए संपादित हुआ यह एमओयू ऊर्जा क्षेत्र में एक नया अध्याय लिखेगा। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि ऊर्जा विभाग तेलंगाना सरकार के साथ बेहतर सामंजस्य स्थापित करते हुए इन परियोजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करेगी। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने एक प्रस्तुतीकरण देते हुए एमओयू के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा (तेलंगाना) संदीप कुमार सुल्तानिया, प्रमुख सचिव (मुख्यमंत्री) आलोक गुप्ता, आरवीयूएनएल के सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी, सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड के सीएमडी एन. बलराम सहित संबंधित विभागों के अन्य उच्च अधिकारी उपस्थित रहे।

अमेरिका ने सोच-समझ कर जाल फेंका था, ज़ैलैंस्की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस घटना ने ट्रंप की उस छवि को भी धक्का पहुँचाया, जो एक ऐसे माहिर सौदागर के रूप में बनी हुई थी, जो सबसे जटिल हालात में भी सौदे कर सकता है। ज़ैलैंस्की-ट्रंप बैठक के फ्लॉप होने से अमेरिका को एक मल्टी-मिलियन डॉलर का सौदा गंवाना पड़ा, जिसमें दुर्लभ खनिज जैसे संसाधन शामिल थे, जिन्हें अमरीकी उद्योग लालच से देख रहे थे।

ओवल ऑफिस की झड़प ने डॉनल्ड ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से भी नुकसान पहुँचाया है। ट्रंप उम्मीद कर रहे थे कि एक बार जब वह दुश्मनी को ठंडा कर देंगे और रक्तपात खत्म कर देंगे, तो उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार मिलेगा। अब ऐसा लगता है कि वह पुरस्कार बहुत दूर है और नदारद हो गया है।

ट्रंप की पूरी रणनीति असफल साबित हुई, क्योंकि अब तक वह मुख्य रूप से रूस की मांगों को स्वीकार करके एक थोपे गए शांति समझौते को हासिल करने की कोशिश कर रहे थे। यह रणनीति अब उजागर हो गई है और ट्रंप की छुपी हुई योजना विफल हो गई।

डॉनल्ड ट्रंप, यूरोपीय देशों को पूरी तरह से बाहर रखकर एक शांति समझौता करवाने की कोशिश कर रहे थे। ट्रंप इस देश और उसके पड़ोसियों पर एक शांति समझौता थोपना चाहते थे। अब ऐसा लगता है कि किसी भी शांति वार्ता में यूरोपीय शक्तियों को भी शामिल करना होगा।

जब यूरोपीय शक्तियाँ युद्ध समाप्त करने के लिए एक समझौते की रूपरेखा तैयार करेंगी तो आपस में बैठकर करेंगी और अमेरिका को बाद में सूचित करेंगी। हो सकता है कि अमेरिका रूस के साथ मिलकर ऐसे किसी कदम को रोकने की कोशिश करे।

लंदन में यूरोपीय समिट में ज़ैलैंस्की का जो जोरदार स्वागत किया गया और ज़ैलैंस्की की रूसियों के खिलाफ लड़ाई में सराहना की गई, वह ट्रंप द्वारा यूक्रेनी नेता के साथ किए गए व्यवहार को अस्वीकार करने का स्पष्ट संकेत है।

यूरोप में, न केवल ज़ैलैंस्की का स्वागत किया गया, बल्कि किंग चार्ल्स ने भी उनसे मुलाकात की। यह अमेरिकियों के लिए एक स्पष्ट संकेत है कि यूरोप को ज़ैलैंस्की उच्चतम स्तर पर भी स्वीकार्य हैं।

यूक्रेन पर विवाद ऐसे समय पर हुआ है जब डॉनल्ड ट्रंप को अपने देश में सबसे कठिन प्रतिद्वंद्वियों का सामना करना पड़ेगा। अमेरिकी अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे स्लो हो रही है और कीमतें बढ़ रही हैं। दूसरे देशों से आने वाले सामानों पर लगाए गए मनमाने शुल्कों के कारण कीमतें और भी बढ़ गई हैं।

अमेरिकी उपभोक्ता महंगाई का सामना कर रहे हैं और रोजगार के लिए बाज़ार ढीला हो गया है। अब तक, रोजगार बढ़ रहा था, लेकिन अब इसके ठंडा होने के संकेत मिल रहे हैं। उपभोक्ता भी अचानक बहुत कम आशावादी नज़र आ रहे हैं।

'नरेगा लोकपाल की अपील सुनने..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के खिलाफ निकाली रिकवरी पर रोक लगा दी है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने ये आदेश सीमा शर्मा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता विजय पाठक ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाडा में पंचायती राज विभाग के अधीन विभिन्न पदों पर काम कर रहे हैं। गत जुलाई माह में नरेगा लोकपाल ने नरेगा में रोजगार प्रदान करने में असफल रहने पर याचिकाकर्ताओं के खिलाफ करीब साठ हजार रुपए की रिकवरी निकाल कर यह राशि नरेगा मजदूरों को देने के आदेश जारी कर दिए, जबकि याचिकाकर्ताओं ने सभी मजदूरों की ओर से काम मांगते ही जॉब कार्ड जारी कर दिए थे। याचिका में कहा गया कि लोकपाल के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई के लिए नियम 13.4 के तहत अपीलीय प्राधिकरण के गठन का प्रावधान है। इसके बावजूद, राज्य सरकार ने अब तक अपीलीय प्राधिकरण का गठन नहीं किया है, जिसके चलते लोकपाल की ओर से जारी अवॉर्ड और वसूली आदेशों की अपील नहीं हो पा रही है।

''नार्थ इण्डिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देना चाहिये। सभी भारतीय भाषाओं को समान अधिकार प्राप्त हैं तथा सभी समानता के साथ पढ़ाई जानी चाहिए। तमिलनाडु में कुछ लोग राजनैतिक कारणों से इसका विरोध कर रहे हैं। हमने एन.ई.पी. में यह कहीं नहीं कहा है कि केवल हिन्दी ही पढ़ाई जायेगी।''

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908